● वर्ष-3
● अंक-234
रायपुर, शुक्रवार
10 मई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› भारत का इकलौता जिंदा किला...

मोदी के नेतृत्व में दुनिया में बज रहा भारत का डंका-नड्डा

बोले- कांग्रेस ने बांटने की राजनीति की

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के दिग्गज नेता ताबड़तोड़ रैलियां और जनसभाएं कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चित्रकूट में चुनावी प्रसार किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि 10 साल पहले भारत के सामान्य नागरिक के मन में ये विचार घर कर चुका था कि अब कुछ बदलने वाला नहीं है, राजनीति ऐसी ही होती है, यहां गुंडों का राज चलता रहेगा। लेकिन मोदी जी के आने बाद भारत की राजनीति में सबकुछ बदला है, ये चुनाव आप भाजपा को तो जीता ही रहे हैं, साथ ही आप विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर चल पड़े हैं। नड्डा ने कहा कि 10 साल भारत की राजनीति में परिवारवाद, जातिवाद, व्यक्तिवाद, भ्रष्टाचार, वोटबैंक और तुष्टिकरण ही चलता था। लेकिन मोदी जी ने 10 साल में जातिवाद, क्षेत्रवाद और तुष्टिकरण की राजनीति के साथ लोहा लेते हुए, विकासवाद की राजनीति को आगे बढ़ाया और मंत्र रखा - सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। उन्होंने कहा कि आज देश में रिपोर्ट कार्ड, जवाबदेही, विकासवाद और सबको साथ लेकर चलने की राजनीति चल रही है। ये मोदी जी की संस्कृति है। जो कहा था, वो किया है और जो नहीं कहा था, वो भी करके दिया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र को आत्मसात करते हुए गांव, गरीब, शोषित, वंचित, पीड़ित, युवा, किसान और महिलाओं को मजबूती देने का काम किया। उन्होंने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य था। लेकिन आज मोदी जी और योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में आकर खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में अब चित्रकूट को भी शामिल कर लिया गया है। इसके यहां आने से चित्रकूट और बांदा की तस्वीर बदल जाएगी और यहां के नौजवानों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। नड्डा ने कहा कि ये घमंडिया गठबंधन केवल दो बातों का गठबंधन है। मोदी जी कहते हैं - भ्रष्टाचारी हटाओ, घमंडिया गठबंधन वाले कहते हैं - भ्रष्टाचारियों को बचाओ। ये घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा है।

मोदी के हाथ से फिसल रहा चुनाव-राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि विपक्ष के नेतृतव वाली इंडिया गठबंधन की सरकार सत्ता में आने पर 15 अगस्त तक विभिन्न सरकारी विभागों में 30 लाख रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू करेगी। एक वीडियो संदेश में, कांग्रेस सांसद ने देश के युवाओं से एक अपील की जिसमें उन्होंने कहा अगले 4-5 दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ध्यान भटकाने की कोशिश करेंगे क्योंकि उन्हें समझ आ गया है कि चुनाव उनके हाथ से फिसल रहा है। राहुल गांधी ने अपने संदेश में कहा कि वह प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे और उन्होंने अब 4-5 दिनों के लिए आपका ध्यान भटकाने का फैसला किया है।% वह कोई न कोई ड्रामा करेंगे। लेकिन आपका ध्यान नहीं भटकना चाहिए। बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है नरेंद्र मोदी ने 2 करोड़ नौकरियों का वादा किया था लेकिन यह झूठ था। वह नोटबंदी, गलत जीएसटी लाए और अडानी जैसे लोगों की सेवा की। उन्होंने कहा कि हम भारती भरोसा लेकर आ रहे हैं। 4 जून को इंडिया ब्लॉक सरकार बनाएगा और 15 अगस्त तक 30 लाख खाली पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। जय हिंद। नमस्कार। उन्होंने अपने संदेश में नरेंद्र मोदी के इस हमले पर पलटवार करते हुए अडानी का जिक्र किया कि राहुल गांधी ने अडानी-अंबानी का नाम लेना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि पांच साल तक कांग्रेस के शहजादा एक ही बात दोहराते रहे। लेकिन जब राफेल मुद्दा फीका पड़ गया, तो उन्होंने पांच उद्योगपतियों, खासकर अंबानी और अडानी को निशाना बनाना शुरू कर दिया।

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ असंसदीय बयान देने के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के खिलाफ विवादों में घिर गए हैं। अहमदनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राउत ने कहा हमने औरंगजेब को महाराष्ट्र में दफना दिया है, फिर हमारे लिए नरेंद्र मोदी कौन हैं। ऐसी है हम मराठियों की वीरता। संजय राउत ने अपने संबोधन में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म महाराष्ट्र में हुआ था और औरंगजेब का जन्म गुजरात में हुआ था और ये दोनों व्यवसायी नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी हैं।

संजय राउत ने आगे कहा कि इतिहास देखें तो औरंगजेब का जन्म नरेंद्र मोदी के गांव में हुआ था। अहमदाबाद के बगल में दाहोद नाम का गांव है, जहां औरंगजेब का जन्म हुआ था। औरंगजेब का जन्म गुजरात में हुआ था, इसीलिए उन्होंने (पीएम मोदी और अमित) शाह) हमारे साथ औरंगजेब जैसा व्यवहार कर रहे हैं। लेकिन याद रखें कि हमने एक औरंगजेब को महाराष्ट्र की इस भूमि में दफनाया है औरंगजेब 27 वर्षों से महाराष्ट्र को जीतने के लिए लड़ रहा था। अंत में, हमने उस औरंगजेब को महाराष्ट्र की मिट्टी में दफनाया और उसकी कब्र खोदी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी तू कौन है, तू कौन है?

राउत ने हाल ही में बुलढाणा में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए इसी तरह का बयान दिया था। उन्होंने कहा था, %शिवाजी महाराज का जन्म महाराष्ट्र में हुआ था और नरेंद्र मोदी का जन्म गुजरात में हुआ था जहां औरंगजेब का जन्म हुआ था।

औरंगजेब की कब्र खोद दी मोदी तू कौन है -राउत

कोई सफेद है, कोई काला... सैम पित्रोदा को बचाने के चक्कर में गड़बड़ाए अधीर, बीजेपी ने साधा निशाना

सैम पित्रोदा की नस्लवादी टिप्पणी के बाद भाजपा ने गुरुवार को कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के शब्दों के चयन पर सवाल उठाया और कहा कि कांग्रेस की मानसिकता उजागर हो गई है - केवल शब्द कभी सैम पित्रोदा की ओर से आते थे और अब की ओर से। अधीर चौधरी. सैम पित्रोदा की टिप्पणियों पर उपजे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए अधीर ने बुधवार को बयान की निंदा नहीं की और कहा कि यह पित्रोदा की निजी राय है। हमारे पास प्रोटो ऑस्ट्रेलॉयड, मंगोलॉयड वर्ग, नेग्रिटा वर्ग के लोग हैं। है तो है (ऐसा ही है)। हमारे देश की जनसांख्यिकी में क्षेत्रीय विशेषताएं अलग-अलग हैं। अधीर ने कहा किसी ने जो कहा वह उसकी निजी राय है लेकिन यह सच है कि कुछ लोग गोरे हैं, कुछ काले हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि अधीर रंजन चौधरी ने सैम पित्रोदा का बचाव करने की कोशिश में भारतीयों के बारे में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया।

मानसिक संतुलन खो बैठे हैं उद्धव ठाकरे-फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने गुरुवार को अपने पूर्व सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर उनकी नशीले बंदर वाली टिप्पणी के लिए पलटवार करते हुए कहा कि पूर्व सीएम ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है। इससे पहले, एक चुनावी रैली में ठाकरे ने फडणवीस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा था कि नशे में बंदर हैं जो दिल्ली में बैठे लोगों के निर्देशों पर बोल रहे हैं। फडणवीस ने कहा कि उद्धव ठाकरे अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। उन्हें मनोचिकित्सक से इलाज की जरूरत है। वह ऐसी बातें इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्हें चुनाव में हार साफ नजर आ रही है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि लोगों ने उन्हें खारिज कर दिया है, इसलिए वह अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी ठाकरे पर दोगली राजनीति करने का आरोप लगाते हुए उन पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उनके पूर्ववर्ती शिवसेना में उनकी वापसी के लिए शांति की पेशकश का नाटक करते हुए उनके घर पर हमले की साजिश रच रहे थे।

चिरंजीवी-वैजयंती माला पद्म विभूषण से सम्मानित

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को दक्षिण भारत के मेगास्टार चिरंजीवी को देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान, पद्म विभूषण से सम्मानित किया। चिरंजीवी के अलावा, अनुभवी अभिनेत्री वैजयंतीमाला को उनके परिवार की उपस्थिति में पद्म विभूषण मिला। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में नागरिक अलंकरण समारोह के दौरान कला के क्षेत्र में जॉर्डन लेप्चा को पद्मश्री से सम्मानित किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सार्वजनिक मामलों के क्षेत्र में सत्यब्रत मुखर्जी (मरणोपरांत) को पद्म भूषण प्रदान किया। दिवंगत सत्यब्रत मुखर्जी के बेटे सुमेंद्र नाथ मुखर्जी को यह पुरस्कार मिला। मीडिया दिग्गज होर्मूसजी एन कामा को दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में नागरिक अलंकरण समारोह के दौरान पद्म भूषण पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस दौरान मुर्मू ने साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में श्रीधर मकाम कृष्णमूर्ति को पद्मश्री से सम्मानित किया। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के किसान के चेल्लाम्मल को कृषि के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार मिला।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खेल के क्षेत्र में जोशना चिनप्पा को पद्मश्री से सम्मानित किया। मुर्मू ने कृषि के क्षेत्र में सत्यनारायण बेलेरी को पद्मश्री से सम्मानित किया।

हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक सोम दत्त बट्टू को दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्म श्री पुरस्कार मिला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में नागरिक अलंकरण समारोह के दौरान मूर्तिकार ए वेलु आनंद चारी को पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किया।

मालदीव को जयशंकर ने चुन-चुनकर गिनाए भारत के एहसान

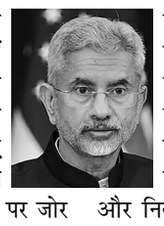

नई दिल्ली। भारत और मालदीव के विदेश मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच संबंधों में गिरावट के बाद पहली बार राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में मुलाकात की। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपने मालदीव दौरे पर आए समकक्ष मूसा ज़मीर का स्वागत करते हुए इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच संबंध आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर निर्भर हैं। हालांकि भारतीय पक्ष ने पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू के कार्यभार संभालने के बाद से चीन या उसके राजनयिक बदलाव का उल्लेख नहीं किया। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे नई दिल्ली ने अपनी पड़ोसी पहले नीति को बनाए रखा और जब भी जरूरत पड़ी द्वीपसमूह राष्ट्र की मदद करने के लिए उपस्थित रहने की नीति पर कायम है। करीबी और निकटतम पड़ोसियों के रूप में हमारे संबंधों का विकास स्पष्ट रूप से आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर आधारित है। जहां तक भारत का सवाल है, ये हमारी पड़ोसी प्रथम नीति और सागर दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यक्त किए गए हैं।

प्रमुख समाचार

के कविता ने उच्च न्यायालय में जमानत के लिए लगाई अर्जी

नई दिल्ली। जेल में बंद भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के कविता ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत के लिए गुरुवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को कविता की न्यायिक हिरासत 14 मई तक बढ़ा दी। सीबीआई और ईडी मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने रिमांड की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किए जाने के बाद तेलंगाना एमएलसी की हिरासत बढ़ा दी। कार्यवाही के दौरान, प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत को बताया कि जांच महत्वपूर्ण चरण में है और वह एक सप्ताह के भीतर कविता के खिलाफ आरोप पत्र दायर कर सकती है। इससे पहले, एक अदालत ने सोमवार को सीबीआई और ईडी द्वारा जांच किए जा रहे भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में कविता द्वारा दायर जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया था। सीबीआई और ईडी के विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने आवेदन खारिज करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सामग्री प्रतीत होती है।

पवन सिंह हुए बागी, काराकट से भर दिया नामांकन

नई दिल्ली। बिहार की काराकट सीट अब चर्चाओं के केंद्र में है। इसकी बड़ी वजह यह है कि भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह ने आज अपना नामांकन दाखिल कर लिया है। पवन सिंह के नामांकन में भोजपुरी सिने जगत के कई बड़े कलाकार शामिल हुए जिसमें नवादा से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे गुंजन सिंह, भोजपुरी स्टार अरविंद कुमार अकेला उर्फ कल्लू, आर्यन बाबू शामिल रहे। पवन सिंह को भाजपा की ओर से लगातार मनाने की कोशिश हो रही थी। लेकिन पवन सिंह नहीं माने। पवन सिंह ने भारी हुजूम के साथ अपना नामांकन दाखिल किया। वह सासाराम में रोहतास समाहरणालय पहुंचे थे। पवन सिंह को पहले आसनसोल से भाजपा ने टिकट दिया था। हालांकि उन्होंने लौटा दिया था। इसके बाद पवन सिंह ने काराकाट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। पवन सिंह के काराकाट से चुनावी मैदान में उतरने के बाद यहां त्रिकोणीय मुकाबला दिखाई दे रहा है। एक ओर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन से उपेंद्र कुशवाहा उम्मीदवार है जो की राजनीति के बड़े खिलाड़ी हैं।

बरकरार रहेगा 4 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण- जगन मोहन

नई दिल्ली। आरक्षण और अल्पसंख्यक कोटा को लेकर भाजपा और विपक्षी नेताओं के बीच चल रही बहस के बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि 4 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण रहेगा और इस पर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी का अंतिम शब्द है। कुरनूल में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, सीएम ने कहा कि एक तरफ चंद्रबाबू नायडू 4 फीसदी मुस्लिम आरक्षण हटाने पर अड़ी बीजेपी से हाथ मिलाते रहते हैं तो दूसरी तरफ अल्पसंख्यक वोट पाने के लिए नए-नए नाटक करते रहते हैं। क्या आपने गिरगिट जैसा चंद्रबाबू नायडू देखा है? जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि चाहे कुछ भी हो, 4 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण बना रहेगा और इस पर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी का अंतिम शब्द है। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू से मेरा एकमात्र सवाल यह है कि एनडीए सरकार द्वारा 4 प्रतिशत आरक्षण रद्द करने का वादा करने के बाद भी उन्होंने एनडीए के साथ गठबंधन क्यों जारी रखा है? चल रहे लोकसभा चुनाव की लड़ाई पर टिप्पणी करते हुए, रेड्डी ने कहा कि अगले 4 दिनों में कुरूक्षेत्र का युद्ध होना तय है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के केबिन क्रू ने हड़ताल ख़त्म की

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस के केबिन क्रू ने उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विचार करने के लिए सहमत होने के बाद हड़ताल वापस ले ली। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। इसके साथ ही एयरलाइन 25 केबिन क्रू को जारी किए गए टर्मिनेशन लेटर वापस लेने पर सहमत हो गई है। ढाई दिनों के गतिरोध के बाद, एयरलाइन और चालक दल गुरुवार को बीच रास्ते पर आ गए, जिससे सैकड़ों यात्रियों की परेशानी खत्म हो गई। कथित कुप्रबंधन के विरोध में केबिन क्रू के एक वर्ग के बीमार होने की सूचना के कारण मंगलवार रात से सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी गईं। गुरुवार को, एयरलाइन ने हड़ताल पर रहे लगभग 25 केबिन क्रू को समाप्ति पत्र जारी किए। समाप्ति पत्रों के बारे में सीधे उल्लेख किए बिना, एयरलाइन ने गुरुवार को कहा कि वह कुछ व्यक्तियों के खिलाफ उचित कदम उठा रही है क्योंकि उनके कार्यों से हजारों यात्रियों को गंभीर असुविधा हुई है। व्यवधानों को कम करने के प्रयासों में, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी 13 मई तक उड़ानों में कटौती करने का निर्णय लिया है✎

चिराग पासवान का हेलीकॉप्टर हेलीपैड पर क्रैश हो जाता

नई दिल्ली। एक तनावपूर्ण क्षण तब सामने आया जब लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को ले जा रहा हेलीकॉप्टर बिहार के उजियारपुर लोकसभा क्षेत्र के मोहद्दी नगर में हेलीपैड के पास दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गया। यह चिंताजनक घटना तब घटी जब पासवान का हेलीकॉप्टर निर्धारित हेलीपैड पर उतरने की प्रक्रिया में था। हालाँकि, यह एक संभावित दुर्घटना से बाल-बाल बच गया, जिससे ऐसे परिचालनों के लिए सुरक्षा उपायों के बारे में गंभीर चिंताएँ पैदा हो गईं। शुक्र है, किसी के घायल होने की सूचना नहीं है और पासवान और उनकी टीम दोनों सुरक्षित बच गए। फिर भी, यह घटना लैंडिंग और टेकऑफ़ जैसे महत्वपूर्ण क्षणों के दौरान हेलीकॉप्टर यात्रा से जुड़े अंतर्निहित जोखिमों को रेखांकित करती है। हालांकि हेलीपैड पर पायलट और ग्राउंड क्रू की त्वरित प्रतिक्रिया से एक आपदा टल गई, लेकिन यह हाई-प्रोफाइल यात्राओं के दौरान सुरक्षा मानकों और प्रोटोकॉल की बारीकी से जांच करने के लिए प्रेरित करता है। सुरक्षा उपायों की पर्याप्तता और स्थापित प्रक्रियाओं के पालन के संबंध में प्रश्न उठ सकते हैं।

तीसरे चरण की वोटिंग के बाद बीजेपी के 370 पार करने की संभावना

अभिनय आकाश

तीसरे चरण के चुनाव के बाद सभी उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है और जिसका फैसला 4 जून को होगा। तीसरे फेज की वोटिंग ने रफ्तार पकड़ ली है। पहले दो फेज में मतदान की धीमी रफ्तार ने तीसरा चरण आते आते उसके प्रतिशत का आंकड़ा बीते चुनाव के बरक्स में खड़ा नजर आया। तमाम लेफ्ट लिबरल और यूट्यूब के कुछ पत्रकारों ने ये थ्योरी देनी शुरू कर दी कि कम वोटिंग का नुकसान बीजेपी को होगा। तो थोड़ा सा धन्यवाद उन्हें भी बीजेपी को कर देना होगा कि जिनकी वजह से बीजेपी के वोटर बाहर निकले।

तीसरा चरण बीजेपी के लिए काफी अहम था क्योंकि इसमें अधिकतर सीटें उसी के पास थी। वोटिंग कम हुई है तो किसके वोटर कम निकले इसका साइंटिफिक डाटा का पता लगा लेना फिलहाल मुमकिन नहीं है। पहले तीन चरणों को मिला दें तो 283 सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। इन 283 में से कांग्रेस तो बहुत पीछे हैं और बीजेपी उससे काफी आगे है। बीते चुनाव में बीजेपी ने 164 सीटों पर जीत हासिल की थी। वोटिंग प्रतिशत के कम होने की एक वजह ये भी बताई जा रही है कि कांग्रेस का वोटर निराश है। उन्हें लग रहा है कि आएगा तो मोदी ही। वहीं बीजेपी के वोटर सोच रहे हैं कि हमारे एक वोट से क्या फर्क पड़ेगा। मोदी सरकार 400 पार का नारा लगाएंगे लेकिन वोट देने नहीं जाएंगे। ऐसा ही कुछ दो फेज में देखने को मिला। अब धूप की वजह से कम वोटिंग की बात करने वालों की थ्योरी धराशायी हो गई। बाहर के तापमान को भी देखें तो टेंपरेचर बढ़ता ही नजर आ रहा है और इसके साथ ही वोटिंग प्रतिशत भी। राहुल गांधी तो पिछले वीकेंड पर भले ही वीक ऑफ पर हो लेकिन प्रधानमंत्री ने अयोध्या का दौरा किया। वहीं बीजेपी के हार्ड कोर वोटर को लगा कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि उनकी पार्टी को इसका खामियाजा उठाना पड़े। वो भारी तादाद में बाहर निकले। संगठन, ग्राउंड वर्कर का रोल यहीं अहम हो जाता है। जिसमें कांग्रेस पर बीस साबित होती है बीजेपी।

साल 2014 के लोकसभा चुनाव में इन्हीं सीटों पर 65.1 प्रतिशत का मतदान हुआ था। उस वक्त बीजेपी 282 सीटें सारे चरणों के मतदान के बाद हासिल किए थे और कांग्रेस के हिस्से में 44 सीटें आई थी। 2019 में 67.4 प्रतिशत वोटिंग के साथ बीजेपी ने 303 सीटें जीती और कांग्रेस ने 52 पर जीत दर्ज की थी। यानी वोटिंग प्रतिशत में इजाफा ने बीजेपी के सीटों का मुनाफा करवाया। जबकि तीसरे चरण की वोटिंग के साथ देश की 52 प्रतिशत सीटों पर चुनाव संपन्न हो चुका है। बीजेपी को अपने पिछले प्रदर्शन को दोहराना होगा तो उसे पहले तीन चरणों की 282 सीटों में से 164 पर जीत मिलनी चाहिए। वहीं अगर उससे बेहतर की उम्मीद की जाए यानी कि 370 सीटें जीतना हो तो बीजेपी को बाकी के शेष चार चरणों की 260 सीटों में से 207 सीटें जीतनी होगी। पिछली बार इन 260 सीटों में से बीजेपी ने 139 सीटें जीती थीं।

कांग्रेस और विपक्षी दलों का गठबंधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कड़ी टक्कर देने में कामयाब रहा ये कोई भी एकदम कॉन्फ़िडेंस के साथ नहीं कह सकता। हां ये बात और है कि सोशल मीडिया पर तो बीजेपी को कड़ी टक्कर मिली है। लेकिन पोलिंग बूथ पर टक्कर को लेकर शक है। बीजेपी के 150 से लेकर 180 सीटों पर सिमटने का दावा करने वालों से हमारा ये सवाल है कि इस चुनाव में कांग्रेस कितनी सीट जीत रही है? हकीकत ये है कि पिछली दफा कांग्रेस ने देश की 421 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिनमें से लगभग 12% यानी 52 सीटों पर उसे जीत मिली थी। लेकिन इस बार कांग्रेस अपने इतिहास की सबसे कम 328 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अगर वो अपने पिछले प्रदर्शन को ऐसे के ऐसे ही दोहराने में कामयाब होती है तो वो केवल 40 सीट ही जीत पाएगी। कांग्रेस भले ही बीजेपी को बराबर की टक्कर देने का मौखिक दावा जरूर कर रही हो। लेकिन वो बीजेपी की बराबर सीटों पर चुनाव तक नहीं लड़ पाई है। बीजेपी 410 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

फर्स्ट हाफ में प्रधानमंत्री का विटेंज रूप देखकर बीजेपी के कोर वोटर उत्साहित हुए हैं। पहले चरण में मोदी ने अपने गारंटी की बात की और सरकार की उपलब्धियां गिनाई। लेकिन दूसरे चरण से ही उन्होंने वो सारी बात कही जो मोदी का सबसे पुराना रूप है और जिसकी सबसे ज्यादा फैन फॉलोइंग है। प्रधानमंत्री मोदी की जो स्वाभाविक राजनीति है और जिसके लिए वो पसंद किए जाते हैं। पहले चरण की वोटिंग के बाद पीएम मोदी ने अपना गियर बदल लिया। लेकिन सबसे अहम बात है कि इस बार कुछ लोग सोशल मीडिया को देखकर चुनाव में हार और जीत का अनुमान लगा रहे हैं। वोटिंग के बढ़ने पर भी विपक्ष की तरफ से कोई बयान देखने को नहीं मिला।

टॉप 10 में बिलासपुर की तीन छात्राओं ने मारी बाजी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड रायपुर ने गुरुवार को हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी के परीक्षा परिणाम घोषित किए। जिसमें टॉप 10 की सूची में बिलासपुर की तीन छात्राओं ने स्थान बनाया है, वहीं एक छात्र अभिषेक गुप्ता कक्षा 10वीं में टॉपर टेन में शामिल है। कक्षा दसवीं में साक्षी साहू ने आठवां तथा प्रिया तिवारी ने नौवां स्थान हासिल किया है, वहीं कक्षा 12वीं में वेदांतिका शर्मा को पांचवा स्थान मिला।

बिलासपुर जिले में इस वर्ष कक्षा दसवीं में 23670 तथा 12वीं में 18839 विद्यार्थियों ने बोर्ड की परीक्षा दी थी। 12वीं कक्षा में 80.74 और कक्षा दसवीं में 75.6 विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित किया है। वही टॉप 10 सूची में इस वर्ष बिलासपुर जिले के 4 विद्यार्थियों ने परचम लहराया है।

कक्षा दसवीं में तीखा शंकर पब्लिक स्कूल लोहारसी की छात्रा साक्षी साहू ने 97.50 अंक अर्जित कर आठवां स्थान हासिल किया है। वही शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला सकरी की छात्रा प्रिया तिवारी ने 97.33 अंक हासिल कर नौवा स्थान हासिल किया है। इसके अलावा कक्षा 12वीं में सेंट जोसेफ कॉन्वेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल तार बहार बिलासपुर की छात्रा वेदांतिका शर्मा ने 96 प्रतिशत अंक के साथ पांचवा स्थान हासिल किया है। जिले के एक मात्र छात्र अभिषेक गुप्ता टॉप टेन में जगह बनाने में कामयाब रहे है और उन्होंने 97.67 प्रतिशत अंक हासिल कर पांचवें स्थान पर रहे।

रिया आज तक नहीं गई ट्यूशन हासिल किया 9वां स्थान

भिलाई। अभाव के बीच अपने सपनों को तलाशती कुम्हारी की रिया साहू ने कक्षा दसवीं की परीक्षा में 9वां स्थान हासिल करते हुए 97.17 अंक हासिल किए। रिया कुम्हारी के स्वामी आत्मानंद स्कूल की छात्रा है और उन्होंने आज तक ट्यूशन नहीं किया है बल्कि स्कूल में जो पढ़ाई होती थी उसे ही घर में आकर रीविजन कर मेहनत करती थी। टॉप टेन में जगह पाने के बाद उन्होंने कहा कि वह जेईई मेंस क्रैक करना चाहती है और उसे नृत्य एवं संगीत का भी शौक है। रिया के पिता राकेश साहू की टू व्हीलर मैकेनिक शॉप है, वही मां रिंकी साहू गृहणी है। रिया घर में सबसे बड़ी है उससे छोटी अनइया साहू कक्षा सातवीं एवं ओम साहू कक्षा दूसरी में अध्यनरत है।

मजदूर की बेटी हर्षवती ने 12वीं में किया टॉप, सिविल सर्विस की करेंगी तैयारी

बालोद। बालोद जिले के झलमला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाली हर्षवती साहू ने 12वीं के रिजल्ट में टॉप 10 रैंक हासिल किया है। हर्षवती ने 12 बोर्ड परीक्षा में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। हर्षवती साहू के मुताबिक उसकी कामयाबी से सभी खुश हैं। आपको बता दें कि हर्षवती साहू

आर्ट्स की स्टूडेंट हैं। वो आगे शिक्षा के क्षेत्र में काम करना चाहती हैं। हर्षवती ने बताया कि मेहनत करने पर सफलता जरुर मिलती है। बिना मेहनत के सफलता की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

बेटी की इस सफलता से पूरा परिवार गदगद है।उनके पिता किरण साहू ने बताया कि वे कृषि मजदूरी का काम करते हैं। रोजी मजदूरी कर जो मेहनत किया बेटी ने उसका परिणाम लाया है। आज मेरे सारे मेहनत का प्रतिफल मिला है। आपको बता दें हर्षवती ने 10वीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक हासिल किया था। अभी हर्षवती अपने स्वर्णिम समय को अपने परिजन और स्कूल दोस्त के साथ इस लम्हे का आनंद ले रहे हैं।

हर्षवती साहू ने कहा मेरे शिक्षकों ने भी मुझ पर विश्वास दिखाया था। मैं उसके विश्वास पर खड़ा उतर पाई हूं। आज मैं खुद को सौभाग्यशाली समझती हूं कि एक किसान और मजदूर की बेटी होने के बाद इस मुकाम तक पहुंच पाई हूं।

आपको बता दें कि हर्षवती सिविल सर्विसेज की तैयारी करेंगी।हर्षवती की माने तो वो शिक्षा के क्षेत्र में भी बेहतर करना चाहती हैं। वह अपने भविष्य के लिए दो ऑप्शन लेकर रखी हुई है। जिसमें शिक्षा विभाग और सिविल सर्विसेज शामिल है। हर्षवती का कहना है कि हम मेहनत करेंगे तो सफलता जरूर हाथ आएगी।

अनुमान नहीं था कि वह पूरे प्रदेश में टॉप करेगी : महक

महासमुंद। छत्तीसगढ़ माशिमं द्वारा जारी किए गए 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में पूरे प्रदेश में अव्वल आई महासमुंद की महक अग्रवाल ने कहा कि उन्हें अनुमान नहीं था कि वह पूरे प्रदेश में टॉप करेगी क्योंकि वह 10वीं में भी टॉप टेन में रह चुकी है। चचेरे भाई-बहन की प्रेरणा उन्होंने कॉमर्स विषय का चयन किया था।

सराईपाली स्थित इवास वुडलैंड इंग्लिश मीडियम हायर सेकंडरी स्कूल की छात्रा महक अग्रवाल के पिता नवीन अग्रवाल व्यवसायी हैं और बेटी के टॉप करने के बाद उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया है। टॉप करने के बाद महक का कहना है कि उसे टॉप 10 में आने की उम्मीद थी, क्योंकि उसने 10वीं बोर्ड की परीक्षा में भी टॉप टेन में जगह मिली थी, लेकिन उसे इस बात का अनुमान नहीं था कि वह पूरे प्रदेश में टॉप करेगी। टॉप करने के बाद सभी लोग बहुत ज्यादा खुश हैं। उन्होंने कॉमर्स विषय लेने के पीछे की वजह बताते हुए कहा कि चचेरे भाई-बहन की प्रेरणा से इस विषय का चयन किया था। माता-पिता ने इस निर्णय का समर्थन किया और पढ़ाई में स्कूल प्रिंसिपल से लेकर सभी शिक्षकों का शुरू से पूरा सहयोग मिलता रहा है। महक ने परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करने के लिए शुरू से ही पढ़ाई करने पर जोर देते हुए कहा कि ऐसा न सोचें कि आखिरी में परीक्षा में पढ़ाई कर अच्छे अंक हासिल कर लेंगे।

आयुषी ने 12वीं में हासिल की तीसरा स्थान

जशपुर। कक्षा 12वीं के परिणाम में शहर के शासकीय स्वामी आत्मानंद स्कूल की छात्रा आयुषी गुप्ता ने बलौदा बाजार की छात्र प्रीति के साथ संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया है। आयुषी ने बिना ट्यूशन किए यह स्थान हासिल किया और अब वह सीए बनना चाहती है। आयुषी के पिता मुकेश पुरानी टोली में एक चौपाटी का संचालन करते हैं और माता सुषमा गुप्ता घरेलू महिला है। आयुषी ने बताया कि वह नियमित रूप से कम से कम 6 घंटा पढ़ाई किया करती थी, इसके साथ ही वह लाइब्रेरी में भी पढ़ाई किया करती थी। परीक्षा के दौरान पूरी तरह दबाव से मुक्त रही और उसके माता-पिता ने भी दबाव मुक्त होकर परीक्षा की तैयारी करने में पूरी तरह से सहयोग दिया।

एक-एक लाख के ईनामी नक्सली सहित 7 नक्सली गिरफ्तार

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत जगरगुण्डा एरिया कमेटी के नक्सलियों की लगातार उपस्थिति की आ-सूचना पर जिलाबल, डीआरजी एवं 201, 206 वाहिनी कोबरा वाहिनी की संयुक्त पार्टी अलग-अलग टीम तैयार कर अभियान हेतु ग्राम चिन्नाबोड़केल, रायगुड़ा, पेद्दाबोड़केल, तुमालपाड़, तिम्मापुरम व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे।

अभियान के दौरान ग्राम चिन्नाबोडकेल के जंगल पहाड़ी के पास से हेमला भीमा पिता स्व. आयतु (चिन्नाबोड़केल आरपीसी डीएकेएमएस अध्यक्ष ईनामी 01 लाख रूपये), माड़वी बोज्जी पिता स्व. दुला (ग्राम चिन्नाबोड़केल डीएकेएमएस अध्यक्ष ईनामी 01 लाख रूपये), कुहराम बोज्जा पिता हुंगा (चिन्नाबोड़केल मेडिकल टीम सदस्य), माड़वी सुक्का पिता स्व. माड़वी मुडा (ग्राम चिन्नाबोड़केल डीएकेएमएस सदस्य), लेकाम रामा पिता स्व. आयतु (ग्राम चिन्नाबोड़केल संघम सदस्य), माड़वी नरसा पिता स्व. कोना (रायगुड़ा डीएकेएमएस सदस्य) एवं कुहराम धुरवा पिता स्व. हांदा (तुमालपाड़ मिलिशिया सदस्य) सभी निवासी तुमालपाड़ थाना चिंतलनार जिला सुकमा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हेमला भीमा से 1 नग पाईप बम, कुहराम बोज्जा से कोर्डेक्स वायर, माड़वी सुक्का से 3 नग बीजीएल सेल, माड़वी बोज्जी से 5 नग डेटोनेटर, लेकाम मासा से 2 नग बीजीएल सेल एवं 1 गन कैमरा फ्लेश, माड़वी नरसा से पॉलिथीन में बारूद लगभग 100 ग्राम, 1 बंडल बिजली वायर, कुहराम धुरवा से कोडेक्स वायर, 7 नग इलेक्ट्रिक स्वीच, 13 नग पेसिंल सेल बरामद किया गया। उक्त कृत्य विधि विरूद्ध पाये जाने से सभी गिरफ्तार नक्सलियों के खिलाफ थाना चिंतलनार में अपराध क्रमांक 04/2024 धारा 4, 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्यवाही उपरांत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया।

तेंदुपत्ता तोड़ने गए बुजुर्ग ग्रामीण को हाथी ने कुचला

■ किसानों की फसलें भी कीं बर्बाद

रायगढ़। छाल थाना क्षेत्र के भलमुडी गांव निवासी सुबरन राठिया पुत्र बुद्धुराम राठिया बुधवार की सुबह तेंदुपत्ता तोड़ने जंगल गया हुआ था। जहां से रात तक वापस घर नहीं लौटा। इस बीच गुरूवार की सुबह जब गांव के लोग उसे खोजते हुए जंगल की ओर पहुंचे, तब उन्हें सुबरन की लाश मिली। ग्रामीणों के अनुसार, तेंदुपत्ता तोडने के दौरान सुबरन का छाल वन परिक्षेत्र के आरएफ 519 औरानारा में हाथी से सामना हो गया। इसके बाद हाथी ने कुचलकर सुबरन को मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग गर्मी के दिनों में कुछ पैसे कमाने के लिये हाथी प्रभावित जंगलों में हाथी की मौजूदगी की जानकारी होने के बावजूद तेंदुपत्ता तोड़ने जाते हैं। इस दौरान हाथी से सामना हो जाने के बाद जनहानि की घटना भी सामने आती रही हैं। एक जानकारी के अनुसार धरमजयगढ़ वन मंडल के छाल वन परिक्षेत्र के जंगलों में बीते कई सालों से हाथियों के दल ने डेरा डाला हुआ है।

वन विभाग के अनुसार इन दिनों रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ वन मंडल में 127 हाथी

अलग-अलग दल में विचरण कर रहे हैं। वहीं, रायगढ़ वन मंडल के जंगलों में पांच हाथी विचरण कर रहे हैं। हाथियों के दल में सर्वाधिक धरमजयगढ़ वन परिक्षेत्र के क्रोन्धा में 37 हाथी, छाल के पुरूंगा में 26, छाल के बेहरामार में 16, कापू में 12, के अलावा अलग-अलग बीट में हाथियों का विचरण कर रहा है। हाथियों के इस दल में नर 37, मादा 60 के अलावा 35 बच्चे शामिल हैं।

आठ किसानों की फसल को नुकसान

धरमजयगढ़ वन मंडल में अलग-अलग दल में विचरण कर रहे हाथियों ने बीती रात नौ किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। जिसमें छाल के हाटी, खर्रा, कीदा पुरूंगा, गेरवानी में पांच किसानों की धान की फसल, बनहर में एक किसान की धान की फसल, खडगांव में एक किसान की धान की फसल के अलावा बरतापाली में एक किसान की धान की फसल शामिल है।

मुनादी कराकर दी जाती है जानकारी

वन विभाग की टीम के द्वारा लगातार हाथी प्रभावित क्षेत्रों में मुनादी कराने के साथ-साथ जागरूकता अभियान चलाकर गांव के ग्रामीणों को हाथी से सावधानी बरतने की बात कहते हुए जंगलों में हाथी विचरण करने की जानकारी देते हुए किसी भी हाल में जंगलों की तरफ नही जाने की समझाईश दी जाती रही है। ताकि हाथी और मानव के बीच जारी द्वंद्व को रोका जा सके।

ड्रोन कैमरे से रखी जाती है नजर

जंगलों से घिरे रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ वन मंडल में एक लंबे अर्से से हाथियों का एक दल विचरण कर रहा है। यहां हाथियों की संख्याओं में कमी एवं बढ़ोतरी होती रहती है। चूंकि भोजन एवं पानी की पर्याप्त मात्रा होने की वजह से यहां का जंगल हाथियों के लिये अनूकुल भी माना जाता है। ऐसे में वन विभाग एवं हाथी मित्र दल के द्वारा हाथियों के मूवमेंट में नजर बनाये रखने हेतु ड्रोन कैमरे से हाथियों पर नजर रखी जाती है। साथ ही जिस क्षेत्र में हाथियों का दल पहुंचता वहां के लोगों को सावधानी बरतने की अपील की जाती है।

10वीं में चौथे स्थान पर रहीं डॉली

बालोद। बालोद जिले के स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम विद्यालय में पढ़ने वाली डॉली साहू ने बालोद जिले का नाम रोशन करते हुए पूरे प्रदेश में 10वीं में चौथा स्थान हासिल किया है। सबसे बड़ी बात की वह गणित में 100 में से 100 अंक लेकर उत्तीर्ण हुई हैं। डॉली ने बताया कि वह सिविल सर्विसेज की तैयारी करेंगी। इस उपलब्धि से माता-पिता काफी खुश हैं। डॉली के पिता पुषण साहू व्याख्याता के पद पदस्थ हैं। पिता ने कहा, मैं उन लोगों को बताना चाहता हूं, जो कहते हैं कि बेटियों को आगे नहीं पढ़ना चाहिए, शादी करके घर बसाएं। बेटे और बेटी में कोई फर्क नहीं रखना चाहिए और शासकीय स्कूलों के प्रति लोगों का विश्वास हमेशा बरकरार रहना चाहिए। आज मेरी सभी बेटियां शासकीय स्कूलों में पढ़ती हैं। डॉली ने बताया कि हमेशा उनके माता-पिता ने उनका प्रोत्साहन किया है। डॉली साहू ने बताया कि दिन में तीन से चार घंटे की पढ़ाई वह करती थी।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सिमरन 10वीं में पहला स्थान पाया, सीएम साय ने दी बधाई

जशपुर। जशपुर की आत्मानन्द इंग्लिश मीडियम स्कूल की छात्रा सिमरन शब्बा ने दसवीं में 99.50% लाकर छत्तीसगढ़ की दसवीं बोर्ड में टॉप वन में जगह बनाई है। रिजल्ट घोषित होने के बाद से सिमरन के घर में बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। सिमरन के पिता मो. शाहिद अंसारी दर्जी का काम करते हैं। सिमरन के दो भाई बहन हैं। इस बड़ी उपलब्धि पर घरवाले खुशी से झूम रहे हैं। जानकारी मिलते ही छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बधाई दी है। वहीं, कलेक्टर रवि मित्तल, जिला शिक्षाधिकारी पीके भटनागर भी कुछ देर बाद टॉप टेन में आये छात्र-छात्राओ को सम्मानित करेंगे। वहीं, शासकीय संकल्प संस्थान के शिक्षक प्रभात मिश्रा ने अमर उजाला को बताया कि जशपुर जिले में शिक्षा का स्तर रिकार्ड स्तर पर बढ़ा है। दसवीं बोर्ड में संकल्प संस्थान में रहकर पढ़ने वाली अर्पिता कुजूर पुत्री समीर कुजूर ने चौथा स्थान लेकर नाम रौशन किया है।

मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर विस्फोट के सामान भी बरामद

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ और ओडिशा की सीमा पर मुठभेड़ में एक पुरुष नक्सली ढेर हुआ है। बताया जा रहा है कि गरियाबंद जिले से लगे ओडिशा सीमा पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। गोली लगने से एक नक्सली की मौत हो गई। शोभा थाना क्षेत्र के गरिबा के जंगल से लगे सीमा पर नवरंगपुर पुलिस और ओडिसा एसओजी ने बड़ी कार्रवाई की है। नक्सली होने की सूचना पर बीती रात टीम ऑपरेशन पर निकली थी। कई राउंड गोलियां चलने के बाद सीजी सीमा की ओर नक्सली भागे। इस दौरान टीम ने फायरिंग की। गोली लगने पर एक नक्सली ढेर हो गया। पुलिस की टीम ने दैनिक उपयोगी और विस्फोटक सामान भी बरामद किया है। अभी भी मौके पर जवान मौजूद हैं।

कॉलेज में विश्व थैलेसीमिया दिवस पर जनजागरण अभियान

दुर्ग। विश्व थैलेसीमिया दिवस पर 8 मई को चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, कचांदुर में जन जागरण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थैलेसीमिया बीमारी के बारे में विभिन्न प्रकार की जानकारी दी गई। इस रोग के लक्षण, दुष्प्रभाव एवं समस्याओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। प्रोफेसर बी. एल. चंद्राकर एवं प्रोफेसर अंजना चौधरी द्वारा इस रोग से संबंधित बातें एवं इससे बचाव की जानकारी मेडिकल स्टूडेंट्स को दी गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अस्थिरोग विभाग के आचार्य डॉ. बी. एल. चंद्राकार, उप अस्पताल अधीक्षक डॉ. कुलदीप सिंह सांघा, स्त्री रोग विभाग की प्रमुख डॉ. अंजना चौधरी, नेत्र रोग विभाग प्रमुख डॉ. लिपी चक्रवर्ती, डॉ. करण सिंह चंद्राकार, चिकित्सा छात्र,नर्सिंग स्टॉफ आदि उपस्थित रहे। स्टेट सेक्रेटरी ऑफ़ सोसाइटी ऑफ़ फ़ीटल मेडिसिन, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. समीर कठाले द्वारा किसी महिला द्वारा गर्भ धारण से पूर्व एवं गर्भावस्था में हो सकने वाली जांचों के बारे अथवा इस बीमारी के कारण गर्भस्थ शिशु में आने वाले में लक्षणों की जानकारी दी गई।

अनियंत्रित होकर खाई में पलटी बोलेरो

जगदलपुर। दरभा थाना क्षेत्र के कापानार के पास एक तेज रफ्तार बोलेरो पलट गई। बोलरो के पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। ग्रामीण आयतु मंडावी ने बताया कि 8 मई के लगभग 8.30 बजे घर के मंगल मंडावी, मुडे मंडावी, बुधराम मंडावी, मासे, बुधरी, मंगली, सुकडी और पिता गुडडी व अन्य लोगों के साथ बोलेरो बैठकर मरनी काम के लिए ग्राम चंद्रगिरि से कापानार जा रहे थे। बोलेरो की रफ्तार तेज होने के कारण वह अनियंत्रित हो गई और खाई में पलट गई। इस दौरान बोलेरो में सवार सभी लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी दरभा में भर्ती कराया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान गुड्डी मंडावी की मौत हो गई। वहीं, अन्य लोगों का इलाज चल रहा है। घटना को लेकर मृतक गुड्डी मंडावी के बेटे आयतु ने चालक के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मुकदमा दर्ज कराया है।

ससुराल गए युवक पर अज्ञात बदमाश ने किया हमला

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कोरबा जिले के पसान थाना क्षेत्र में ससुराल गए युवक पर अज्ञात बदमाश ने धारदार हथियार उसके गले पर हमला कर दिया। युवक अपनी पत्नी के साथ बाइक पर जा रहा था, उसी समय बाइक सवार अज्ञात बदमाश ने वारदात को अंजाम दिया है। जिसके बाद पीड़ित युवक को इलाज के लिए नजदीकी जिले जीपीएम जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। जहां पर उसका इलाज जारी है। मामला कोरबा जिले के पसान थाना क्षेत्र का है। जहां पर पेंड्रा के लाटा गांव में रहने वाले विक्रम तिर्की का ससुराल है। विक्रम ससुराल गया हुआ था। बुधवार शाम पसान में अपने ससुराल से अपनी पत्नी आंचल तिर्की के साथ स्कूटी से पेंड्रा आने को निकला था। इसी दौरान एक शख्स ने धारदार हथियार से विक्रम पर हमला कर दिया। खून में लथपथ पति को लेकर आंचल परिजनों को जानकारी देने के बाद जीपीएम जिले के जिला अस्पताल पहुंची। जहां पर विक्रम को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। विक्रम को उसके गले मे गहरी चोट के निशान हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम ने बाल विवाह को रोका

बेमेतरा। 4 मई को चाइल्ड हेल्पलाईन न. 1098 जिला बाल संरक्षण इकाई महिला एवं बाल विकास विभाग को विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम झालम, तह-बेमेतरा की एक बालक एवं बालिका का बाल विवाह की जानकारी प्राप्त हुई थी। जानकारी के आधार पर श्री चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं श्री सी.पी. शर्मा महिला एवं बाल विकास अधिकारी के निर्देशानुसार जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री व्योम श्रीवास्तव एवं खंडसरा परियोजना अधिकारी श्रीमती लीना दीवान के मार्गदर्शन में बाल विवाह के रोकथाम हेतु कार्यवाही की गयी। उक्त ग्राम में मालिया परिवार के एक बालक एवं पारधी परिवार के एक बालिका का बाल विवाह होने जा रहा था। बाल विवाह किये जाने की सूचना पर महिला एवं बाल विकास विभाग जिला बाल संरक्षण इकाई चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं पुलिस विभाग के संयुक्त टीम द्वारा बाल विवाह रोकवाया गया। शिकायत प्राप्त होने पर झालम में गालियां एवं पारधी परिवार में बाल विवाह रोकवाया गया।

उक्त बालक का विवाह गाँव में ही अपने नाना के यहाँ आई बालिका (स्थाई निवासी गंगानगर कवर्धा कबीरधाम) से होने जा रहा था। सूचना के पश्चात टीम द्वारा बालक-बालिका के परिजनों के समक्ष कार्यवाही किया गया। बालक एवं बालिका के परिजनों के द्वारा निर्धारित आयु पूर्ण होने के उपरांत ही विवाह किये जाने हेतु अपनी सहमति प्रदान की गई तथा विवाह स्थगित करने की बात कही गई, युवक के परिजनों के कथन अनुसार हमें यह ज्ञात नहीं था कि वर्तमान में मौजूदा कानून के तहत् 18 वर्ष से कम आयु की बालिका एवं 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह गैर कानूनी है।

गठित टीम में पर्यवेक्षक श्रीमती रूची ठाकुर, सा. कार्यकर्ता (सीडब्ल्यूसी प्र. नोडल अधिकारी) श्री कृष्ण कुमार चंद्राकर, परियोजना समन्वयक श्री राजेन्द्र प्रसाद चन्द्रवंशी, आरक्षक श्री शिवकुमार, आउटरिच वर्कर श्रीमती अनिता सोनवानी, आ.बा. कार्यकर्ता श्रीमती दीपिका ध्रुव के द्वारा समझाईस दिये जाने पर वर पक्ष द्वारा उक्त बालक का विवाह वर्तमान में मौजूदा कानून के तहत विवाह किये जाने की शपथ पूर्वक कथन किया गया। संयुक्त टीम द्वारा उन्हे बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 में उल्लेखित प्रावधानों के बारे में बताया गया कि निर्धारित आयु पूर्ण होने के पूर्व विवाह करवाना अपराध है, बाल विवाह कराने वाले सभी सेवा प्रदाताओं पर भी कानूनी कार्यवाही की जा सकती है। जो व्यक्ति ऐसा करता या कराता है या विवाह में सहयोग प्रदान करता है, तो उसे भी 02 वर्ष तक कठोर कारावास अथवा जुर्माना जो कि 1 लाख रू. तक हो सकता है अथवा दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

57 सिविल जजों को पदोन्नत कर दी गई नई पदस्थापना

बिलासपुर। प्रदेश के 57 सिविल जजों को पदोन्नत कर नई पदस्थापना दी गई है। 6 सिविल जजों को स्थानांतरित करते हुए उन्हें प्रशासनिक कार्य दिया गया है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल बलराम प्रसाद वर्मा की ओर से 8 मई को जारी आदेश के अनुसार बलरामपुर जिले में पदस्थ एडिशनल जज विनय कुमार साहू को महासमुंद जिले के सराईपाली में पदस्थापना दी गई है। विकास खांडे को जांजगीर-चांपा से रायपुर, अरिंदम नेरल को कांकेर से अंबिकापुर, हेमंत राज धुर्वे को बालोद से कोरबा जिले के करतला भेजा गया है। रजिस्ट्रार जनरल ने दो सिविल जज पंकज दीक्षित को भिलाई से कोरबा जिले के कटघोरा और बरखारानी वर्मा का ट्रांसफर करतला से अंबिकापुर कर दिया है।

अवर न्यायिक सेवा के तहत नियुक्त जूनियर लेवल के 44 सिविल जजों को सीनियर डिवीजन में पदोन्नत कर नई जगह पर पोस्टिंग दी है। इसके अलावा जूनियर सिविल जज अमृता दिनेश मिश्रा को बैकुंठपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, कंचनलता अचला को विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली, लोकेश पटले छत्तीसगढ़ स्टेट ज्यूडिशियल एकेडमी के प्रशासनिक अधिकारी, कामिनी जायसवाल को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर में अवर सचिव, नम्रता नोरगे को राज्य मानव अधिकार आयोग रायपुर में विधिक अधिकारी और प्रशांत कुमार भास्कर को विधि विभाग में उप सचिव बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट का ग्रीष्म अवकाश 13 मई से, 10 जून से शुरू होगा नियमित कार्य

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में 13 मई से 7 जून तक ग्रीष्म अवकाश घोषित किया गया है। इसके बाद 8 जून को शनिवार और 9 जून को रविवार होने के कारण 10 जून से नियमित कार्य प्रारंभ होगा। अवकाश के दौरान हाईकोर्ट रजिस्ट्री में नियमित कार्य होगा। इस दौरान अधिवक्ता प्रकरण प्रस्तुत कर सकते हैं। अतिआवश्यक मामलों की सुनवाई के लिए विशेष बैंच लगाई जाएगी। यही नहीं अवकाश के दौरान सोमवार व शुक्रवार को अवकाशकालीन बेंच रहेगी। इस लिहाज से 13, 17, 20, 27 व 31 मई और 3 व 7 जून को अवकाशकालीन बेंच लगेगी।

जग्गी हत्याकांड के तीन अभियुक्तों ने किया कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

रायपुर। रामअवतार जग्गी हत्याकांड के तीन अन्य अभियुक्तों ने कोर्ट की मियाद खत्म होने के बाद गुरुवार को न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। जिन तीन अभियुक्तों ने कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण किया उनमें संजय सिंह कुशवाहा, नरसिंह प्रसाद शर्मा, अनिल उर्फ प्रमोद कचौरी शामिल है। जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने 31 अभियुक्तों की सजा को यथावत रखा है।

रायपुर एम्स में 22 पदों पर निकली वैकेंसी, आवेदन के लिए कुछ ही दिन शेष

रायपुर। एम्स रायपुर के द्वारा विभिन्न केटेगरी के कुल 22 पदों की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिसके लिए अब सिर्फ 5 दिन शेष बचे हैं। यानी 14 मई तक आवेदन किए जा सकते हैं। छत्तीसगढ़ के मूल निवासी से निर्धारित प्रारूप में आवेदन मंगाये गए हैं। आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवार जो एम्स रायपुर भर्ती पदों के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य अर्हताओं की पूर्ति करते हों, आवेदन करने के इच्छुक सभी उम्मीदवार रोजगार समाचार पर, आवेदन करने से पहले सभी महत्वपूर्ण जानकारियों का मिलान ऑफिशियल नोटिफिकेशन से कर लें, उसके बाद ही अपनी पात्रता के अनुसार विभाग को आवेदन प्रस्तुत करें। पदों की संपूर्ण जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.aiimsraipur.edu.in पर जाएं।

योगासन हमें स्वस्थ और अनुशासित बनाता है : योग शिक्षिका ज्योति

रायपुर। योग शिक्षका श्रीमती ज्योति साहू ने कहा कि योग में हम श्वांसों के आवागमन पर अपने ध्यान को केन्द्रित करते हैं। यह श्वांसों पर नियंत्रण की कला है। श्वांस लेने का भी सही तरीका मालूम होना आवश्यक है। जब हम श्वांस लेते हैं तो हमारा पेट बाहर निकलना चाहिए और श्वांस छोडऩे पर अन्दर जाना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो आप बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ज्योति साहू प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विश्व शान्ति भवन चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प में जीवन में योगासनों का महत्व विषय पर बोल रही थीं। उन्होंने बच्चों को विभिन्न योगासनों से होने वाले लाभ से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि ताड़ासन में जब बैठें तो अंगूठा और एड़ी में बराबर दूरी होनी चाहिए। यह उँचाई बढ़ाने में मदद करता है। यह खून के प्रवाह को तेज करता है और शरीर का सन्तुलन भी बनाता है। शशांक आसन से सूर्य नाड़ी और चन्द्र नाड़ी एक्टिव होती है। जिससे डिप्रेसन कम होता है। रक्त का प्रवाह अच्छा होता है और आज्ञा चक्र सक्रिय होता है। इसी प्रकार वृक्षासन हमारी एकाग्रता को बढ़ाता है।

तमनार के धर्मेन्द्र पटेल का भारतीय वन सेवा के लिए हुआ चयन

रायपुर। रायगढ़ जिले के ग्राम मड़वाडुमर मिलुपारा, तमनार निवासी धर्मेन्द्र पटेल का भारतीय वन सेवा के लिए चयन हुआ है। 8 मई को घोषित भारतीय वन सेवा परीक्षा के परिणाम में धर्मेन्द्र पटेल ने ऑल इंडिया लेवल पर 92 रैंक हासिल किया है। धर्मेन्द्र पटेल अपना आदर्श अपने पिता पेशे से शिक्षक बुंदराम पटेल और माता लालकुंवर पटेल को मानते हैं। इनकी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम मिलुपारा के आदर्श ग्राम्य भारती स्कूल से व स्नातक की पढाई ओपी जिंदल इंस्टीट्यूट, रायगढ़ से हुई है। धर्मेंद्र पटेल सीजी पीएससी 2015 में सफलता प्राप्त कर राज्य वित्त सेवा में चयनित हुए थे। वर्तमान में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (ह्रस्ष्ठ) के पद पर रायपुर में वित्त विभाग में कार्यरत हैं।

राज्यपाल से कुलपतियों ने सौजन्य भेंट की

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने सौजन्य भेंट की। भेंट करने वालों में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई के कुलपति डॉ. एम के वर्मा, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति प्रो.ए.डी.एन वाजपेयी और पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला शामिल थे।

हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी परीक्षा के परिणाम घोषित

हाईस्कूल में 75.61 प्रतिशत परीक्षार्थी, हायर सेकण्डरी में 80.74 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती रेणु जी पिल्ले ने आज मण्डल के सभागृह में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाईस्कूल और हायरसेकण्डरी बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित किये। हाई स्कूल परीक्षा में 75.61 प्रतिशत और हायर सेकण्डरी परीक्षा में 80.74 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए।

श्रीमती पिल्ले ने समस्त सफल परीक्षार्थियों को बधाई तथा शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होने कहा कि असफलता ही सफलता की सीढ़ी है इसे ध्यान रखते हुये, जो परीक्षार्थी असफल हो गये हैं, वे निराश न हो। पुन: अच्छी पढ़ाई करके परीक्षा में सम्मिलित होने पर सफलता अवश्य मिलेगी।

कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा के टॉप -10 में कुल 59 विद्यार्थी और बारहवीं बोर्ड परीक्षा की मैरिट लिस्ट के टॉप-10 में 20 विद्यार्थी हैं। दसवी बोर्ड परीक्षा के मैरिट लिस्ट में स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम जशपुर की सिमरन सब्बा ने 99.50 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान, सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकण्डरी स्कूल कोपरा जिला गरियाबंद की होनिशा ने 98.83 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा बारहवीं बोर्ड परीक्षा के मैरिट लिस्ट में इवास वूडलैंड अंग्रेजी माध्यम हायर सेकण्डरी स्कूल सराईपाली जिला की महक अग्रवाल ने 97.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम और स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट योजना अंतर्गत गुरूघासीदास शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कुल जिला बलौदा-बाजार की कोपल अम्बष्ट ने 97 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाईस्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष 2024 में 3 लाख 45 हजार 686 परीक्षार्थी पंजीकृत हुये। इनमें से 3 लाख 40 हजार 220 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हु ए। जिनमें से 3 लाख 39 हजार 994 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किये गये। घोषित परीक्षा परिणाम में से उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 2 लाख 57 हजार 072 है। इस प्रकार 75.61 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इनमें उत्तीर्ण बालिकाओं का प्रतिशत 79.35 तथा बालकों का प्रतिशत 71.12 रहा। घोषित परीक्षा परिणाम में प्रथम श्रेणी में 1 लाख 17 हजार 519 (34.56 प्रतिशत) है, द्वितीय श्रेणी में 1 लाख 23 हजार 386 (36.29 प्रतिशत) है तथा तृतीय श्रेणी में 16 हजार 165 (4.75 प्रतिशत) विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे। पास श्रेणी में 02 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि 19 हजार 012 परीक्षार्थियों को पूरक की पात्रता मिली है। विभिन्न कारणों से 226 परीक्षार्थियों के परिणाम रोके गये हैं, जिनमें 15 परीक्षार्थियों के परिणाम नकल प्रकरण के कारण रोके गये हैं तथा 205 परीक्षार्थी का पात्रता के अभाव में परीक्षा आवेदन निरस्त किये गये हैं तथा 06 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जांच की श्रेणी में रोका गया है।

हाईस्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष 2023 में 3 लाख 30 हजार 681 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुये थे। सम्मिलित परीक्षार्थियों के उत्तीर्ण का प्रतिशत 75.05 था। इस प्रकार गतवर्ष से इस वर्ष परीक्षा परिणाम में लगभग 0.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष 2024 में पंजीकृत 2 लाख 61 हजार 077 परीक्षार्थियों में से 2 लाख 58 हजार 704 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। घोषित परीक्षा परिणाम में से उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 2 लाख 08 हजार 789 है अर्थात् कुल 80.74 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इनमें बालिकाओं का प्रतिशत 83.72 तथा बालकों का प्रतिशत 76.91 है। इसमें प्रथम श्रेणी में 88 हजार 101 (34.07 प्रतिशत), द्वितीय श्रेणी में 1 लाख 09 हजार 185 (42.22 प्रतिशत) तथा तृतीय श्रेणी में 11 हजार 498 (4.45 प्रतिशत) परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए है। पास श्रेणी में 05 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। पूरक की पात्रता 22 हजार 232 परीक्षार्थियों को मिली है। विभिन्न कारणों से 129 परीक्षार्थियों के परिणाम रोके गये, जिसमें 31 परीक्षार्थियों के परिणाम नकल प्रकरण के कारण, 96 परीक्षार्थी पात्रता के अभाव में परीक्षा आवेदन निरस्त किये गये हैं तथा 02 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम जांच की श्रेणी में रोका गया है।

हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा वर्ष 2023 में 3 लाख 23 हजार 625 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे। इनमें परीक्षार्थियों के उत्तीर्ण का प्रतिशत 79.96 था। इस प्रकार गतवर्ष से इस वर्ष परीक्षा परिणाम में लगभग 0.78 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के आदेशानुसार शैक्षणेत्तर गतिविधियों में हाईस्कूल परीक्षा 2024 में 1108 एवं हायर सेकण्डरी 2024 में 1131 सहित कुल 2239 छात्रों को बोनस अंक प्रदान किये गये हैं। मण्डल द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार प्रावीण्य सूची में शैक्षणेत्तर गतिविधियों के अंक नहीं जोड़े जाने का निर्णय लिया गया है। अत: इस वर्ष बोनस अंक को छोड़कर अस्थाई प्रावीण्य सूची तैयार की गई है।

चार लोकसभा के परिणाम तय करेंगे विधानसभा उपचुनाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटों के लिए मतदान हो चुके हैं। अब नतीजों के लिए चार जून तक इंतजार करना होगा। इस चुनाव की एक खास बात ये हैं कि मौजूदा चार विधायकों ने संसदीय चुनाव लड़ा था जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,वर्तमान सरकार में मंत्री बृजमोहन अग्रवाल,कांग्रेस विधायक कवासी लखमा व देवेन्द्र यादव। इनमें से कोई भी यदि चुनाव जीतता है तो रिक्त सीट पर अगले छह माह के भीतर विधानसभा के लिए उपचुनाव कराना पड़ेगा,संभवत: तब तक निकाय चुनाव भी आ जायेगा। यदि हार गए तो विधायकी कायम रहेगी और उपचुनाव की नौबत भी नहीं आयेगी।

बता दें कि भूपेश बघेल वर्तमान में पाटन से विधायक हैं और राजनांदगांव लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा है। छत्तीसगढ़ शासन के वरिष्ठ मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा है। जबकि वे उसी संसदीय सीट के रायपुर दक्षिण से वर्तमान में विधायक हैं। वहीं कांग्रेस विधायक कवासी लखमा बस्तर व भिलाई के कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव बिलासपुर से कांग्रेस प्रत्याशी थे। इनमें से तीन कांग्रेस व एक भाजपा से है। हालांकि दोनों ही पार्टी व दावेदार अपनी जीत का दावा कर रहे हैं लेकिन परिणाम आने के बाद ही तय होगा कि किन सीटों पर विधानसभा के लिए उपचुनाव की जरूरत पड़ सकती है।

मतदान प्रतिशत में हुई 1.31 प्रतिशत की बढ़ोतरी

- **कुल 72.8 प्रतिशत मतदान, प्रदेश में अब तक हुए लोस चुनावों में सबसे ज्यादा**

रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने प्रदेश में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में अपनी सहभागिता प्रदान करने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, शासकीय एवं अशासकीय संगठनों, लोकसेवी संस्थाओं और मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी सहभागिता दी। उन्होंने निर्वाचन कार्य में संलग्न एवं नियोजित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

श्रीमती कंगाले ने केन्द्रीय सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस बल के प्रति भी आभार व्यक्त किया है जिन्होंने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के सभी पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने आम निर्वाचन के दौरान निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों एवं निर्वाचन गतिविधियों के प्रभावी प्रचार-प्रसार के साथ ही मतदाताओं को वोट डालने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने मतदाताओं को जागरुक और मतदान के लिए प्रेरित करने वाले सभी लोगों, शासकीय एवं गैर शासकीय प्रतिभागियों, विभिन्न लोक सेवी संस्थाओं और संगठनों के प्रति भी आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में इस बार लोकसभा चुनाव के मतदान प्रतिशत में 1.31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

प्रदेश में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के लिए तीन चरणों में हुए मतदान में यहां के कुल 72.8 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह प्रदेश में हुए अब तक के लोकसभा चुनावों में मतदान का सर्वाधिक प्रतिशत है।

राजभवन पहुंची कांग्रेस, नीट परीक्षा में गलत प्रश्न पत्र से प्रभावित स्टूडेंट्स के लिए न्याय की रखी मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में नीट-यूजी 2024 की परीक्षा के दौरान गलत पेपर बांटे जाने के मामले में जाँच की मांग लेकर कांग्रेस आज राजभवन पहुंची। कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से इस मामले में स्टूडेंट्स की शिकायतों और परीक्षा में हुए लापरवाही की जांच की मांग को लेकर चर्चा की।

दरअसल, 5मई को बालोद में मेडिकल क्षेत्र की सबसे बड़ी परीक्षा नीट के लिए बालोद जिले में 2 परींक्षा केंद्र बनाये गए. इस दौरान कुल 391 परीक्षार्थियों को पहले गलत परीक्षा पेपर दे दिया गया और 45 मिनट बाद यह बताते हुए कि, गलत प्रश्न पत्र बंट गया, प्रश्न पत्र बदल कर सही प्रश्न पत्र दिया गया। लेकिन इतनी बड़ी लापरवाही के बाद भी परीक्षार्थियों को मांग करने के बाद भी अतिरिक्त समय नहीं दिया गया। इस बड़ी लापरवाही के बाद से स्टूडेंट्स के नुकसान को लेकर उनके परिजनों ने जमकर हंगामा किया।

मामला पहुंचा राजभवन

अब इस मामले में कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने राजभवन पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू, बालोद विधायक संगीता सिन्हा, शैलेश नितिन त्रिवेदी, प्रवक्ता विकास तिवारी ने राज्यपाल से मुलाक़ात कर प्रभावित छात्र-छात्राओं की मांगो पर चर्चा की।

परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़

वहीं इस मामले में संबंधित क्षेत्र की विधायक संगीता सिन्हा ने कहा कि, राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में इस तरह की लापरवाही परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है, जिसकी जाँच किया जाना आवश्यक है। इस घटना से परीक्षार्थियों एवं पालकों में रोष व्याप्त है। इनको हुए नुकसान की भरपाई को दृष्टिगत रखते हुए प्रभावित परीक्षार्थियों के लिए पुन: परीक्षा आयोजित किया जाना या उन्हें क्षति हुए समय के बदले बोनस अंक प्रदान किया जाना न्यायसंगत होगा।

उन्होंने आगे कहा- हमने राज्यपाल से निवेदन किया है की प्रभावित परीक्षार्थियों के लिए पुन: परीक्षा आयोजित किये जाने या उन्हें बोनस अंक प्रदान किये जाने की व्यवस्था की पहल करते हुए उक्त घटना की जाँच हेतु निर्देशित करने का कष्ट करेंगे।

ग्रीष्म कालीन फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 11 से 1 मई तक

कांकेर। जिले के न्यू नारायण क्रीडा समिति सचिव सतीश यादव ने बताया कि प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी जिले एवं समस्त सातों विकास खण्डों में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से न्यू नारायण क्रीड़ा समिति के द्वारा 11 मई से 01 मई तक बालक एवं बालिकाओं दोनों वर्गों में शासकीय नरहरदेव विद्यालय के मैदान में ग्रीष्म कालीन फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस ग्रीष्म कालीन फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने हेतु कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं है, इस शिविर में विद्यार्थी /गैर विद्यार्थी /शासकीय/ अशाकीय कर्मचारी एवं आमजन सभी भाग ले सकते हैं। इस प्रशिक्षण शिविर का समय भीषण गर्मी को देखते हुए सांयकाल 5:30 से 07 तक निर्धारित किया गया है। यह आयोजन पूर्णता: निःशुल्क है एवं समस्त प्रशिणर्थियों को फुटबॉल खेल सामग्री एवं उच्च स्तर के प्रशिक्षको की सेवाएं प्रदान की जाएगी।

सचिव सतीश यादव ने बताया कि न्यू नारायण कीड़ा समिति कांकेर द्वारा विगत 18 वर्षों से इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है इस प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षित खिलाड़ी विद्यालय/ महाविद्यालय /खेल संघो /खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रामीण खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर भाग ले चुके हैं। इस शिविर में भाग लेने हेतु खिलाड़ी अपना पंजीयन सचिव सतीश यादव मोबाइल नंबर 77708 00122 दिनेश ठाकुर 94064 66547 निशान्त गोडबोले 96303 96444 हिमांशु नेताम 70243 13589 से संपर्क कर करा सकते हैं। उन्होने समस्त विद्यालय/ महाविद्यालय के प्राचार्यो/विभागीय अधिकारियों एवं समस्त पलकों से अधिक से अधिक खिलाडियों को भेजने हेतु अनुरोध के साथ निवेदन किया है ।

छत्तीसगढ़ में कई जगहों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू का छापा

- **महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले में एक्शन, दुर्ग में सराफा कारोबारियों के घर दबिश**

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव खत्म होते ही महादेव ऑनलाइन सट्टा एप से जुड़े लोगों के खिलाफ एसीबी ईओडब्ल्यू बड़ी कार्रवाई करने जुटा है। गुरुवार सुबह से ही ईओडब्ल्यू की टीम जिले में कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में ईओडब्ल्यू अफसरों ने दुर्ग के सराफा व्यापारियों और निवास स्थानों पर छापा मारी की। एसीबी और ईओडब्ल्यू की संयुक्त कार्रवाई से सराफा कारोबारियों के खिलाफ हड़कंप मचा हुआ है।

एसीबी ईओडब्ल्यू ने सहेली ज्वेलर्स और अलंकार ज्वेलर्स के संचालक की दुकान और घर पर गुरुवार सुबह दबिश दी है। सराफा व्यापारियों के घर पर सुबह-सुबह पड़े इस छापे के कारण हड़कंप मच गया।एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीमों ने सराफा व्यापारियों के घर पहुंचकर दस्तावेजों की पड़ताल की। इस दौरान संदिग्ध ट्रांजेक्शन को लेकर सराफा व्यापारियों से पूछताछ की जा रही है। आपको बता दें कि अलंकार ज्वेलर्स के संचालक प्रकाश सांखला के निवास पर पहले भी आईडी और ईडी की टीम छानबीन कर चुकी है।

आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ में महादेव सट्टा एप मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने राजधानी रायपुर समेत प्रदेशभर में कार्रवाई करनी शुरु की है।इसी कड़ी में रायपुर के अलावा टीमें दुर्ग भिलाई, बिलासपुर, राजनांदगांव और कांकेर में कई जगहों पर दबिश दे रहीं हैं। ईओडब्ल्यू के अफसरों के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बल भी मौजूद है।

आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने ईडी द्वारा सौंपी गई जांच रिपोर्ट के आधार पर कथित महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। ईडी एक साल से अधिक समय से महादेव ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रहा है। राज्य की आर्थिक अपराध शाखा/भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट के आधार पर, 4 मार्च को यहां ईओडब्ल्यू पुलिस स्टेशन में बघेल और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। कांग्रेस नेता भूपेश बघेल और ऐप के प्रमोटरों रवि उप्पल, सौरभ चंद्राकर, शुभम सोनी और अनिल कुमार अग्रवाल के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज किया गया है। इसके अलावा 14 अन्य को एफआईआर में आरोपी के रूप में नामित किया गया है। इस केस में कई नौकरशाहों, पुलिस अधिकारियों और ओएसडी को भी आरोपी बनाया गया है। भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। जिसमें 120बी, 420 और 471 के तहत केस फाइल किया गया है।

सीजी व्यापमं के प्रवेश परीक्षाओं की तारीखों में बदलाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल ने अलग अलग प्रवेश और पात्रता परिक्षाओं की परीक्षा तिथि में बदलाव किया है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए होने वाले इन परीक्षाओं की नई परीक्षा तिथि भी सीजी व्यापमं ने जारी कर दिए हैं।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के मुताबिक, अन्य केन्द्र स्तरीय परीक्षाओं की तिथि घोषित होने के बाद पीएटी / पीव्हीपीटी, बीएससी (कृषि), बीएससी (उद्यानिकी), पशुपालन में डिप्लोमा और मत्स्यिकी विज्ञान में डिप्लोमा, प्री बीए बीएड और प्री बीएससी बीएड की परीक्षाएं 16 जून को होनी थी। लेकिन अब ये सभी परीक्षाएं 9 जून 2024 को आयोजित की जाएगी।

इसी प्रकार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल ने बी.एससी नर्सिंग 2024, पोस्ट बेसिक नर्सिंग 2024 और एमएससी नर्सिंग-2024 की परीक्षा 07 जुलाई को निर्धारित की गई थी। लेकिन अब नर्सिंग की यह तीनों परीक्षाएं 14 जुलाई 2024 को आयोजित की जाएगी। अन्य प्रवेश परीक्षा का अद्यतन कार्यक्रम इस प्रकार निर्धारित किया गया है। पीईटी-2024, प्रीएमसीए-2024 और पीपीएचटी-2024 की परीक्षा 13 जून 2024 को होगी। पीपीटी 2024, टीईटी-2024 पात्रता परीक्षा 23 जून 2024 को निर्धारित किया गया है। वहीं प्रीबीएड।-2024 और प्रीडीएलएड-2024 की परीक्षा 30 जून को होगी।

संसाधनों पर निजी अधिकारों का पेच

सीबीपी श्रीवास्तव

हर व्यक्ति को जन्म के साथ ही प्रकृति से कुछ अधिकार प्राप्त होते हैं, जिनमें जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के अधिकार सर्वोपरि हैं। इन निजी अधिकारों की रक्षा करना प्रकृति के नियमों की रक्षा करना है, जो नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत का मूल तत्व भी है। इस सामान्य नियम पर अक्सर विवाद होते रहे हैं कि भारत जैसे देश में संसाधनों या संपत्ति पर अधिकार समुदाय का है या फिर निजी व्यक्ति का। ऐसा ही प्रश्न एक बार फिर न्यायालय के समक्ष लाया गया है। संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) तथा (सी) के प्रावधानों की व्याख्या नौ-न्यायाधीशों की एक पीठ द्वारा की जाएगी, जो स्वाभाविक रूप से ऐतिहासिक होगी। लेकिन पहले इस विषय को समझ लेना जरूरी है। गौरतलब है कि कर्नाटक राज्य बनाम रंगनाथ रेड्डी, 1978 मामले में न्यायमूर्ति वी. आर. कृष्णा अय्यर ने कहा था कि संसाधनों पर समुदाय के स्वामित्व की संकल्पना में सभी प्राकृतिक व भौतिक संसाधन तथा सार्वजनिक और निजी संसाधन शामिल होंगे। प्रश्न यह है कि यदि निजी संसाधनों पर व्यक्ति का अधिकार सुरक्षित नहीं है, तो आज की आर्थिक रूप से उदारीकृत व्यवस्था में जब निजी निवेश जरूरी हो गया है, तो हम निवेशकों को कैसे प्रेरित कर पाएंगे? इस पर विचार करने से पहले यह देखना जरूरी है कि संविधान निर्माताओं ने सार्वजनिक और निजी अधिकारों को किस प्रकार संतुलित किया है और वर्तमान परिदृश्य में उसकी व्याख्या कैसे की जानी चाहिए। मूल संविधान में उदारवादी और समाजवादी, दोनों ही विचारों को शामिल किया गया है, जिसके आधार पर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के साथ आवश्यकतानुसार संसाधनों के वितरण पर समान बल है। 44वें संशोधन अधिनियम, 1978 से इसे मूल अधिकार से हटाकर अनुच्छेद 300ए में एक कानूनी अधिकार बना दिया गया, ताकि राज्य विधि के तहत निजी संपत्ति का नियमन कर सके। पर इसका मतलब यह नहीं है कि देश में लोगों को निजी संपत्ति का अधिकार नहीं है और राज्य समुदाय के स्वामित्व के नाम पर उसका अधिग्रहण नहीं कर सकता है, जब तक कि संपत्ति निर्धारित सीमा से अधिक नहीं हो। ऐसी व्यवस्था जन कल्याण के उद्देश्य से की गई है। आज जब आर्थिक विकास में निजी निवेश की भूमिका अपरिहार्य हो गई है, इसके बिना जन कल्याण की परिकल्पना नहीं की जा सकती। यही हमारे संविधान की सबसे बड़ी विशेषता है, जिसके लिए वह शासन व्यवस्था को निर्देश देता है, ताकि लोकतांत्रिक समाजवाद के लक्ष्य की प्राप्ति कर भारत को कल्याणकारी राज्य बनाया जा सके। हालांकि हमने समाजवादी विचारों को शामिल करने की प्रेरणा सोवियत संघ से ली है, लेकिन भारतीय समाजवाद अपने आप में अनूठा है, क्योंकि इसमें उदारवादी गुणों का मिश्रण है। भारत के संविधान में लोकतंत्र को सर्वोपरि माना गया है और संसाधनों का वितरण अर्थात समाजवादी सिद्धांत उसकी प्राप्ति के साधन हैं। इसके अलावा, संपत्ति का अधिकार एक प्राकृतिक अधिकार भी है, जिसके कारण इसका मूल तत्व नैसर्गिक न्याय है। भारत में जब मूल अधिकारों की प्रेरणा ली गई, तो जीवन और स्वतंत्रता के अधिकारों को एक साथ रखा गया और संपत्ति के अधिकार को सामुदायिक बनाया गया था। पर इसका अर्थ यह नहीं है कि यहां संसाधनों पर निजी अधिकारों का महत्व कम है और इन्हें छीना जा सकता है। भारतीय संविधान की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह लोकतांत्रिक है तथा निजी अधिकारों व समाजवादी सिद्धांतों के बीच इसमें संतुलन है। बाजार अर्थव्यवस्था के प्रसार के बाद राज्य, बाजार और नागरिक समाज, सभी हितधारकों द्वारा एक साथ समन्वय बनाते हुए कार्य करना आवश्यक है। ऐसी स्थिति में, संविधान में अंतर्निहित सिद्धांतों की उदारवादी व्याख्या जरूरी है। इसी संदर्भ में अनुच्छेद 39(बी) में उल्लिखित समुदाय के स्वामित्व वाले प्रावधानों को भी समझा जाना चाहिए। मौजूदा परिस्थिति में यदि निजी अधिकारों को केवल इस आधार पर निर्बंधित किया गया कि संसाधनों में निजी संपत्ति भी शामिल है, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध होगा।

कांग्रेस की डरावनी सोच बेनकाब!

मृत्युंजय दीक्षित

तीसरे चरण का मतदान संपन्न होने के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उनके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि पर निर्मित दिव्य नव्य रामलला मंदिर में पूजा अर्चना की। दोनों ने प्रभु श्रीराम को साष्टांग दंडवत करते हुए उनका आशीर्वाद लिया। जहाँ राष्ट्रपति महोदया ने अपनी अनुभूतियाँ सोशल मीडिया पर साझा कीं वहीं प्रधानमंत्री रामलला के दर्शन के उपरांत जनता का आशीर्वाद लेने के लिए रोड शो पर निकल पड़े। स्वाभाविक रूप से विगत दशक में राम मंदिर आन्दोलन के राजनैतिक खेवनहार रहे नरेंद्र मोदी का रोड शो देखने के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा। राम मंदिर पर उमड़ने वाला यह जन समुद्र कांग्रेस, सपा, बसपा और इंडी गठबंधन में शामिल अन्य दलों को रास नहीं आता है, यही कारण है कि वे प्रभु श्रीराम व उनके भव्य मंदिर से लेकर सनातन तक पर लगातार हमले करते रहते हैं।

सनातन के प्रति कांग्रेस व इंडी गठबंधन के खतरनाक इरादों का खुलासा भी कांग्रेस के ही नेता व प्रवक्ता कर रहे हैं। पूर्व कांग्रेस नेता कल्कि पीठाधीश्वरर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि कांग्रेस कभी भगवान राम को मानने वाली नहीं हो सकती। उसने तो भगवान राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। श्रीराम मंदिर का फैसला आने के बाद एक गोपनीय बैठक में अमेरिका में रहने वाले अपने नजदीकी से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि यदि उनकी सरकार आई तो वह सुपर पावर कमीशन बनाकर शाहबानो प्रकरण की तरह राम मंदिर का फैसला बदल देंगे। आचार्य प्रमोद का कहना है कि वह कांग्रेस में 32 साल रहे हैं, भगवान श्रीराम को लेकर कांग्रेस में क्या चलता है वह जानते हैं। मंदिर का फैसला आने के बाद राहुल गांधी ने अपने नजदीकी लोगों की बैठक बुलाई थी इसमें राम मंदिर को लेकर अपनी योजना जाहिर की थी। आचार्य प्रमोद लोकसभा चुनावों को साधारण चुनाव नहीं बताते अपितु वह इसे धर्मयुद्ध बता रहे हैं।

कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुईं छत्तीसगढ़ कांग्रेस की प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने भी अपने साक्षात्कार में बताया कि कांग्रेस में प्रभु श्रीराम व सनतान के प्रति कितनी नफरत भरी हुई है। राधिका खेड़ा का कहना है कि अयोध्या में राम मंदिर जाने और इंटरनेट मीडिया पर मंदिर के फोटो साझा करने के बाद से ही उन्हें कांग्रेस से सिर्फ नफरत मिली। उन्होंने बताया कि पार्टी ने उन्हें चुनाव की अवधि में मंदिर जाने से रोका था लेकिन वह खुद को रामलला के दर्शन करने से नहीं रोक पाईं। उनका कहना था कि मैने सुना था कि कांग्रेस राम विरोधी, सनातन विरोधी और हिन्दू विरोधी है पर कभी माना नहीं था किंतु जब मैं अपनी मां व परिवार के साथ रामलला के दर्शन करने गई तब कांग्रेस की असलियत का पता चल गया।जब मैंने अपने घर पर राम ध्वजा लगाई तब से कांग्रेस ने मुझे तिरस्कृत करना प्रारम्भ कर दिया।

कांग्रेस के नेतृत्व में बने इंडी गठबंधन में शामिल सभी दल राम विरोधी, सनातन विरोधी हैं यह प्रतिदिन साबित हो रहा है और इसी कारण बार-बार कहा जा रहा है कि रामभक्त सनातन समाज उठो- जागो और मतदान केंद्र तक पहुंचकर अपने मतों का सही प्रयोग करके ऐसी ताकतों को ध्वस्त कर दो, जो हिंदू सनातन समाज की परम्पराओं को नष्ट करने की ताक में बैठे हैं। अभी विगत वर्ष विधानसभा चुनावों के पहले द्रमुक नेता सनातन के उन्मूलन की बात कर रहे थे। बिहार में चारा चोर लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव का कहना है कि जब देश का प्रधानमंत्री हिंदू, राष्ट्रपति हिंदू, सभी मुख्यमंत्री, राज्यपाल व सेना के तीनों प्रमुख हिंदू तो फिर सनातन को कैसा खतरा। यह वही तेजस्वी है जिनके पिता लालू यादव ने रामरथ यात्रा को रुकवाने के लिए भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आज राम मंदिर भी बनकर खड़ा हो गया है और आडवाणी जी को भारत रत्न का सम्मान भी मिल चुका है। ये वही कांग्रेस है जिसके तत्कालीन राष्ट्रपति दिवंगत शंकर दयाल शर्मा ने 6 दिसंबर 1992 की शाम को राष्ट्रपति भवन में आंसू बहाये थे और उन्हीं आंसुओं की धार में सनातन समाज से बदला लेने के लिए अपनी तथाकथित संवैधानिक तानाशाही का अभूतपूर्व परिचय देते हुए उत्तर प्रदेश की कल्याण सिंह सरकार सहित चार प्रान्तों की भाजपा सरकारों को को भंग कर दिया था। आज की कांग्रेस की नजर में उस समय संविधान सुरक्षित हो गया था। यह वही कांग्रेस है जो समय समय पर देश के सर्वोच्च न्यायालय में प्रभु श्री राम को काल्पनिक बता चुकी है।

तीसरे चरण के मतदान के मध्य ही उत्तर प्रदेश में समाजवादी नेता रामगोपाल यादव ने बयान दे दिया कि अयोध्या का राम मंदिर तो बेकार है, मंदिर ऐसे बनाए जाते हैं क्या? मंदिर ऐसे नहीं बनते है। दक्षिण से उत्तर तक देख लीजिए नक्शा ठीक से नहीं बना है। समाजवादी पार्टी तो सदा से ही राम मंदिर विरोधी रही है। रामभक्त कारसेवकों का नरसंहार कराने के निकृष्टतम पाप से लेकर उसके बाद जितने भी ऐतिहासिक अवसर आए हर बार समाजवादी नेताओं ने राम मंदिर के खिलाफ नफरत भरी आग उगली है। भूमि पूजन से लेकर प्राण प्रतिष्ठा तक हर समय सपा, बसपा व कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन में शामिल सभी दलों के नेता अपने बयानो से हिंदू सनातन समाज व प्रभु राम का अपमान ही करते रहे हैं।

रामगोपाल यादव के बयान से राम मंदिर को लेकर राजनीति एक बार फिर गर्म हो गयी है और भारतीय जनता पार्टी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे तत्वों पर करारा प्रहार किया है। भाजपा का कहना है कि समाजवादी काल में कब्रिस्तान बनवाना अच्छा था वो उत्तर प्रदेश जो मुख्तार अंसारी, अबू सलेम, अतीक अहमद और छोटा शकील के लिए जाना जाता था वह उनके लिए अच्छा था। एक समय था जब फिल्में बनती थी यूपी में जिला गाजियाबाद, लखनऊ सेंट्रल, मिर्जापुर अर्थात पूरी अपराध केंद्रित तब ये सब अच्छा था। यहां पर भी ध्यान देने योग्य है कि एक समय था जब अवध की पहचान केवल और नवाबों की संस्कृति तक ही सीमित हो गयी थी। एक समय वह भी था जब गंगा-जमुनी तहजीब के नाम पर अवध का भव्य सनातन इतिहास और हमारी संस्कृति को दबाया जा रहा था, कुचला जा रहा था। समाजवाद व कांग्रेस की नजर में वह समय अच्छा था, जब गंगा-जमुनी तहजीब के नाम पर लव जिहाद और धर्मांतरण का गजब का खेल चरम सीमा पर चल रहा था। वहीं समाजवादी पार्टी राम मंदिर को बेकार का कह रही है जिसके स्वर्गीय नेता मुलायम सिंह यादव ने रामभक्तों का संहार किया था।

आप नेता अरविंद केजरीवल जो अब शराब घोटाले में जेल में बंद हैं और रिहाई की भीख मांग रहे हैं उनकी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया व संजय सिंह ने रामभक्त चंपत राय जी पर फर्जी जमीन घोटाले का आरोप लगा दिया था। अक्षत वितरण कार्यक्रम पर तंज कसते हुए इन लोगो ने कहा था कि भाजपा युवाओं को रोजगार देने की बजाय घर-घर अक्षत बांट रही है। वास्तविकता ये है कि अब उत्तर प्रदेश में अयोध्या, मथुरा और काशी सहित सभी हिंदू तीर्थस्थलों में भक्तों की भारी भीड़ आ रही है, जिसके कारण निवेश बढ़ रहा है और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं किंतु वह सब कुछ समाजवादियों को बेकार लग रहा है। आज भाजपा सपा से पूछ रही है कि वैज्ञानिक ढंग से इतना शानदार और भव्य सूर्य तिलक हुआ, राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर ही एक लाख करोड़ से अधिक का व्यापार हो गया, अयोध्या में एयरपोर्ट बना, रेलवे स्टेशन भव्य बन गया, वहां पर मेडिकल कालेज भी विस्तृत हो रहा है तो क्या यह सब कुछ बेकार है?

आम जनमानस को अच्छी तरह से याद है कि रामपुर में का यह लोग किस प्रकार अपने चहेते आजम खां जन्मदिन मनाने जाते थे, विदेश से केक मंगाया जाता था और सैफई में कैसे बॉलीबुड नायिकाओं का नृत्य आयोजन किया जाता था। समाजवाद की नजर में वह सब कुछ समाजवाद था और अच्छा था। एक समय था जब समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया ने रामकथा का प्रचार-प्रसार प्रारम्भ किया था और आज के फर्जी समाजवादी राम मंदिर व उसकी प्राण प्रतिष्ठा ही नहीं अपितु तुलसीदास रचित रामचरित मानस व वाल्मीकि कृत रामायण को भी अपमानित करते हैं। सपा के पूर्व नेता स्वामी प्रसाद मौर्य तो रामचरित मानस जैसे पवित्र गंथ के खिलाफ हल्ला ही बोल दिए और उसकी आड़ में बेतहाशा नफरत भरी बयानबाजी कर रहे थे।

सपा, बसपा कांग्रेस के नेताओं के पास भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने के लिए समय नहीं है किंतु माफिया मुख्तार व अतीक के यहां जाकर फातिहा पढ़ने का समय जरूर मिल जाता है। कांग्रेस व इंडी गठबंधन के खतरनाक इरादों को ध्यान में रखते हुए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी जनसभाओं में जनता से कह रहे हैं कि हम सदन में 400 सीट इसलिए चाह रहे हैं कि ताकि कांग्रेस कश्मीर में धारा 370 को फिर से न लागू करने और और सुपर कमीशन बना कर राम मंदिर का निर्णय बदलने का सपना न देख पाए। विपक्ष के सनातन और प्रभु राम के प्रति नफरत से भरी राजनीति के कारण ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राम मंदिर, हिंदू व सनातन धर्म को को लेकर आक्रामक होना पड़ रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि कांग्रेस ने लगातार रामभक्तों व मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का अपमान किया है। उसका ये आचरण दिखाता है कि वह वास्तव में सनातन राष्ट्र का अपमान करती रही है। यह समय रामभक्तों के लिए अत्यंत सावधानी का समय है और उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंचकर अपने मत का सही प्रयोग अवश्य करना चाहिए ताकि राम मंदिर पर फिर साजिश का बाबरी ताला न लग सके।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगकुण्डल्युपनिषद् (भाग-16)

गतांक से आगे...

गुदास्थान के समीप मूलाधार, लिंग के समीप स्वाधिष्ठान, नाभिमण्डल में मणिपूर, हृदय में अनाहत, कण्ठमूल में विशुद्धचक्र एवं मस्तक में आज्ञाचक्र स्थित होता है। षट्चक्रों की जानकारी प्राप्त करके प्राण को आकर्षित करके सुखमण्डल अर्थात् परमानन्ददायी सहस्त्रार चक्र में प्रवेश करे और उसे ऊर्ध्वगामी दिशा में नियोजित करे।

इस तरह अभ्यसित होकर प्राण ब्रह्माण्ड में स्थित हो जाता है अर्थात् ब्रह्माण्ड का ज्ञान हो जाता है। समुचित रूप से चित्त, प्राण-वायु, बिन्दु एवं चक्र का अभ्यास हो जाने पर योगियों को परमात्मा से एकाकार होकर समाधि अवस्था में पहुँच कर अमृत-तत्त्व की प्राप्ति हो जाती है। जिस तरह लकड़ी में अग्नि है, परन्तु बिना रगड़े हुए वह प्रज्वलित नहीं होती, उसी प्रकार बिना निरन्तर अभ्यास किये हुए योगविद्या का प्रकाश बाहर नहीं आ सकता। जिस प्रकार घड़े के भीतर रखा हुआ दीपक बिना उसका भेदन किये बाहर प्रकाश नहीं दे सकता, ठीक उसी तरह शरीररूपी घट के भीतर स्थित ब्रह्मरूपी प्रकाश तब तक बाहर नहीं दिखता, जब तक गुरुमुख होकर इस शरीररूपी घट का भेदन नहीं किया जाता। कर्णधार (नाविक) रूप गुरु ही इस संसार-सागर से पार होने का उपाय है।

अपनी श्रेष्ठ वासना अर्थात् उच्च आदर्शवादी महत्त्वाकांक्षा एवं निरन्तर अभ्यास के द्वारा अर्जित शक्ति के माध्यम से ही भवसागर को पार किया जा सकता है। शरीर में स्थित वाणी परारूप में अङ्कुरित होती, पश्यंती रूप में द्विदल (दो पत्ते) होती, मध्यमा में मुकुलित (खिलती अग्रगामी) होती और वैखरी रूप में आकर पूर्ण विकसित (प्रकट) हो जाती है। इस वाणी का जिस तरह से प्राकट्य होता है, उसी क्रम में वह विलीन भी हो जाती है।

क्रमशः ...

अक्षय तृतीया

विनोद शुक्ला

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया के पर्व का विशेष महत्व होता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार यह तिथि बहुत ही शुभ और महत्वपूर्ण मानी गई है। वैदिक पंचांग के अनुसार अक्षय तृतीया का पर्व हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। अक्षय का अर्थ होता है, जिसका कभी क्षय न हो या फिर जिसका कभी नाश न हो। इस तिथि को अबूझ मुहूर्त माना गया है, यानी इस तिथि पर किसी भी शुभ कार्य और मांगलिक कार्य को करने के लिए मुहूर्त का विचार नहीं करना पड़ता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस शुभ पर्व पर किया जाने वाले दान-पुण्य, पूजा-पाठ, जाप-तप और शुभ कर्म करने पर मिलने वाला फलों में कमी नहीं होती है। इस दिन सोने के गहने खरीदने और मां लक्ष्मी की पूजा करने का विशेष महत्व होता है।

इस वर्ष अक्षय तृतीया का पर्व शुक्रवार, 10 मई को मनाया जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 10 मई को सुबह 4 बजकर 17 मिनट पर होगी। वहीं इस तृतीया तिथि का समापन 11 मई 2024 को सुबह 02 बजकर 50 मिनट पर होगी। उदया तिथि के आधार पर 10 मई को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाएगा। अक्षय तृतीया त्योहार पर मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 5 बजकर 48 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 23 मिनट तक रहेगा।

अक्षय तृतीया के पर्व को आखा तीज के नाम से भी जाना है। इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में भी मनाई जाती है। यह पर्व हिंदू और जैन दोनों ही धर्म के भक्तों के लिए विशेष होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया तिथि पर ही त्रेता और सतयुग का आरंभ भी हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं। अक्षय तृतीया तिथि की अधिष्ठात्री देवी पार्वती हैं। इस पर्व पर स्नान, दान, जप, यज्ञ, स्वाध्याय और तर्पण आदि जो भी कर्म किए जाते हैं वे सब अक्षय हो जाते हैं। यह तिथि सम्पूर्ण पापों का नाश करने वाली और सभी सुखों को प्रदान करने वाली मानी गई है। शुभ कार्यों को संपन्न करने के लिए अक्षय तृतीया की तिथि बहुत ही खास मानी गई है। इस दिन नई योजना को शुरू करने, नए व्यवसाय, नौकरी, नए घर में प्रवेश करने और शुभ खरीदारी के लिए बहुत ही शुभ माना गया है।

शास्त्रों में अक्षय तृतीया तिथि को स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त माना गया है। यानी इस तिथि पर बिना मुहूर्त का विचार किए सभी प्रकार के शुभ कार्य संपन्न किया जा सकता है। इस दिन कोई भी शुभ मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, सोने-चांदी के आभूषण. घर, भूखंड या वाहन आदि की खरीदारी से सम्बंधित कार्य किए जा सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस अबूझ मुहूर्त की तिथि पर व्यापार आरम्भ, गृह प्रवेश, वैवाहिक कार्य, सकाम अनुष्ठान, दान-पुण्य,पूजा-पाठ अक्षय रहता है अर्थात वह कभी नष्ट नहीं होता।

चीनी फौज बदल रही, भारत न रहे पीछे

हर्ष वी पंत

जब भारत असाधारण रूप से लंबी चुनाव प्रक्रिया में उलझा हुआ है, बाकी दुनिया अपनी प्राथमिकताओं पर आगे बढ़ रही है। पिछले हफ्ते, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने देश के सशस्त्र बलों के व्यापक पुनर्गठन की ओर कदम बढ़ाते हुए पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की डिविजन स्ट्रैटजिक सपोर्ट फोर्स (एसएसएफ) को भंग करने का आश्चर्यजनक फैसला किया। इस डिविजन का गठन उन्होंने 2015 में किया था, जिसका मकसद पीएलए के स्पेस, साइबर, इलेक्ट्रॉनिक और साइकॉलजिकल वॉरफेयर से जुड़े हिस्सों का विलय करना था।

इसके स्थान पर, शी ने सूचना सहायता बल (आईएसएफ) की शुरुआत की, जिसे उन्होंने पीएलए का एक नया रणनीतिक घटक बताया और कहा कि यह नेटवर्क सूचना प्रणाली को समन्वित रूप से आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। इस फैसले के बाद अब पीएलए में चार प्राथमिक शाखाएं हो गई हैं- थल सेना, नौसेना बल, वायु सेना और रॉकेट बल। इसके अतिरिक्त, चार सहायक इकाइयां हैं- संयुक्त लॉजिस्टिक सपोर्ट फोर्स और एसएसएफ से प्राप्त तीन डिविजन।

शी के मुताबिक, इससे चीनी सेना को 'मौजूदा दौर के युद्धों में प्रभावी ढंग से शामिल होने और जीत हासिल करने' में मदद मिलेगी। वैसे, इस कदम की भूमिका पिछले साल पीएलए के भीतर चलाए गए उनके व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी अभियान से तैयार हुई। कई प्रभावशाली जनरल इस अभियान की चपेट में आए। चीन की परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों के तेजी से बढ़ते भंडार के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार रॉकेट फोर्स में भी इस वजह से डिसरप्शन आया।

पुनर्गठन का ताजा प्रयास पीएलए की रणनीतिक क्षमताओं पर शी की प्रत्यक्ष निगरानी को मजबूत करता है और भविष्य में युद्ध के बदलते स्वरूप के मद्देनजर एआई और अन्य उभरती टेक्नॉलजी का कुशलतापूर्वक उपयोग सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर देता है। यह चीन के लिए इस अर्थ में भी अहम है कि वह अपनी सेना को बदलते रणनीतिक हालात और मौजूदा दौर में युद्ध के तेजी से विकसित होते स्वरूप के अनुकूल ढालने की कोशिश कर रहा है।

पिछले एक दशक में चीन ने अपनी सैन्य क्षमताओं का व्यापक आधुनिकीकरण किया है, जिसका लक्ष्य पीएलए को क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम अजेय ताकत में तब्दील करना है। इस आधुनिकीकरण अभियान में तकनीकी प्रगति, संगठनात्मक सुधार और सैद्धांतिक विकास सहित विभिन्न पहलू शामिल हैं।

चीन के सैन्य आधुनिकीकरण का केंद्र बिंदु अत्याधुनिक हथियार और साजो-सामान का विकास व अधिग्रहण रहा है। इसमें एयरक्राफ्ट कैरियर्स की कमिशनिंग के जरिए नौसैनिक क्षमता में वृद्धि करना, अगली पीढ़ी के लड़ाकू जेट विमानों के जरिए वायु सेना का आधुनिकीकरण और उन्नत बैलिस्टिक व क्रूज मिसाइलों के जरिए मिसाइल फोर्स को मजबूती देना शामिल है।

इसके अलावा, कमांड संरचनाओं को सुव्यवस्थित करने, संयुक्त संचालन में सुधार और पीएलए की समग्र दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए संगठनात्मक सुधार शुरू किए गए हैं। इन सुधारों में नए कमांड और थिएटर कमांड की स्थापना के साथ-साथ सैन्य कर्मियों को पेशेवर और आधुनिक बनाने के प्रयास शामिल हैं।

कहने की जरूरत नहीं कि चीन का सैन्य आधुनिकीकरण भारत के लिए कई तरह की चुनौतियां पेश करता है। चीन की बढ़ी हुई सैन्य क्षमताएं इस क्षेत्र में शक्ति संतुलन को प्रभावित कर सकती हैं। देखा जाए तो इस क्षेत्र में चल रहे विवादों पर चीन के रुख में पहले के मुकाबला ज्यादा आक्रामकता अभी से स्पष्ट होने लगी है। ऐसे में स्वाभाविक ही दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव का खतरा बढ़ गया है।

वैसे भी चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति का भारत की रक्षा योजनाओं और सुरक्षा चिंताओं पर प्रभाव पड़ता ही है। संभावित चीनी आक्रामकता के खिलाफ एक विश्वसनीय प्रतिरोध बनाए रखने के लिए भारत अपने सैन्य आधुनिकीकरण प्रयासों में निवेश बढ़ाने को मजबूर है।

पिछले दशक में भारत ने अपने सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने और इनकी दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से रक्षा सुधारों का सिलसिला शुरू किया है। एक महत्वपूर्ण सुधार 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के माध्यम से स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देना है। इस पहल का उद्देश्य रक्षा उपकरणों के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करना, आयात पर निर्भरता कम करना और रक्षा क्षमताओं में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है।

इसके अलावा, महत्वपूर्ण मिलिटरी हार्डवेयर और प्रौद्योगिकी के अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए रक्षा खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) और रणनीतिक साझेदारी मॉडल जैसे उपायों का उद्देश्य खरीद प्रक्रियाओं को सहज और सुविधाजनक बनाना और रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

भारत की सीमाओं पर, विशेषकर चीन से लगे सीमावर्ती क्षेत्रों में, रक्षा बुनियादी ढांचे के विकास पर भी जोर बढ़ाया गया है। इसमें सशस्त्र बलों की मोबिलिटी बढ़ाने और उनके लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट बढ़ाने के मकसद से सड़कों, हवाई क्षेत्रों और अन्य बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। इसके अलावा, भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों शाखाओं - थल सेना, नौसेना और वायु सेना- के बीच एकीकरण को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

फिर भी तेजी से सुधार और व्यापक पुनर्गठन की जरूरत बनी हुई है। देश में थिएटर कमांड पर बहस अभी भी अटकी हुई है। मानव संसाधन और टेक्नॉलजी का अनुपात वाजिब स्तर से काफी कम है। चीन के हालिया कदम भारत के लिए एक चेतावनी हैं। भारतीय सशस्त्र बलों को 21वीं सदी के युद्ध लड़ने लायक बनाना जून में आने वाली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

आज का इतिहास

1934 राजस्व अधिनियम संयुक्त राज्य अमेरिका में जारी किया गया।
1936 मैनुअल अज़ाना स्पेन के नए राष्ट्रपति बने।
1937 8 वा इंपीरियल सम्मेलन लंदन में शुरू हुआ।
1940 ब्रिटिश प्रधान मंत्री नेविल चेम्बरलेन ने इस्तीफा दे दिया और अपने उत्तराधिकारी के रूप में विंस्टन चर्चिल की सिफारिश की।
1941 द्वितीय विश्व युद्ध-नाजी नेता रुडोल्फ हेस ने स्कॉटलैंड में एक शांति मिशन पर होने का दावा किया।
1941 द्वितीय विश्व युद्ध के नाजी नेता रुडोल्फ हेस ने यूनाइटेड किंगडम के साथ शांति वार्ता करने के प्रयास में स्कॉटलैंड में पैराशूट किया।
1960 यूनाइटेड स्टेट्स नेवी न्यूक्लियर पावर्ड रेडार पिकेट पनडुब्बी यूएसएस ट्राइटन ने 10 मई, 1960 को ऑपरेशन सैंडब्लास्ट पूरा किया। यह इतिहास में दुनिया का पहला पहला जलमग्न परिक्षेत्र था।
1979 माइक्रोनेशिया के फेडरेटेड स्टेट्स ने 10 मई, 1979 को अपनी संवैधानिक सरकार का गठन किया था। 1979 से पहले यह अमेरिकी प्रशासन के तहत प्रशांत द्वीप समूह के ट्रस्ट टेरिटरी का एक हिस्सा था और 3 नवंबर, 1986 को एक स्वतंत्र राज्य बन गया।
1981 फ्रांस्वा मितरंड को फ्रांसीसी पांचवें गणराज्य का पहला समाजवादी राष्ट्रपति चुना गया।
1994 अमेरिकी धारावाहिक हत्यारे जॉन वेन गेसी को 1972 और 1978 के बीच हुई हत्याओं के आरोपों में बारह किशोर लड़कों और युवकों की हत्याओं के लिए घातक कार्रवाई द्वारा मार डाला गया था।
1994 दक्षिण अफ्रीका के पहले काले राष्ट्रपति के रूप में नेल्सन मंडेला का उद्घाटन किया गया।
1996 एक दूरसंचार और बहु-स्तरीय विपणन संगठन, एक्सेल कम्युनिकेशन, 10 मई, 1996 को न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होने वाली सबसे कम उम्र की कंपनी बन गई, जो कि प्रतीक (ईसीआई) के तहत कारोबार करती है।
1997 ईरान के खोरासान प्रांत में 7.3 मेगावॉट का भूकंप आया, जिससे 1,567 लोग मारे गए, 2,300 से अधिक घायल हुए, 50,000 बेघर हो गए, और 15,000 से अधिक घरों में ऑर्डेस्ट्रोइंग को नुकसान पहुंचा।
2001 घाना में एक फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़ मचने से 120 से अधिक दर्शकों की मौत।
2002 उर्दू के मशहूर शायर कैफी आजमी का निधन।

अस्तित्व के संकट से गुजरती कांग्रेस

रशीद किदवई

चुनावों के बीच बड़े पैमाने पर नेताओं का पार्टी छोड़ना और उम्मीदवारों का किसी न किसी बहाने लोकसभा चुनाव लड़ने से इन्कार करना कांग्रेस पार्टी में व्यापक स्तर पर निराशा और अस्तित्व के संकट का संकेत देता है। ऐसे में, अगर कांग्रेस पार्टी अपने दम पर 80-100 लोकसभा सीटों के आंकड़े को पार कर जाती है, तो यह तमाम प्रतिकूलताओं एवं धुंधले परिदृश्य के बीच कांग्रेस पार्टी को नया जीवन मिलने जैसा होगा। आगामी चार जून को कांग्रेस अगर किसी भी तरह से भाजपा को 272 सीटों के बहुमत के आंकड़े से नीचे रखने में सफल हो जाती है, तो यह आगामी लड़ाई के लिए जिंदा रहेगी। कांग्रेस के खत्म होने का दावा करने वालों के लिए यह खबर होगी कि कांग्रेस अभी जिंदा है और पैर मार रही है।

कांग्रेस के संकटग्रस्त, लेकिन दृढ़ निश्चयी नेता राहुल गांधी के लिए दांव बहुत ऊंचे हैं। दो भारत जोड़ो यात्राओं और अपनी संसदीय सीट बरकरार रखने के लिए वायनाड से चुनाव लड़ने के बाद राहुल ने रायबरेली सीट से भी नामांकन दाखिल करके अपने दोस्त और दुश्मन- सबको हैरान कर दिया है। वह सभी राजनीतिक दलों से दो लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने वाले एकमात्र महत्वपूर्ण नेता हैं। राहुल द्वारा अमेठी सीट से चुनाव नहीं लड़ने के बारे में काफी कुछ लिखा गया है, जहां से वह 2019 में चुनाव हार गए थे। ध्यान रखना चाहिए कि राहुल भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ चुनाव लड़कर अमेठी चुनाव को राहुल बनाम ईरानी नहीं बनने देना चाहते थे। चेतन और अवचेतन स्तर पर अब भी राहुल और कांग्रेस 2024 को राहुल बनाम नरेंद्र मोदी के रूप में देखते हैं।

बारीकी से जांच करने पर पता चलता है कि राहुल पर उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने के लिए समाजवादी पार्टी का भारी दबाव था। उत्तर प्रदेश में 34 लोकसभा सीटें ऐसी हैं, जहां विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के 40 फीसदी से ज्यादा वोट हैं। दूसरे शब्दों में, इन सीटों पर कब्जा किया जा सकता है। क्या समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन ये 34 सीटें भाजपा के खाते में जाने से रोक सकता है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो और अयोध्या के राम मंदिर का दौरा इस बात का संकेत है कि भाजपा राहुल एवं अखिलेश को खतरे के तौर पर देख रही है। हालांकि बसपा और मायावती उत्तर प्रदेश में भाजपा के लिए सबसे बड़ी राहत बनी हुई हैं। ऐसे में कल्पना कीजिए कि अगर बसपा का वोट शेयर तेजी से 'इंडिया' गठबंधन की ओर चला जाता है, तो भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश में भारी संकट की स्थिति पैदा हो जाएगी।

राधिका खेड़ा, अरविंदर सिंह लवली, गौरव बल्लभ, रोहन गुप्ता, सुरेश पचौरी, अक्षय कांति बाम, वीरेंद्र सिंह और संजय निरुपम भले ही राजनीतिक दृष्टि से मजबूत नेता न दिखें, लेकिन इनमें एक समानता है। इनमें से कई नेताओं ने राम मंदिर और प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने से कांग्रेस के इन्कार का मुद्दा उठाया है। हालांकि सच्चाई यह थी कि कांग्रेस अपने नेताओं के अयोध्या जाने के विरोध में नहीं थी, बल्कि 22 जनवरी, 2024 को कमोबेश मोदी और भाजपा के साथ ही थी। अजय

राय, दीपेंद्र हुड्डा और मंदिर जाने वाले अन्य लोगों को आखिर लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के टिकट दिए ही गए।

असंतुष्टों और विद्रोहियों ने चुनाव के बीच में किसी न किसी बहाने से पार्टी छोड़ी है, जिससे कांग्रेस को शर्मिंदगी एवं बेचैनी का सामना करना पड़ा है। सूरत में भाजपा निर्विरोध चुनाव जीत गई, जबकि इंदौर, पुरी, अहमदाबाद पूर्व में भाजपा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस के पास योग्य उम्मीदवार नहीं है। यह असाधारण स्थिति है।

बहरहाल कांग्रेस के लिए अच्छी खबर यह है कि उसकी स्थिति इससे ज्यादा खराब नहीं हो सकती। वर्ष 1967, 1977, 1996, 1998-1999 की पराजय के विपरीत, 2014 और 2019 में हार के बावजूद पार्टी में कोई बिखराव नहीं हुआ और कांग्रेस से टूटकर कोई अलग पार्टी नहीं बनी। फिर भी समय-समय पर नेताओं द्वारा पार्टी छोड़ने से कांग्रेस को भारी नुकसान हुआ है। 1969 और 1978 की इंदिरा गांधी के विपरीत, मौजूदा कांग्रेस नेतृत्व को अपने राजनीतिक विरोधियों से मुकाबला करने के लिए फिर से संगठित होने या मजबूत संगठन बनाने का समय नहीं मिल रहा है। पार्टी में आंतरिक असंतोष खत्म होता नहीं दिख रहा और वंशवाद का आरोप सोनिया, राहुल एवं प्रियंका को कमजोर कर रहे हैं, जो खुद ही सत्ता की डोर संभाले हुए हैं, भले ही कांग्रेस पर नियंत्रण को इसकी वजह बताया जा रहा है।

सोनिया के नेतृत्व में कांग्रेस बदलाव से बचती रही। कांग्रेस शायद एकमात्र राजनीतिक पार्टी है, जहां 1970 के दशक के पार्टी नेता (संजय गांधी की फैक्टरी से निकले) 2014-2024 में भी पार्टी में पकड़ बनाए हुए हैं/थे। अशोक गहलोत, दिग्विजय सिंह, अंबिका सोनी, कमलनाथ, अहमद पटेल (नवंबर, 2020 में जिनका निधन हो गया) और अन्य लोग संजय युग में ही प्रमुखता से सामने आए थे। इनमें से ज्यादातर लोग पांच दशक से ज्यादा समय होने के बावजूद अब भी पार्टी में प्रासंगिक बने हुए हैं। ये लोग हमेशा संजय, राजीव, सोनिया के करीबी सहयोगियों में थे, जो केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ स्तर के एआईसीसी पदाधिकारियों के रूप में उभरे थे। वे छोटे-छोटे क्षत्रप थे, लेकिन निर्णय प्रक्रिया का प्रभावशाली हिस्सा थे।

वास्तव में इसने राज्यों में संरक्षणवाद का विस्तार किया। वर्ष 2006 में एआईसीसी महासचिव बने राहुल गांधी ने बदलाव या सुधार की कोशिश की, पर जल्द ही उन्हें और उनकी टीम को गुलाम नबी आजाद (अब कांग्रेस से अलग) के वफादार लोगों (अहमद-अंबिका-दिग्विजय नेटवर्क) के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। यहां तक कि युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवा दल और महिला कांग्रेस में भी राहुल के बदलाव लाने के प्रयास को काफी विरोध और प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। तब यूपीए सत्ता में थी और सोनिया एआईसीसी अध्यक्ष थीं, जिन्होंने 'सब चलता है' के दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया, जिसके चलते निराशा की भावना पैदा हुई। जब तक कांग्रेस की अगुआई वाला यूपीए गठबंधन सत्ता में था, सब कुछ दबा हुआ था। उसके बाद आलम यह है कि पिछले दस वर्षों में 15 पूर्व मुख्यमंत्री पार्टी छोड़ चुके हैं।

बैरकपुर में टीएमसी के कारण समस्याओं का अंबार

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल का बैरकपुर संसदीय क्षेत्र औद्योगिक इलाका तो है ही साथ ही इतिहास में इस क्षेत्र का नाम इसलिए भी दर्ज है क्योंकि अंग्रेज शासन के खिलाफ पहला सैन्य विद्रोह यहीं पर हुआ था। 1857 में बैरकपुर की छावनी में ही ब्रिटिश सेना के जवान मंगल पांडे ने अंग्रेज सरकार के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंक दिया था। यह क्षेत्र उत्तर 24 परगना जिले में आता है और पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से लगभग दो घंटे की दूरी पर है। हमें इस इलाके की अधिकतर सड़कें खराब अवस्था में दिखीं और ट्रैफिक जाम की समस्या यहां काफी विकराल दिखी। हम आपको बता दें कि बैरकपुर में आजादी के पहले से ही कई जूट मिलें थीं। सरकारी जूट मिलें तो अब बंद हो चुकी हैं लेकिन कुछ निजी जूट मिलें चल रही हैं जिनमें बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश और बिहार से आये मजदूर काम करते हैं। जूट मिलों में काम करने वाले मजदूरों में हमें लगभग सभी लोग ऐसे मिले जिनके पिता और दादा भी इन मिलों में काम करते थे। हमने पाया कि यह मजदूर अपने पूर्वजों वाला काम भी कर रहे हैं और लगभग उनके जैसा ही नारकीय जीवन भी जी रहे हैं। इन मजदूरों की बस्तियों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव दिखा। जूट मिलों के मजदूरों को दैनिक 500 रुपए से भी कम मजदूरी मिलती है यानि लगभग 15000 रुपए मासिक। इस राशि में पूरे परिवार को पालना और खासतौर पर महंगी हो चुकी शिक्षा अपने बच्चों को दिला पाना बहुत कठिन कार्य है। इन मजदूरों ने कहा कि बच्चों को पढ़ाने के लिए उन्हें खाली समय में अन्य काम भी करने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा बेहाल है, कोई बीमार पड़ जाये तो आसपास अच्छा अस्पताल तक नहीं है। हमने निजी जूट मिलों की स्थिति भी कुछ अच्छी नहीं पाई। जूट मिलों के संचालन में राजनीतिक दखलदांजी भी हावी दिखी। इस इलाके में बड़ी संख्या में हिंदीभाषी लोग रहते हैं और वह इलाके में राजनीतिक महत्व रखते हैं। बताया जाता है कि इस क्षेत्र में करीब 35 प्रतिशत आबादी हिंदी भाषी है। लोगों से बातचीत में हमने पाया कि इनकी समस्याओं को सुलझाने के प्रति राज्य सरकार उदासीन है इसलिए इन सभी को मोदी सरकार से ही अब आस है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस बार हम भाजपा के पक्ष में बढ़-चढ़कर मतदान करेंगे क्योंकि हमें उम्मीद है कि उनकी गारंटियां हम सभी का जीवन बदल सकती हैं। हमने जब इस इलाके के सांसद अर्जुन सिंह से जूट मिल मजदूरों की दयनीय स्थिति पर बात की तो उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास रहेगा कि मैं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत इनको मकान दिलवा सकूं या फिर यह जिस परिसर में रहते हैं वहां ही सरकार की योजना के तहत इनके लिए आवासीय बिल्डिंग का निर्माण करा सकूं ताकि इनकी समस्या का समाधान हो सके। अर्जुन सिंह ने कहा कि मैं करना तो बहुत कुछ चाहता हूँ। केंद्र से पैसा भी ले आता हूँ लेकिन कई कामों में राज्य सरकार की मंजूरी चाहिए होती है परन्तु वह मिल नहीं पाती और काम अटक जाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी विधानसभा चुनावों में बंगाल में भी भाजपा की सरकार बनेगी और डबल इंजन की सरकार बनते ही यहां विकास के सभी काम तेजी के साथ होंगे। हम आपको बता दें कि बैरकपुर संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस के बाद माकपा और उसके बाद तृणमूल कांग्रेस तथा उसके बाद भाजपा को यहां से जीत मिलती रही है। 2019 में टीएमसी विधायक रहे अर्जुन सिंह ने पाला बदलते हुए भाजपा की सदस्यता ली थी।

पिछड़े वोटों की लड़ाई में किसकी होगी जीत

बृजेश शुक्ल

पिछड़े, अति पिछड़े और दलित वोटों के लिए एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच जंग और भी तीखी होती जा रही है। वास्तव में पिछड़ा, अति पिछड़ा और अति दलित वोट से ही चुनावी लड़ाई का फैसला होगा। विपक्षी दलों को भी इस बात का अहसास है कि अति पिछड़े वोटों के बिना चुनाव नहीं जीता जा सकता। विपक्षी गठबंधन इंडिया के लगभग सभी बड़े नेता भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं कि वह यदि सत्ता में आई तो आरक्षण खत्म कर देगी। उधर, भाजपा ने यह कहकर मोर्चा खोल दिया है कि कांग्रेस पिछड़ों का आरक्षण मुसलमानों को देना चाहती है। आखिर अति पिछड़े और अति दलित वोटों के लिए यह जंग क्यों हो रही है? इस आम चुनाव में यह वर्ग किसके साथ है?

बरेली से 15 किलोमीटर दूर पड़ता है गांव परसा खेड़ा। यहां के मोहन पाल अति पिछड़े हैं और उनका कहना है कि अगर मोदी को आरक्षण खत्म ही करना होता तो 10 साल में ऐसा कुछ दिखता जरूर। लेकिन, लखनऊ के बख्शी का तालाब के राम सिंह यादव कहते हैं, 'आरक्षण खत्म करने की पूरी तैयारी हो रही है, इसीलिए माहौल अखिलेश यादव के पक्ष में लग रहा है।' वास्तव में अति पिछड़े और अति दलित चुनाव के केंद्र में आ गए हैं। यह लड़ाई इसलिए भी तीखी हो रही है, क्योंकि विपक्षी दल समझ चुके हैं कि नरेंद्र मोदी की असली ताकत अति पिछड़े और अति दलित ही हैं। इस वोटबैंक में सेंध लगाए बिना चुनावी लड़ाई नहीं जीती जा सकती। 2014 के पहले पिछड़ा वर्ग के बीच समाजवादी पार्टी ज्यादा मजबूत थी और दलित, अति दलित वोटर्स के बीच बसपा प्रमुख मायावती का गहरा प्रभाव था। लेकिन, स्थितियां इस तरह पलटीं कि यह वर्ग मोदी के पीछे खड़ा हो गया।

2014 के बाद से यह साफ हो चुका है कि पिछड़ों का मतलब केवल संख्या की दृष्टि से ज्यादा बड़ी और सशक्त

जातियां नहीं, बल्कि वे तमाम जातियां हैं जो बिखरी हुई रही हैं, लेकिन एकजुट होकर बड़ी ताकत बन गई हैं। अब वे किसी को भी हरा और जिता सकती हैं। राहुल गांधी हों, तेजस्वी यादव या फिर अखिलेश यादव ङ्क सभी समझ चुके हैं कि अति पिछड़ा और अति दलित के समर्थन के बिना वे चुनावी जंग नहीं जीत सकते।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस बार पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक का नारा दिया है। क्या इससे उन्हें कामयाबी मिलेगी? इसमें कोई दो राय नहीं कि भाजपा के किले को भेदने की अखिलेश हर संभव कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह इतना आसान नहीं है। जमीन पर देखने से साफ हो जाता है कि अति पिछड़ों में अब भी मोदी का प्रभाव है और सपा उसमें सेंध नहीं लगा पाई है। 2014 से लगातार चुनावी मात खाने वाला विपक्ष समझ चुका है कि उसे किसी भी तरह से उस अति पिछड़े वर्ग को साथ लाना होगा, जो उससे दूर चला गया है। वास्तव में 2014 के पहले अति पिछड़ा और अति दलित मतदाता बिखरा हुआ था, किसी एक को वोट नहीं कर रहा था। लेकिन, मोदी के आने के बाद यह वर्ग एकजुट हुआ है। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह अपने इस वोट बैंक को कैसे बचाए। लेकिन, विपक्ष के सामने चुनौती और भी बड़ी है। उसे सोचना है कि कैसे अति पिछड़े मतदाताओं को अपने साथ जोड़े।

मोदी जानते हैं कि पिछले दो लोकसभा चुनावों में यूपी और बिहार में उन्हें जो भारी सफलता मिली, उसके पीछे इसी वर्ग का समर्थन था। यह मतदाता वर्ग कितना निर्णायक है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मोदी के सामने सबसे कठिन चुनौती 2019 के लोकसभा चुनाव की थी। यूपी में सपा, बसपा और राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) ने गठबंधन किया था। आंकड़ों में इस गठबंधन का वोट प्रतिशत 50 से ज्यादा जा रहा था। इसके बावजूद उस चुनाव में विपक्षी गठबंधन को बुरी हार का सामना करना पड़ा। 2019 में यूपी से जो परिणाम आए, उसने बड़े-बड़े राजनीतिक पंडितों के होश उड़ा दिए। अब आते हैं साल 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव पर। तब बड़ी संख्या में अति पिछड़े नेताओं ने भाजपा का साथ छोड़ा और सपा के साथ जा खड़े हुए। लेकिन, महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अति पिछड़ा मतदाता भाजपा के साथ डटा रहा। तमाम आकलन को झुठलाते हुए भाजपा भारी बहुमत के साथ फिर यूपी की सत्ता में आ गई।

अति पिछड़े और अति दलित के भाजपा से जुड़े होने का कारण क्या है, इसे समझना होगा। यह धारणा रही है कि पिछड़ा वर्ग में कुछ बड़ी जातियां अति पिछड़ों का हिस्सा हजम कर जाती हैं। इसे लेकर काफी असंतोष भी रहा। जब मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू हुई तब पिछड़ा एक वर्ग था, लेकिन जब पिछड़ों में एक तबके को उसका कोई लाभ नहीं मिला तो उस वर्ग में असंतोष पैदा हुआ। वही मतदाता 2014 में मोदी के पीछे खड़ा हो गया।

पिछले चुनावों में भाजपा को अति पिछड़ा और अति दलित वर्ग के बड़े हिस्से का साथ मिला। वहीं, राहुल गांधी भी साबित करना चाहते हैं कि कांग्रेस और उनका गठबंधन अति पिछड़े और अति दलित के साथ है। इसीलिए राहुल जाति जनगणना का मुद्दा उठाते हैं। लेकिन, पिछले चुनावों में उन्हें इस सिलसिले में कुछ राज्यों को छोड़ दें तो बड़ी कामयाबी नहीं मिली।

राधिका खेड़ा का बखेड़ा- मैंने राम चुनरिया पहनी

आर. के. सोनी

छत्तीसगढ़ के इतिहास में यह पहला मौका हैं जब किसी महिला राष्ट्रीय मीडीया प्रभारी कांग्रेस ने अपने घर में आग लगायी हो और वह भी सुनियोजित तरीके से भाजपा के खिलाफ सबसे मुखर रहे संचार विभाग कांग्रेस के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला को अपने लपेटे में लिया और उनके साथ इस आग की लों में वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर और सुरेन्द्र वर्मा भी झूलसने की कगार पर पहुंचे।

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता छोटे-बड़े जिस प्रकार से पार्टी का साथ छोड़कर बीजेपी में जा रहे हैं उससे कही न कही यह बात तो तय हैं कि इस दलबदल करने वाले नेताओं के काले कारनामें और अपनी व्यवसायिकता मुनाफे के आगे पार्टी कि निष्ठा मायने नहीं रखती और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भी कहा है कि वे ही लोग कांग्रेस छोड़ कहे जिन्हें ई.डी और. पुलिस का खौफ समाया हैं और अपने गले के फन्दे को कसने से बचने के लिए ये भगवा धारण कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के राजीव भवन में विगत दिनों से चले आ रहे राधिका खेड़ा के बखेड़ा ने पूरे लोकसभा चुनाव में हडकंम मचा रखा था और राधिका खेड़ा के चक्रव्यूह में फंसे वरिष्ठ प्रवक्ताओं सुशील आनंद शुक्ला, धनंजय ठाकुर और सरल स्वभाव के सुरेन्द्र वर्मा पर आंच आयी और इन प्रवक्ताओं जिस प्रकार प्रेस पत्रकारों को अपनी साफगोई में एक-एक पहलू पर प्रकाश डालकर राधिका खेड़ा के आरोपों को निराधारऔर सुनियोजित षडयंत्र माना हैं। महिला प्रवक्ताओं में वंदना राजपूत, प्रीति उपाध्याय प्रगति बाजपेयी और अरूणा कुर्रे संगीता दुबे ने भी राधिका खेड़ा के बयान को निंदनीय के साथ स्तरहीन करार दिया यहां तक वंदना राजपूत ने बनाया था कि राधिका खेड़ा यदि महिला नेत्री हैं तो विवाद के बाद मेरे फोन को भी रिसीव क्यो नहीं किया। यह उनके मन में छिपे चोर को दर्शाता हैं।

राधिका खेड़ा के बखेड़ा काण्ड में बहुत सी बाते ऐसी हैं, जिन पर संदेह बना हुआ हैं और राधिका खेड़ा के खिलाफ यह तथ्य मजबूत होता हैं कि क्या? वे लोकसभा चुनाव के पूर्व से किसी स्टिंग आपरेशन पर काम कर रही थी और ऐन समय पर अपने मन माफिक कार्य को अंजाम दे दिया और रायता फैलाकर दिल्ली कूच कर गयी और पार्टी से इस्तीफा देकर स्वयं को साफ-पाक बताने की कोशिश

की हैं, जो कई सवालों को जन्म देता हैं।

1. राधिका खेड़ा अपने कार्य क्षेत्र की सीमा से बाहर जाकर क्यों कार्य कर रही थी, प्रदेश संचार विभाग के चेयर मेन सुशील आनंद शुक्ला को अपने विश्वास में लेकर काम करने में क्या दिक्कत थी।

2. यदि राधिका खेड़ा रो-रो कर बयान दे रही थी तो वे रो-रो कर थाने में एफ.आई.आर. क्यों नहीं कि जब उनके दरवाजे को रात के वक्त पीटा जा रहा था।

3. राधिका खेड़ा यदि सचमुच प्रताड़ित हुई थी तो इसकी शिकायत पार्टी फोरम में रखती और कांग्रेस की यदि निष्ठावान सिपाही थी तो अपने अपमान के न्याय के लिए लड़ती। पार्टी से इस्तीफा इतना बड़ा कारण नहीं जैसा वे दर्शा रही हैं।

4. राधिका खेड़ा ने आरोप लगाया कि उन्हें शराब का आफर किया गया था न्याय पात्रा के दौरान सवाल उठता हैं, इतनी बड़ी मीडीया को आर्डीनेटर को कोई बेवजह शराब आफर करें तो क्या वे इसकी शिकायत पार्टी फोरम में या फिर न्याय यात्रा के वरिष्ठ नेताओं से नहीं कर सकती थी।

5. कांग्रेस के एक के एक प्रवक्ता मनी भाई ने अपने विडियों संदेश में बताया कि राधिका खेड़ा ने उन्हें बिलासपुर लोकसभा चुनाव जहां की जिम्मेदारी वे देख रहे हैं फोन करके राधिका बोली कि लवली सिंह दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष के राह पर चलती हूं। और मुझे भी उनका अनुसरण करना हैं. इस बयान का क्या राधिका खेड़ा ने खंडन करने साहस किया।

6. धनंजय सिंह ठाकुर का यह कहना कि हमें जब मालूम ही नहीं की राधिका खेड़ा कोरबा के किस होटल में थी उन्हें जानकारी नहीं फिर शराब पहुंचाने या लेकर जाने का सवाल ही नहीं उठता।

7. वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा का यह कहना भी मायने रखता हैं मुझे राधिका खेड़ा ने गवाह बना रखा था विवाद के वक्त बाद में मुझ पर भी निंदनीय टिप्पणी कि जो उनकी कुण्डित, सोची समझी षडयंत्र कारी मानसिकता को दर्शाता हैं। सरल स्वभाव के सुरेन्द्र वर्मा का यह कहना भी राधिका खेड़ा के आरोपों को निराधार बताने काफी हैं।

8. सबसे ज्यादा इस राधिका खेड़ा के बखेड़ा में संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला प्रभावित हुए हैं।

9. मेरे दो दशक की पत्रकारिता में महिलाओं के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी का वाद-विवाद की शिकायत कभी संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला के विरूद्ध देखने या सुनने में नहीं आयी।

सुशील आनंद शुक्ला भाजपा के खिलाफ सबसे मुखर प्रवक्ता माने जाते हैं स्वभाविक हैं, भाजपा के टारगेट में वे हिट लिस्ट में हो सकते हैं। और उन्हें निपटाने भाजपा के कांग्रेस खत्म करों अभियान के तहत राधिका खेड़ा को विषकन्या बना कर मामले को तूल दिया गया होगा।

कांग्रेस प्रवक्ताओं ने बताया कि राधिका खेड़ा रायपुर के मंहगे होटल मेरियट में रहती आ रही हैं, आखिर उनका बिल कौन भर रहा हैं। वाजिब सवाल हैं, जब कांग्रेस बिल नहीं दे रही तो राधिका खेड़ा कहां से बिल जमा करवा रही हैं।

राधिका खेड़ा की माता अपने प्रोजेक्ट के बिलों के लंबित होने की वजह भी सदमे में थी और भाजपा के संरक्षण के बिना बिल पास होना संभव नहीं जानकर प्रपंच रचने उकसाया हो सकता हैं।

संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने जिस प्रकार राधिका खेड़ा को मानहानि का नोटिस भेजकर नार्को टेस्ट की मांग की हैं उससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाना स्वाभाविक हैं।

'लखपति नोटा' की आहट से भाजपा में घबराहट

सिद्धार्थ शंकर गौतम

पिछले 35 वर्षों से भाजपा की सबसे मजबूत मानी जाने वाली इंदौर लोकसभा सीट पर कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने नामांकन वापसी के दिन अंतिम क्षणों में नामांकन वापस लेकर भगवा दुपट्टा ओढ़ लिया। ऐसा होने के कारण कांग्रेस के साथ ही भाजपा की अंदरूनी राजनीति का स्याह पक्ष भी जनता के समक्ष आ गया। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और 8 बार इंदौर से सांसद रहीं सुमित्रा महाजन ताई ने अक्षय बम के पूरे प्रकरण पर मात्र इतना ही कहा कि ऐसा करने की आवश्यकता ही नहीं थी। इससे जनता के सामने अच्छा संदेश नहीं गया है। फिर ताई ही क्यों, भाजपा के पुराने कायकर्ताओं से लेकर संघ के जमीनी स्वयंसेवकों में भी उक्त कृत्य की पीड़ा है। यह, तो हुई राजनीति से जुड़े लोगों की बात किंतु सबसे बड़ा सवाल है कि क्या अब जनता 13 मई को बढ़-चढ़ कर मतदान करने निकलेगी? क्या बिना राष्ट्रीय पार्टी के प्रत्याशी के आम जनता के बीच चुनाव नीरस नहीं हो गया? इंदौर के चौराहों पर तो यही आशंका व्यक्त की जा रही है और हर चर्चा या तो चुनाव के बहिष्कार पर होती है अथवा नोटा के अधिकाधिक प्रयोग की। कांग्रेस ने भी अपना समर्थन नोटा को देकर मतदाताओं के बीच भ्रम की स्थिति पैदा की है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या कांग्रेस की नोटा की अपील संविधान-सम्मत अथवा लोकतंत्र के लिए सही है? क्या इससे पहले किसी अन्य राष्ट्रीय दल ने नोटा के विकल्प को चुनने के लिए मतदाताओं को प्रेरित किया था? 2013 में दिल्ली, मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनावों में पहली बार नोटा का इस्तेमाल किया गया। नोटा अर्थात नन ऑफ द एबव (इनमें से कोई नहीं) का विकल्प ईवीएम मशीन पर इसलिए लाया गया ताकि जनता यदि किसी भी प्रत्याशी को वोट नहीं देना चाहती, तो वह मतदान करने से पीछे न हटते हुए नोटा पर बटन दबाकर अपना विरोध दर्ज करवा सकती है। पहली बार लगभग 15 लाख लोगों ने नोटा के विकल्प का प्रयोग किया जो कुल मतदान का 1.5 प्रतिशत था। वर्ष 2014 में हुए आम चुनाव में 60 लाख से अधिक मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना था। यहां तक कि सीपीआई और जदयू जैसे राजनीतिक दलों का वोट शेयर भी नोटा से कम था। नोटा का सबसे दिलचस्प इस्तेमाल तमिलनाडु की नीलगिरी लोकसभा सीट पर हुआ था जहां नोटा को 46,559 वोट मिले थे और यह तीसरे स्थान पर रहा था। नोटा को मिले वोटों के कारण नीलगिरी सीट से मौजूदा सांसद और डीएमके उम्मीदवार ए राजा चुनाव हार गए थे। अब जबकि इंदौर में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी ने पाला बदल लिया है तो कांग्रेस ने इंदौर में नोटा की मुहिम चला दी है। वैसे भी इंदौर में कोई भी चुनाव हो, यहां मतदान प्रतिशत हमेशा संतोषजनक रहता है। 2014 में इंदौर में 62.25 प्रतिशत तो 2019 में 69.56 प्रतिशत मतदान हुआ था किंतु इस बार यह आशंका भी जताई जा रही है कि कांग्रेस प्रत्याशी के चुनाव में न होने से मतदान प्रतिशत बहुत कम हो सकता है या कांग्रेस की नोटा की अपील रंग दिखा सकती है। इस बार कांग्रेस प्रत्याशी के मैदान में न होने से क्या ये तीन लाख से अधिक वोट नोटा को मिलने वाले हैं या तीन लाख से अधिक कांग्रेस के समर्पित मतदाता मतदान का बहिष्कार करने वाले हैं, इसे लेकर इंदौर की राजनीति भीषण गर्मी में अधिक तप रही है। एक ओर प्रशासन कम मतदान से सहमा हुआ है, वहीं भाजपा सांसद शंकर लालवानी जिन्हें 8 लाख से अधिक की जीत का भरोसा था, अब जीत के पिछले 5,47,754 वोटों के अंतर के कम होने की आशंका से मायूस हैं। कहां तो वे देश में अपनी जीत का रिकॉर्ड बनाने के लिए मेहनत कर रहे थे, वहीं अब उनके सामने नोटा के रिकॉर्ड को न बनने देने की चुनौती है। गृहमंत्री अमित शाह भोपाल में आकर मंत्रियों-विधायकों के क्षेत्र में कम मतदान से परिणाम भुगतने की चेतावनी देकर जा चुके हैं, वहीं दिल्ली दरबार ने भी इंदौर में नोटा के लखपति बनने की आशंका को देखते हुए उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को काम पर लगा दिया है ताकि वे डैमेज कंट्रोल कर सकें। हालांकि यह इतना आसान भी नहीं है क्योंकि इंदौर की जनता ने जैसे स्वच्छता में शहर को देश का सिरमौर बनाया है, वह चाहती है कि शहर राजनीति के मामलों में भी स्वच्छ रहे। 13 मई को मतदान के दिन जनता का मूड क्या होता है, इसपर लखपति नोटा की आशंका से संशय के बादल छटेंगे।

चिलचिलाती गर्मी ने कर दिया जीना मुश्किल

राहत पाने के लिए हिमाचल की इन 5 बेहतरीन जगहों करें एक्सप्लोर

दिव्यांशी भदौरिया

हिमाचल प्रदेश में शहर की तपती गर्मी से ताजगी भरी राहत मिलेगी और यहां पर यात्री खुद को रिलेक्स महसूस करेंगे। अगर आप भी अधिक ठंडी और अधिक शांत जगहों की तलाश कर रहे हैं। तो यह हिमाचल की इन 5 जगहों पर जरुर जाएं। हिमाचल की ऐसी सुंदर 5 जगहें बताने जा रहे हैं, जहां आप प्राकृति के बीच में खुद को काफी सुकून महसूस करेंगे।

जैसे-जैसे हिमाचल की लोकप्रियता बढ़ रही है, शिमला और मनाली जैसे पर्यटन केंद्र भीड़भाड़ वाले होते जा रहे हैं। आज के समय में पहाड़ों पर काफी भीड़ देखने को मिल रही है। पहाड़ों के सुंदर नजारे और खूबसूरत झीलें व हरे-भरे जंगलों में को देखने क्रेज लोगों में बढ़ता ही जा रहा है। हर एक व्यक्ति भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर पहाड़ों पर सुकून तलाशने आता है। अगर आप भी चिलचिलाती गर्मी से परेशान है तो पहाड़ों पर जरुर घूमने जाएं। आज हम आपको हिमाचल की ऐसी सुंदर 5 जगहें बताने जा रहे हैं, जहां आप प्राकृति के बीच में खुद को काफी सुकून महसूस करेंगे। आइए आपको बताते इन जगहों के बारे में।

रकछम

सांगला घाटी में बसा यह आकर्षक गांव शहरी जीवन की हलचल से एक शांत मुक्ति प्रदान करता है। लगभग शिमला से 7 घंटे की दूरी पर, रकछम का आश्चर्यजनक परिदृश्य बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे घास के मैदानों से सुशोभित है। यह प्रकृति प्रेमियों और साहसी लोगों के लिए एक स्वर्ग है। रकछम का एक मुख्य आकर्षण इसकी पारंपरिक लकड़ी की वास्तुकला है। यह गांव जटिल नक्काशी से सजे विचित्र लकड़ी के घरों से बने है, जो क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश करता है। यात्री सेब के बगीचों और कल-कल करती झरनों से घिरी सुरम्य सांगला घाटी में इत्मीनान से टहल सकते हैं। रकछम विभिन्न प्रकार की पक्षी प्रजातियों का भी घर है, जो इसे पक्षी प्रेमियों के लिए स्वर्ग बनाता है। रोमांच चाहने वाले लोग बटसेरी और चितकुल जैसे आसपास के गांवों का भी पता लगा सकते हैं और ट्रैकिंग कर सकते हैं। जो लोग विभिन्न संस्कृतियों और व्यंजनों का पता लगाना पसंद करते हैं, वे सुखद हवादार रातों का आनंद लेते हुए, क्षेत्र के स्वादों का आनंद लेते हुए, गर्म परोसे जाने वाले स्वादिष्ट स्थानीय व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

रशिल

लाहौल और स्पीति जिले के लाहौल क्षेत्र में स्थित रशिल आधुनिकता से अछूता एक सुदूर गांव है। 10,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित, यह एकांत स्वर्ग ट्रेकर्स के लिए असली परिदृश्य देखने और पहाड़ी जीवन शैली का अनुभव करने के लिए एक स्वर्ग है। सब्जी और फलों के खेतों, बर्फ से ढके पहाड़ों, जो हरे और बंजर परिदृश्यों का मिश्रण हैं, प्राचीन मठों और अद्वितीय संस्कृति और जीवन शैली वाले अल्पाइन जंगलों, झरने के झरने और विशाल विस्तारों की अछूती सुंदरता में डूब सकता है। यात्री इसमें धीमी गति से रहने का अनुभव कर सकते हैं।

क्षेत्र और आस-पास के गांवों के सुंदर दृश्य। सूर्यास्त देखना, खेती का अनुभव करना, गांव की पगडंडियों की खोज करना और रात में तारों को देखना कुछ आवश्यक गतिविधियां हैं। रशिल का प्राचीन जंगल तारों से भरे आकाश के नीचे कैंपिंग के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। न्यूनतम प्रकाश प्रदूषण के साथ, रशिल एक अद्वितीय तारा-दर्शन अनुभव प्रदान करता है। ज़ोस्टेल होम्स रशिल और अन्य स्थानीय होमस्टे विशाल हिमालय के ग्लेशियरों, कलकल करती चंद्रभागा नदी और प्रचुर खेतों का 360ए दृश्य प्रदान करते हैं। ऐसे होमस्टे स्थानीय ग्रामीणों के साथ जुड़ने, लोक नृत्यों में भाग लेने, पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेने और पीढ़ियों से चले आ रहे सदियों पुराने रीति-रिवाजों के बारे में जानने का अवसर प्रदान करते हैं।

बड़ौत

मंडी जिले के मध्य में छिपा हुआ और बीर से केवल 2 घंटे की दूरी पर, यह बीर-बिलिंग के पास एक कम प्रसिद्ध रत्न है। ट्रैकर्स के स्वर्ग के रूप में भी जाना जाने वाला बरोट हर उस व्यक्ति के लिए कुछ न कुछ खास पेश करता है जो यहां आने का जोखिम लेता है - चाहे वह प्रकृति प्रेमी हो या रोमांच चाहने वाला। उहल नदी के किनारे स्थित, यह ट्राउट मछली पकड़ने और ट्रैकिंग के अवसरों के लिए प्रसिद्ध है। कोई भी सुंदर बरोट घाटी, सुंदर गांवों और सीढ़ीदार खेतों से गुजरते हुए प्रसिद्ध बीर से बरोट ट्रेक का पता लगा सकता है। प्रकृति प्रेमी आसपास के जंगल की हरी-भरी हरियाली का आनंद ले सकते हैं। शांत वातावरण इसे कैंपिंग के लिए भी आदर्श बनाता है। रोमांच चाहने वाले लोग आश्चर्यजनक परिदृश्यों के बीच पैराग्लाइडिंग, रैपलिंग और नदी पार करने जैसी रोमांचक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। अपने शांतिपूर्ण माहौल और बाहरी रोमांच की अधिकता के साथ, बरोट प्रकृति की गोद में एक ताजगीभरे अनुभव का वादा करता है।

छितकुल

छितकुल जिसे भारत का आखिरी गांव कहा जाता है, आधुनिकता की मार से अछूता स्वर्ग का एक टुकड़ा है। शिमला से केवल 8 घंटे की दूरी पर, छितकुल बर्फ से ढकी चोटियों और हरी-भरी घाटियों से घिरा हुआ है। इस सुदूर गांव में एक रहस्यमय आकर्षण है जो हर आगंतुक को मंत्रमुग्ध कर देता है। बसपा नदी के दाहिने किनारे पर स्थित, छितकुल में भारत की स ब स` स्वच्छ हवा है। कोई भारत-तिब्बत सीमा के निकट अंतिम भारतीय चौकी नागस्थी तक ट्रेक कर सकता है, चितकुल गांव में घूमकर उसकी पारंपरिक वास्तुकला और लकड़ी के घरों को निहार सकता है, बसपा नदी के किनारे आराम कर सकता है या बौद्ध स्कूल किले का दौरा कर सकता है, गांव के मंदिरों तक पैदल यात्रा कर सकता है या बस आनंद ले सकता है।

मशोबरा

मशोबरा, हिमाचल प्रदेश एक छोटा सा पहाड़ी स्थान है जो शिमला से केवल 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह अपने फलों के बगीचों, हरे-भरे ओक के जंगलों, झरनों, धुंध से नहायी पहाड़ियों और कलकल करती नदियों के लिए प्रसिद्ध है। पर्यटक हिमालय और आसपास की घाटियों के मनोरम दृश्यों के लिए शाली टिब्बा तक जा सकते हैं, शिमला वाटर कैचमेंट वन्यजीव अभयारण्य की यात्रा कर सकते हैं। मशोबरा के जंगली फूलों के घास के मैदानों और तत्तापानी झील, लक्का बाजार के बीच इत्मीनान से सैर करें, या इस आकर्षक हिल स्टेशन की शांति के बीच आराम करें।

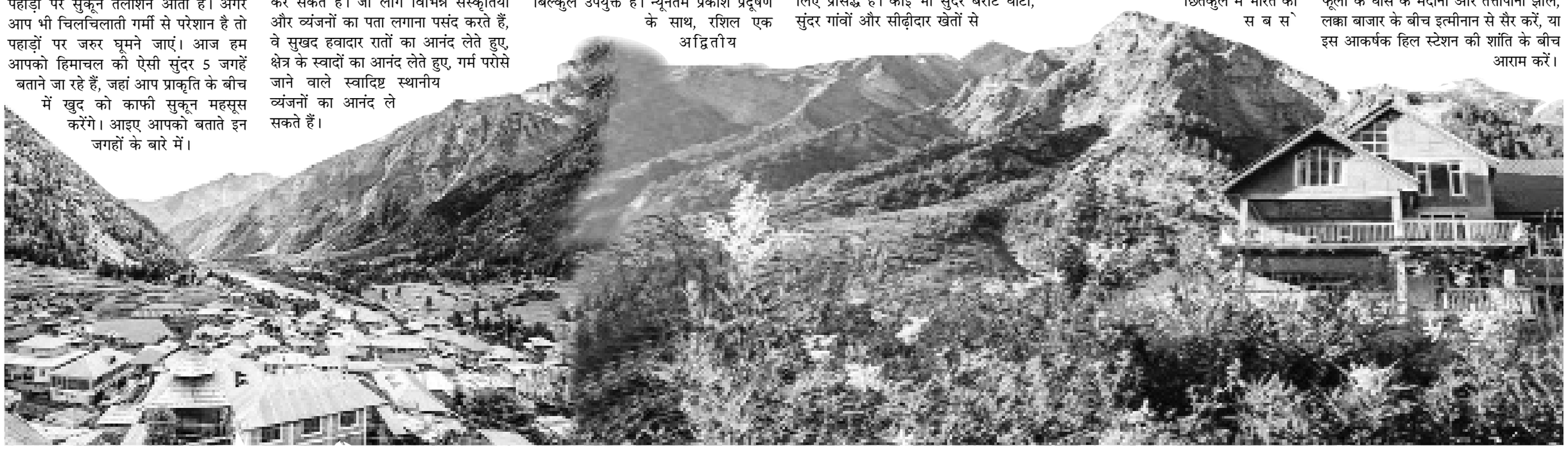

भारत का इकलौता जिंदा किला, जहां रहते हैं हजारों से भी ज्यादा लोग वो भी बिना किसी किराए के, बड़ी अनोखी है कहानी

राजस्थान हमेशा से ही पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है, खास रूप से यहां का इतिहास लोगों को बेहद पसंद आता है। वहीं यहां के किले अपने में ही बड़े खूबसूरत हैं, यही नहीं इन्हें देखने के लिए दुनिया से भी लोग आते हैं। लेकिन इन सबके बीच आप एक किले के बारे में नहीं जानते होंगे। ये किला अपने में बड़ा अनोखा है, जिसकी अपनी मिसाल है और जिसकी कॉपी आपको किसी दूसरी जगह नहीं मिल सकती।

ये किला राजस्थान जैसलमर में मौजूद है, जैसलमेर के इतिहास की बात करें तो ये द्वापर युग से जुड़ा हुआ है, जब महाभारत की लड़ाई के बाद बड़ी संख्या में यादव यहां आकर रहने लगे थे। इसी तरह इस किले का भी अपना एक इतिहास है, बता दें, इसे 'लिविंग फोर्ट' भी कहते हैं। वो क्यों? चलिए आपको बताते हैं।

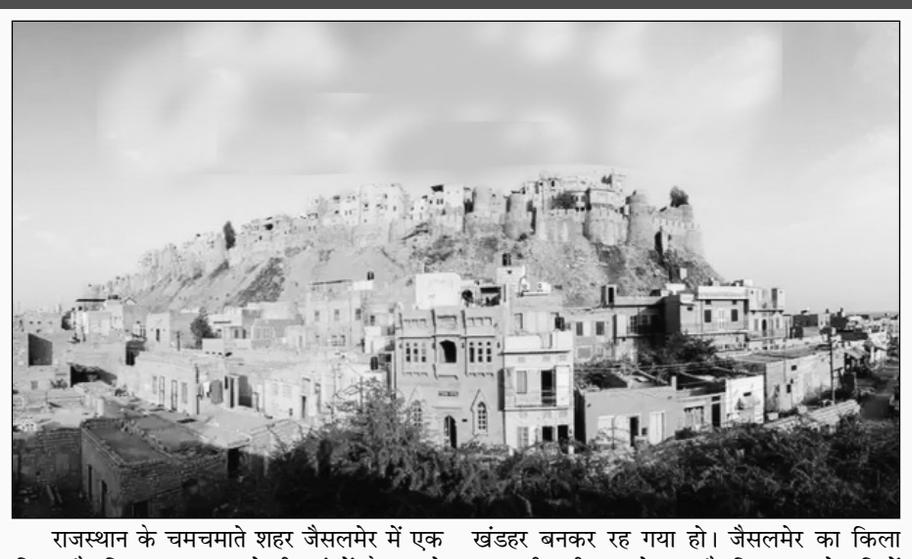

जैसलमेर किला

ये तो हम सब जानते हैं कि शहर में रहना कितना महंगा है, कमाई का बड़ा हिस्सा किराए में ही चला जाता है. लेकिन सुनकर आपको शायद थोड़ा अजीब लगे, राजस्थान में एक ऐसा किला है, जहां लोग आज भी किराए दिए बिना रहते हैं! जी हां, इतिहास की किताबें गवाह हैं कि हजारों परिवार इस रेगिस्तानी किले में एक भी पैसा किराया दिए बिना रह रहे हैं।

राजा रावल जैसल ने बनवाया था किला

राजस्थान के चमचमाते शहर जैसलमेर में एक किला है, जिसका नाम सुनते ही आंखों के सामने सुनहरे रेत के टीलों का नजारा आ जाता है। वो है जैसलमेर का किला! 1156 ईस्वी में राजा रावल जैसल ने इस किले को बनवाया था। ये किला ना सिर्फ राजस्थान की शान है, बल्कि इसे यूनेस्को ने भी वर्ल्ड हेरिटेज साइट का दर्जा दिया है.

इसलिए कहते हैं लिविंग फोर्ट

अब सबसे खास बात ये है कि ये किला दुनिया का इकलौता जिंदा किला माना जाता है। मतलब, ये कोई ऐसा किला नहीं है जिसे अब महल बना दिया गया हो या जो खंडहर बनकर रह गया हो। जैसलमेर का किला आज भी उसी शान से खड़ा है, जिस शान से सदियों पहले खड़ा था। रिपोर्ट्स की मानें तो इस किले की दीवारों के अंदर आज भी करीब 4000 लोग रहते हैं, जो अपने पुरखों की तरह ही किले में रहकर पर्यटन से जुड़े कारोबार करके अपना जीवनयापन कर रहे हैं। घूमने-फिरने के शौकीन हो, तो जैसलमेर के इस जिंदा किले को जरूर देखें।

हजारों लोग इस शानदार किले में रहते हैं

बहुत पुराने समय की बात है, एक बार राजा अपनी कुछ प्रजाओं की वाओं से इतना खुश हुआ कि उसने उन्हें 1500 मी. फीट लंबा एक किला ही इनाम में दे दिया! अभी से 800 साल से भी ज्यादा समय हो चुका है उस किले को बनाए हुए, लेकिन वहां आज भी उन्हीं परिवारों के वंशज रहते हैं जिन्होंने उस राजा की सेवा की थी। आज भी वो हजारों लोग यहां फ्री में रह रहे हैं।

जैसलमेर किला कैसे पहुंचे

हवाई जहाज- सबसे पहले बात करते हैं हवाई जहाज की। जैसलमेर में तो अभी तक कोई एयरपोर्ट नहीं है। लेकिन घबराइए नहीं! जोधपुर एयरपोर्ट करीब 275 किलोमीटर दूर है, जो देश के बड़े-बड़े शहरों से जुड़ा हुआ है। वहां से आप टैक्सी या बस लेकर जैसलमेर पहुंच सकते हैं।

ट्रेन- अगर आप फ्लाइट के झंझट से बचना चाहते हैं, तो ट्रेन भी एक अच्छा विकल्प है। जैसलमेर रेलवे स्टेशन दिल्ली, जयपुर, मुंबई जैसे बड़े शहरों से अच्छे से कनेक्टेड है। तो सीधे टिकट बुक करिए और आराम से सफर पर निकलिए!

रोड- घूमने का शौक है और गाड़ी भी है? तो फिर निकल पड़िए सड़क के रास्ते! जैसलमेर सड़क मार्ग से भी देश के कई शहरों से जुड़ा हुआ है। आप चाहे तो सरकारी बस ले सकते हैं या अपनी गाड़ी से भी जा सकते हैं।

जैसलमेर पहुंचने के बाद किले तक जाना बहुत आसान है। ये किला शहर से थोड़ी ही दूर पर स्थित है। यहां पैदल चलकर भी पहुंचा जा सकता है। वैसे अगर पैदल चलने का मन नहीं है, तो ऑटो-रिक्शा भी आसानी से मिल जाते हैं।

गुरुग्राम के बंजारा मार्केट को एक बार जरूर करें एक्सप्लोर, बेहद कम पैसे में मिलेगा कीमती सामान

दिल्ली देश की वह जगह है जहां पर लोग शॉपिंग का अनोखा अनुभव लेते हैं। यहां की बंजारा मार्केट होम डेकोरेशन की चीजों के लिए काफी फेमस है। आज हम आपको बंजारा मार्केट की कुछ चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं

दिल्ली देश की वह जगह है जहां पर लोग शॉपिंग का अनोखा अनुभव लेते हैं। दिल्ली की हजारों जगह से आप कपड़ों के अलावा घर के सामान तक सबकुछ ले सकते हैं। जहां लाजपत मार्केट में कपड़ों से लेकर जूते तक मिलते हैं, तो वहीं जनपथ मार्केट में बढ़िया ऑक्सीडाइज ज्वेलरी मिलती है। वहीं सस्ती चीजों के मामले में दिल्ली की सरोजनी नगर मार्केट का कोई जवाब नहीं है। इसके साथ ही शादी की शॉपिंग के लिए चांदनी चौक बेस्ट है। बता दें कि होम डेकोरेशन के लिए गुरुग्राम की बंजारा मार्केट से बढ़िया अन्य कोई ऑप्शन नहीं है। यहां पर घर की साज-सज्जा वाली चीजों की दुकानें एक लाइन से हैं। इस मार्केट में आप कमरों से लेकर बाथरूम और किचन तक सब ले सकते हैं। लेकिन इस बंजारा मार्केट को लेकर कुछ चीजों के बारे में शायद आप नहीं जानते होंगे। ऐसे में अगर आप भी बंजारा मार्केट जाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बंजारा मार्केट की कुछ चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं।

साल 1990 में लगी थी ये मार्केट

राजस्थान के नोमाडिक ट्राइब लोहारों द्वारा साल 1990 में बंजारा मार्केट लगाई गई थी। यहां पर पहले छोटी-छोटी दुकानें हुआ करती थीं। हालांकि अब यह एक बड़े मार्केट में बदल चुकी है। होम डेकोरेशन के मामले में यह दिल्ली की सबसे पुरानी, शानदार और किफायती मार्केट है।

हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट के लिए फेमस

बंजारा मार्केट हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट ज्वेलरी के लिए काफी ज्यादा फेमस है। इस मार्केट से आप शानदार और बेहद सस्ते आइटम और ज्वेलरी ले सकती हैं। मार्केट के आइटम्स को देखकर यह कोई भी नहीं कह सकता है कि यह सामान बंजारा मार्केट जैसी छोटी मार्केट से लिया गया। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस मार्केट के हर दुकानदार की रोजाना आय 4 से 40 हजार के बीच होती है।

पूरे सप्ताह खुलती है मार्केट

इस मार्केट की सबसे अच्छी बात यह है कि सप्ताह के सातों दिन बंजारा मार्केट खुली रहती है। जिस कारण आप यहां कभी भी जा सकते हैं। खासतौर पर शुक्रवार और रविवार के दिन इस मार्केट में सबसे ज्यादा भीड़ होती है।

मिथक

बंजारा मार्केट के बारे में सबसे बड़ा मिथक यह है कि यह जगह घूमने के लिहाज से सुरक्षित नहीं है। लेकिन इस बात में सच्चाई नहीं है, क्योंकि इस मार्केट के लोग काफी हेल्पफुल है।

लोगों का मानना है कि बंजारा मार्केट में मिलने वाली हर चीज नकली और घटिया होती है। लेकिन बता दें कि यहां पर मिलने वाला हर प्रोडक्ट बढ़िया क्वालिटी का होता है। यहां पर कम कीमत में बेस्ट सामान मिलता है। कुछ लोगों का मानना है कि यह मार्केट सिर्फ पर्यटकों और विदेशी पर्यटकों के लिए है, लेकिन इसमें भी सच्चाई नहीं है। बहुत सारे लोगों का यह भी कहना होता है कि इस मार्केट के दुकानदारों ने प्राइस फिक्स किए हुए हैं। लेकिन यहां की अधिकतर दुकानों पर आप आसानी से बार्गेनिंग कर अपने पसंद का प्रोडक्ट खरीद सकते हैं। अगर आप भी बंजारा मार्केट जाना चाहते हैं, तो पीली लाइन से सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन के लिए मेट्रो लेनी पड़ेगी। फिर रैपिड मेट्रो के लिए इंटरचेंज कर सेक्टर 54 या 56 उतरें। यहां से इस मार्केट के लिए आप पैदल भी पहुंच सकते हैं या फिर ऑटो से भी जा सकते हैं।

भारत के सुंदर और टॉप 10 पर्यटन स्थल

भारत दुनिया भर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। भारत यात्रा का देश है जो पर्यटकों के लिए एक स्वर्ग है। दुनिया भर से पर्यटक भारत की मनोरम दृश्यावली, सांस्कृतिक विविधता, भौगोलिक विविधता और शांति की खोज में आते हैं। भारत में बहुत से सुंदर पर्यटन स्थल मौजूद है, जहां पर आप सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। भारत तेजी से विदेशी पर्यटकों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। हर वर्ष दुनिया के कोने कोने से पर्यटक भारत आते हैं और यहां की विविधता का आनंद लेते हैं। कभी त्योहार तो कभी किसी समारोह में आने वाले विदेशी पर्यटक यहां के रंग में रंग जाते हैं। हम आपको भारत के कुछ चुनिंदा शहरों के बारे में बता रहे हैं जहां आप आसानी घूम सकते हैं।

दिल्ली- देश के चार बड़े महानगरों में से एक राजधानी दिल्ली टॉप 10 पर्यटन स्थलों में सबसे ऊपर है। यहां पर गौरवशाली इतिहास बताने वाली इमारतें, स्मारक, किले, बगीचे तथा व्यस्ततम बाजार और सड़के है जो पूरे देश की छवि एक साथ बताते है। दिल्ली का लाल किला, कुतुबमिनार, जंतर-मंतर, संसद भवन, मुगल गार्डन, मेट्रो रेल, लोदी गार्डन, स्वामीनारायण अक्षरधारम मंदिर आदि मुख्य आकर्षण है जो पर्यटकों का मन मोह लेते है। यहां से देश के हर बड़े और छोटे शहर में जाने के लिए बस, रेल तथा हवाई जहाज यातायात की सुविधा है।

जयपुर- राजस्थान की राजधानी जयपुर देश के पर्यटन स्थलों में अपने प्राचीन तथा अद्भुद मध्यकालीन किलों, भवन निर्माण कला, झीलों तथा महलों के कारण दूसरे स्थान पर आता है। भारत का पेरिस कहलाने वाले इस बहुत ही खूबसूरत शहर को देश का पहला सुनियोजित शहर होने दर्जा प्राप्त है। जयपुर को पिंक सिटी भी कहा जा है। यहां के पर्यटन स्थलों में नाहरगढ़ किला, जयगढ़ किला जहां विश्व की सबसे बड़ी तोप है, पानी के बीचों बीच बना जलमहल, हवामहल, सिटी पलेस, भव्य आमेर किला, शिलामाता मंदिर, गलता तीर्थ, अल्बर्ट हॉल, रामनिवास बाग आदि प्रमुख है।

गोवा- समुद्र के किनारे बसे खूबसूरत शहर गोवा को भारत का मिनी यूरोप भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर हर यूरोपीयन संस्कृति के लोग रहते है। खुले समुद्र के किनारे की सैर काफी सुकून देता है। प्रसिद्ध समुद्र बीच अगोंडा तथा कावेलोसिम के साथ दूधसागर झरने का अपना अलग ही अंदाज है। देश की सारी संस्कृतियों को समेटे इस शहर में मंदिर, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारों के साथ और भी कई धर्मो के पूजास्थल है।

मुंबई- किसी जमाने मे बंबई शहर के नाम जानी जाने वाला मुंबई आज भारत की आर्थिक राजधानी तथा देश का सबसे बड़ा महानगर है। समुद्रकिनारे बसा यह शहर बॉलीवुड हस्तियों का मुख्य रैनबसेरा है। यहां पर कई समुद्र कई बीच है। आधुनिकता की चकाचौंध में नहाई मुंबई की गगनचुंबी ईमारते, लक्जरी हॉटले पूरे देश में मशहूर है। मरीन ड्राईव, होटल ताज, गेटवे आफ इंडिया, बांद्रा-वर्ली सी लिंक, महालक्ष्मी मंदिर, सिद्धिविनायक मंदिर आदि आकर्षण के केंद्र है।

आगरा- कई बादशाहों की पसंदीदा राजधानी रहा आगरा शहर का अपने रोमांटिक इतिहास के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहां का मुख्य आकर्षण यमुना नदी के किनारे बसा ताजमहल है जिसे मुगल सम्राट शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में बनाया था। प्रेम के प्रतीक इस स्मारक को देखने देशी-विदेश से लाखों पर्यटक आते हैं। इसके अलावा लाल किला, फतेहपुर सीकरी का बुलंद दरवाजा, मेहताब बाग, पंचमहल, मोती मस्जिद, अंगूरी बाग, शाह बुर्ज आदि आकर्षण के बड़े केंद्र है।

वाराणसी- पवित्र गंगा नदी किनारे बसी धार्मिक नगरी वाराणसी पूरे भारत अपना पूजनीय स्थान रखती है। इसे बनारस और काशी भी कहते हैं। इसे हिन्दू धर्म में सर्वाधिक पवित्र शहर माना जाता है। यहां पर हिंदू धर्म के कई देवी-देवताओं के साथ जैन तथा बौध प्राचीन मंदिर है। यहां का मुख्य आकर्षण गंगा पूजा, गंगा नदी, सारनाथ, दशाश्वमेघ घाट, अस्सी घाट, योग प्रशिक्षण केंद्र, बनारस घाट, काशी विश्वनाथ मंदिर, मानमंदिर घाट, संकट मोचन मंदिर आदि है।

बैंगलोर- भारत की सिलीकॉन सिटी और गार्डन सिटी के नाम मशहूर बैंगलोर को भारत की सूचना प्रौद्योगिकी की राजधानी कहते हैं। आधुनिकता के साथ-साथ यह शहर दक्षिण भारतीय प्राचीन सभ्यता को समेटे हुए है। यह बहुत ही खूबसूरत और साफ-सुथरे शहरों में गिना जाता है। यहां का बसवनगुडी बुल टेंपल, कब्बन पार्क, वंडरला एम्यूजमेंट पार्क, सूर्यनारायण मंदिर, इस्कोन हरे कृष्ण मंदिर, बंगलूरू पैलेस, शिव समुद्र झरना, बुल मंदिर, बान्नेरघट्टा नेशनल पार्क आदि प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है।

उदयपुर- झीलों की नगरी के नाम विश्व विख्यात उदयपुर राजस्थान का बहुत ही खूबसूरत प्राचीन शहर है। चारों ओर पहाड़ो से घिरा यह शहर अपनी अनोखी और विशाल प्राकृतिक छटा तथा मानव निर्मित झीलों के कारण मशहूर है। खूबसूरती के कारण उदयुपर को वेनिस ऑफ ईस्ट भी कहा है। यहां का मुख्य आकर्षण रणकपुर के जैन मंदिर, सिटी पैलेस, पिछोला झील, जयसमंद झील, फतेह सागर झील, कुंभलगढ़ किला, एकलिंगजी मंदिर, जग मंदिर, श्रीनाथ मंदिर, त्रिपुरा सुंदरी मंदिर आदि है।

गुड़गांव- राजधानी दिल्ली के नजदीक बसा गुड़गांव शहर भारत की आधुनिकता का प्रतीक भी है। यहां पर बहुत सारी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के कार्यालय है। मुख्य आकर्षण के रूप में शीतलामाता मंदिर, सुल्तानपुर राष्ट्रीय पक्षी अभ्यारण, बड़खल झील, किंगडम ऑफ ड्रीम्स, दमदम झील, आधुनिक होटल और मॉल्स है।

काच्चिच- केरल के तटवर्ती शहर कच्चि को अरब सागर की रानी कहा जाता है। अपने स्वादिष्ट मसालेदार भोजन और नारियल के पेड़ों के कारण प्रसिद्ध काच्चि भारत के मुख्य पर्यटन स्थलों में से एक है। समुद्र के किनारे बसे इस हरे-भरे शहर की प्राकृतिक सुंदरता अनोखी है। यहां एर्नाकुलाथाप्पन मंदिर (शिव मंदिर), चर्च ऑफ सेंट फ्रांसिस, चेराई बीच, वास्कोडिगामा स्क्वायर, गुरूद्धारा श्री गुरूसिंह सभा, डच महल, बोलघट्टी महल, हिल महल, मरीन ड्राइव, कांजिरामट्टम मस्जिद आदि प्रसिद्ध और देखने लायक स्थल है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ ईडी का एक्शन

नईदिल्ली। जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किले बढ़ गई है। गुरुवार को कोर्ट में सुनवाई के बाद भी केजरीवाल को राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। सूचना मिली है कि प्रवर्तन निदेशालय शुक्रवार, 10 मई को उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर कर सकता है। इस चार्जशीट में केजरीवाल को किंगपिन के रूप में दिखाया जाने की तैयारी है क्योंकि ईडी ने अपनी जांच में केजरीवाल को मुख्य आरोपी पाया है। दरअसल, दिल्ली आबकारी नीति मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। तब से लेकर आज तक केजरीवाल जेल में बंद हैं। आप नेता के जेल में बंद होने से उनकी पार्टी शुरुआत से विरोध जता रही है और बीजेपी की केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगा रही है।

दुष्यंत चौटाला ने विधानसभा में शक्ति परीक्षण की मांग की

चंडीगढ़। हरियाणा में राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है।जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के नेता और भाजपा के पूर्व सहयोगी दुष्यंत चौटाला ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को पत्र लिखकर राज्य विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए वर्तमान हरियाणा सरकार के लिए फ्लोर टेस्ट की मांग की। यह घटनाक्रम तीन निर्दलीय विधायकों द्वारा कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन देने का वादा करते हुए भाजपा सरकार से अपना समर्थन वापस लेने के ठीक दो दिन बाद आया है। अपने पत्र में उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया है कि सरकार को बहुमत साबित करने के लिए तुरंत फ्लोर टेस्ट बुलाया जाए और अगर सरकार ऐसा करने में विफल रहती है तो राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। विकास और पार्टी के स्पष्ट रुख को देखते हुए, यानी, जेजेपी, जो वर्तमान सरकार को अपना समर्थन नहीं देती है और सरकार बनाने के लिए किसी भी अन्य राजनीतिक दल को समर्थन देने के लिए तैयार है, यह स्पष्ट है कि मौजूदा सरकार के पास अब कोई कमान नहीं है।

'आप' के लिए 11 मई को प्रचार करेंगे भगवंत मान

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान आप उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के लिए 11 मई को पूर्वी और दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्रों में रोड शो करेंगे। दिल्ली में सात चरण के चुनाव के छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा। वोटों की गिनती 4 जून को होगी। मान कुलदीप कुमार और सहीराम पहलवान के लिए वोट मांगेंगे, जिन्हें पूर्वी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। सहीराम इस समय तुगलकाबाद सीट से विधायक हैं। 1993 में राजनीति में प्रवेश करने वाले सहीराम कांग्रेस और बसपा से चुनाव लड़ चुके हैं। राष्ट्रीय राजधानी की सात लोकसभा सीट के लिए चुनाव के छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा। 'आप' पूर्वी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और नयी दिल्ली से चुनाव लड़ रही है, वहीं कांग्रेस उत्तर-पूर्वी दिल्ली, उत्तर-पश्चिम दिल्ली और चांदनी चौक से चुनाव लड़ रही है।

संदेशखाली स्टिंग मामले में चुनाव आयोग जाएगी टीएमसी

कोलकाता। संदेशखाली के स्टिंग वीडियो मामले में टीएमसी भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत करने की तैयारी कर रही है। संदेशखाली के स्टिंग वीडियो में एक नेता ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि संदेशखाली की साजिश शुभेंदु अधिकारी ने रची थी और महिलाओं से दुष्कर्म के आरोप मनगढ़ंत थे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एक कथित वीडियो सामने आया है, जिसमें संदेशखाली में भाजपा मंडल अध्यक्ष गंगाधर कायल होने का दावा करने वाले व्यक्ति ने बताया कि संदेशखाली की पूरी साजिश के पीछे पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी शामिल हैं। एक मीडिया चैनल द्वारा यह स्टिंग ऑपरेशन किया गया था। इस वीडियो में कायल को कहते हुए सुना जा सकता है कि संदेशखाली में यौन उत्पीड़न की शिकायतें शुभेंदु अधिकारी के कहने पर दर्ज की गईं। वीडियो के सामने आने के बाद टीएमसी भाजपा पर हमलावर है।

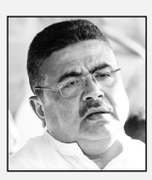

भाजपा केवल धर्म के नाम पर चुनाव लड़ना चाहती है : महबूबा

श्रीनगर। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जो देश में हो रहा है उससे सीधे पता चलता है कि चुनाव के तीन चरणों के बाद भाजपा हार रही है। जनता पहचान गई है कि भाजपा केवल धर्म के नाम पर चुनाव लड़ना चाहती है। इसलिए वे (भाजपा) हिंदू-मुसलिम का झगड़ा करवाना चाहते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि अब लोग जाग गए हैं। अगर ये लोग फिर से सरकार में आए तो ये संविधान को खत्म करेंगे। कांग्रेस अक्सर ये आरोप लगाती आई है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वास्तविक मंशा संविधान को बदलना तथा आरक्षण खत्म करना है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी पार्टी के नेता लोकसभा चुनाव में जनता से उन्हें 400 से अधिक सीट जिताने के लिए कह रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी को लेकर भी उन पर निशाना साधा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो उच्चतम न्यायालय के राम मंदिर से संबंधित फैसले को पलट दिया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने तेलंगाना के भोंगिर में कांग्रेस और बीआरएस पर जमकर बरसे

पीएम मोदी की 'भारतीय गारंटी' और राहुल गांधी की 'चीनी गारंटी' के बीच है चुनाव : अमित शाह

हैदराबाद। जोर-शोर से चल रहे चुनाव प्रचार के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि इन लोकसभा चुनावों में लड़ाई वोट फॉर जिहाद और वोट फॉर विकास के बीच है। केंद्रीय मंत्री भोंगिर में तेलंगाना के लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे यहां तेलंगाना में उपस्थित होकर खुशी हो रही है... मैं आप सभी का हृदय से स्वागत करता हूं। आज हमारा देश लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव का गवाह बन रहा है। यहां आगामी चुनाव वोट फॉर जिहाद और वोट फॉर विकास मिशन के बीच लड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं।

शाह ने कहा कि आगामी चुनाव राहुल गांधी की चीनी गारंटी और मोदी जी की भारतीय गारंटी के बीच लड़ाई का प्रतिनिधित्व करते हैं। मैं जहां भी जाता हूं, मुझे केवल मोदी, मोदी... की गूंज सुनाई देती है। तेलंगाना ने कमल को चुनने का फैसला किया है, और उसका प्यार और आशीर्वाद इस बार हमें 400 के पार ले जाएगा! उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने 2019 में हमें 4 सीटों का आशीर्वाद दिया। और इस बार, मुझे यकीन है कि हम तेलंगाना में 10+ सीटें जीतने जा रहे हैं। तेलंगाना का यह डबल-डिजिट स्कोर निश्चित रूप से मोदी जी को 400 के पार पहुंचा देगा।

भाजपा नेता ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है कि तेलंगाना और राजस्थान के लोगों को कश्मीर से कोई लेना-देना नहीं है। दुर्भाग्य से, वह नहीं जानते कि यहां के लोग कश्मीर के लिए अपनी जान भी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाना मोदी जी द्वारा लिया गया एक ऐतिहासिक निर्णय है, और भारत के लोग इस निर्णय के लिए आभारी भी हैं और गर्व भी करते हैं। मोदी जी ने भोंगिर के कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बहुत प्रयास किये हैं। मोदी की कपड़ा नीति बिल्कुल स्पष्ट है. इसका उद्देश्य खेत से फाइबर, फाइबर से फैक्ट्री, फैक्ट्री से फैशन और फैशन से निर्यात तक के चैनलों को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि बीआरएस तेलंगाना में विकास

सुनिश्चित करने के वादे के साथ सत्ता में आई, लेकिन उसने केवल भ्रष्टाचार किया। आपने रेवंत रेड्डी को 5 साल दिए और उन्होंने तेलंगाना को कांग्रेस पार्टी के लिए एटीएम में बदलने के अलावा कुछ नहीं किया। हमें तेलंगाना में 10+ सीटों का आशीर्वाद दें, और हम इसे भारत का नंबर-1 राज्य बना देंगे।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, कांग्रेस झूठ बोलकर चुनाव लड़ना चाहती है। कांग्रेस कहती है कि अगर नरेंद्र मोदी एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे तो आरक्षण खत्म कर देंगे। पीएम मोदी पिछले 10 साल से इस देश का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आरक्षण खत्म नहीं किया। शाह ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, पार्टी ने मुसलमानों को 4% आरक्षण देकर एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण लूट लिया है। अगर आप बीजेपी को जिताएंगे तो हम एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण बढ़ा देंगे।

कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को 'तुष्टीकरण की तिकड़ी' बताते हुए शाह ने कहा कि ये दल राम नवमी जुलूस नहीं निकालने देते और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का विरोध भी करते हैं। उन्होंने कहा, ये लोग हैदराबाद मुक्ति दिवस (17 सितंबर) नहीं मनाने देते। ये लोग सीएए का विरोध करते हैं। ये लोग तेलंगाना को शरिया और कुरान के आधार पर चलाना चाहते हैं।

चमड़ी के आधार पर भारत को बांटने की बात कर रहे राहुल के सिपहसालार : नड्डा

भोपाल। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मध्य प्रदेश के चित्रकूट में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि10 साल पहले भारत के सामान्य व्यक्ति के मन में घर कर चुका था कि अब कुछ बदलने वाला नहीं है। ये तो ऐसे ही चलेगा। राजनीति तो ऐसे ही होती है। यहां तो सब बेईमान हैं... साधारण आदमी के मन में राजनीति को लेकर ये विचार बन गए लेकिन पीएम मोदी के आने के बाद भारत की राजनीति में सब कुछ बदल सकता है... 10 साल पहले राजनीति का अर्थ क्या होता था?... वोट बैंक की राजनीति, तुष्टीकरण, भाई को भाई से लड़ाओ, जाति को जाति से लड़ाओ। लेकिन पीएम मोदी ने 10 साल में विकासवाद की राजनीति को आगे बढ़ाया और मंत्र रखा, सबका साथ सबका विकास। राहुल गांधी के एक सिपहसालार और सलाहकार ने चमड़ी के आधार पर भारत को बांटने की बात की है। ऐसे लोग भारत की संस्कृति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। आजकल राहुल गांधी संविधान की कॉपी लेकर घूम रहे हैं। संविधान में बाबा साहेब अंबेडकर ने लिखा है कि धर्म के नाम पर नहीं होगा। जबकि कांग्रेस हमारे दलित, आदिवासी, पिछड़े और अतिपिछड़ा भाइयों के अधिकार पर डाका डालकर धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। ये घमंडिया गठबंधन केवल दो बातों का गठबंधन है। मोदी जी कहते हैं- भ्रष्टाचारी हटाओ, घमंडिया गठबंधन वाले कहते हैं- भ्रष्टाचारियों को बचाओ। ये घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा है। ये सब परिवारवादी लोग हैं। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में अब चित्रकूट को भी शामिल कर लिया गया है। इसके यहां आने से चित्रकूट और बांदा की तस्वीर बदल जाएगी और यहां के नौजवानों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। एक समय उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य था। लेकिन आज मोदी और योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में आकर खड़ा हो गया है।

सैम पित्रोदा की नस्लीय टिप्पणी पर भड़के रॉबर्ट वाड्रा

अमेठी। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के पूर्व चेयरमैन सैम पित्रोदा की नस्ली टिप्पणी पर घमासान मचा है। विरासत विवाद के बाद एक अंग्रेजी अखबार को दिए इंटरव्यू में सैम ने नया विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा था कि भारत में पूर्व के लोग चीनी जैसे लगते हैं तो दक्षिण में लोग अफ्रीकी लगते हैं। वहीं पश्चिम में लोग अरबी लगते हैं और उत्तर भारतीय गोरे होते हैं।

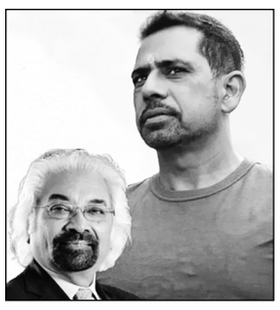

जब बयान ने तूल पकड़ा तो उन्हें कांग्रेस से इस्तीफा देना पड़ा। अब उनके बयान पर प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इसी कड़ी में रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि जब आप इस (गांधी) परिवार से जुड़े होते हैं, तो बड़ी ताकत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है, आपको कोई भी कदम उठाने से पहले सोचना होगा। सैम पित्रोदा ने जो कहा है, उससे मैं बिल्कुल असहमत हूं। उन्होंने बकवास की बात की है। जो व्यक्ति इतना पढ़ा-लिखा हो वह ऐसा कैसे कह सकता है? वे राजीव गांधी के बहुत करीबी थे लेकिन उन्हें थोड़ा जिम्मेदार होना चाहिए। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा प्रयास कर रहे हैं लेकिन उनके एक बयान से भाजपा को अनावश्यक मुद्दे उठाने का मौका मिल गया। वहीं, वाड्रा ने कहा कि मैं किसी को जवाब देने के लिए राजनीति में नहीं आना चाहता। मैं देश के लोगों की सेवा करना चाहता हूं, इसलिए शायद यह राज्यसभा के माध्यम से हो। मैं देश भर के लोगों के लिए काम करता रहूंगा और अमेठी, रायबरेली और मुरादाबाद की यात्रा करूंगा क्योंकि उनका आशीर्वाद पाकर मुझे बहुत खुशी होती है। इसलिए मैं निश्चित रूप से कुछ समय बाद सक्रिय राजनीति में शामिल हो जाऊंगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच कुछ गलतफहमी है, रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, कभी नहीं। मैंने उनके बीच किसी भी तरह का कोई मुद्दा नहीं देखा है। अगर उनके पास किसी तरह का तर्क है, तो यह स्वस्थ तर्क है कि हम देश के लिए कुछ बेहतर कैसे कर सकते हैं। कोई भी पद और कोई भी शक्ति उनके या मेरे बीच किसी भी तरह की गतिशीलता को नहीं बदल सकती है। लोगों ने माना कि मैं बहुत परेशान था क्योंकि मुझे अमेठी से लड़ने का मौका नहीं मिला। मेरे लिए इसका कोई मतलब नहीं है। मुझे परिवार में किसी भी व्यक्ति के बीच किसी भी तरह का कोई मुद्दा नहीं दिखता। हम पूरे देश के लिए मिलकर काम करेंगे।

रॉबर्ट वाड्रा चुनाव क्यों नहीं लड़ेंगे, इसके जवाब में रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, मैं खुश हूं कि केएल शर्मा अमेठी से और राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं। मैं काफी लोगों से मिलता हूं। और जहां भी मैं गया हूं लोगों को लगता है कि मुझे सक्रिय राजनीति में आना चाहिए। हमने काफी मेहनत की और 2004 में हम सोनिया गांधी को अमेठी से जीता कर लाए तब से लोगों ने हमें बहुत प्यार, इज्जत दी।

मैं गांधी परिवार का सदस्य हूं और दुनिया से लोग आते हैं तो उनकी इच्छा होती है कि वे हमसे मिले। मैं बराक ओबामा, नेल्सन मंडेला से भी मिला हूं तो लोग उनके साथ भी आरोप लगा सकते हैं। आपके बारे में भी हमारे पास कई जानकारी होती है लेकिन हमने कभी इसे सार्वजनिक नहीं की, क्योंकि मैं महिलाओं के बारे में कभी कुछ नहीं कहता हूं। मैंने(स्मृति ईरानी) उनसे कहा कि अडानी को लेकर मेरे खिलाफ कुछ भी साबित करें लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत के बारे में रॉबर्ट वाड्रा कहते हैं, राजनीति में कौन आना चाहेगा जब आपको यह नहीं पता कि देश का पहला प्रधानमंत्री कौन था? तुलना खुद ही सामने आ रही है। अगर आप दोनों पार्टियों की तुलना करेंगे तो आपके पास ऐसा उम्मीदवार कैसे हो सकता है जो यह नहीं जानता कि पहला प्रधानमंत्री कौन था।

खेल
प्रमुख समाचार

गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स का मुकाबला आज

नईदिल्ली। चोटों और अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के कारण प्रमुख खिलाड़ियों के बाहर रहने के बावजूद चेन्नई सुपर किंग्स शुक्रवार को आईपीएल के 12वें दौर के मुकाबले में गुजरात टाइटंस को हराकर प्लेआफ का अपना दावा पुख्ता करने के इरादे से उतरेगी। चेन्नई के 11 मैचों में 12 अंक है और गुजरात पर जीत उसके लिये बहुत महत्वपूर्ण होगी क्योंकि प्लेआफ में उसकी जगह अभी भी पक्की नहीं है और एक हार उस पर भारी पड़ सकती है। दीपक चाहर और मथीषा पथिराना चोटों के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं जबकि मुस्ताफिजूर रहमान बांग्लादेश के लिये खेलने चले गए हैं। अब चेन्नई के तीनों स्पिनरों रविंद्र जडेजा, मिशेल सेंटनेर और मोईन अली पर आक्रमण का दारोमदार होगा। चेन्नई ने धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ जिस तरह 167 रन बनाने के बाद मैच जीता, उससे प्रशंसकों की उम्मीदें बंधी होगी। गुजरात को हराकर चेन्नई अंकतालिका में सनराइजर्स हैदराबाद से ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच जायेगी। अभी तक जिन तीन टीमों के 12 अंक हैं, उनमें चेन्नई (प्लस 0 . 700) का रनरेट सबसे अच्छा है। गुजरात के 14 अंक हैं और वह दौड़ से पूरी तरह बाहर नहीं है लेकिन शुभमन गिल की टीम के लिये आगे का सफर काफी कठिन है। पिछले पांच मैचों में सिर्फ एक जीत दर्ज कर सकी टीम का मनोबल गिरा है। मोहम्मद शमी की गैर मौजूदगी में गेंदबाजी में धार नजर नहीं आ रही। वहीं गिल खुद पिछले पांच में से तीन मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सके और उनका सर्वोच्च स्कोर 35 रहा है। साई सुदर्शन, शाहरूख खान और डेविड मिलर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। गेंदबाजों में मोहित शर्मा और जोश लिटिल महंगे साबित हुए हैं। नई गेंद के गेंदबाजों से मदद नहीं मिलने से अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान और नूर अहमद भी उतने प्रभावी नहीं रहे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 1,062 अंक टूटा निफ्टी 22 हजार से नीचे

नईदिल्ली। FII की लगातार बिकवाली ने गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में तेजी की कमर तोड़ दी। दोनों बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई। सेंसेक्स 1000 से ज्यादा अंकों का गोता लगाकर 73,000 के स्तर से नीचे आ गया। निफ्टी भी 22,000 के लेवल से नीचे आ गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1062.22 अंक यानी 1.45 फीसदी की भारी गिरावट के साथ 72,404.17 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 72,334.18 और 73,499.49 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 345.00 अंक यानी 1.55 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 21,957.50 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 21,932.40 और 22,307.75 के रेंज में कारोबार हुआ।

फिच ने दो बैंकों की रेटिंग 'बीबी+' पर रखी बरकरार

नईदिल्ली। फिच रेटिंग्स ने एक्सिस बैंक और आईसीआईसी बैंक की रेटिंग 'बीबी+' पर बरकरार रखी है। एजेंसी ने रेटिंग की घोषणा करते हुए इन बैंक में सहायक परिचालन परिवेश और इनके व्यापक घरेलू फ्रेंचाइजी होने का हवाला दिया। वैश्विक एजेंसी ने दो अलग-अलग बयान में भारत स्थित एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक की दीर्घकालिक जारीकर्ता डिफ़ॉल्ट रेटिंग (आईडीआर) को 'बीबी+' पर बरकरार रखा है। बैंकों की सरकारी सहायता रेटिंग (जीएसआर) को 'बीबी+' तथा व्यवहार्यता रेटिंग (वीआर) को 'बीबी' पर बरकरार रखा गया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत की मध्यम अवधि में मजबूत वृद्धि क्षमता के कारण उसे परिचालन परिवेश के सहायक होने की उम्मीद है। निवेश संभावनाओं के दम पर 2024 में जीडीपी वृद्धि सात प्रतिशत और 2025 में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

जेपी मॉर्गन के इंडेक्स में शामिल होंगे भारतीय बॉन्ड

नईदिल्ली। जेपी मॉर्गन चेज़ एंड कंपनी के बॉन्ड इंडेक्स में भारत के शामिल होने से देश के प्राइवेट क्रेडिट बाजारों को बढ़ावा मिलेगा। क्योंकि निवेश के लिए बेंचमार्क प्रदान करके भारत ज्यादा फंड के फ्लो का आकर्षित कर सकता है। समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में बीपीईए क्रेडिट ने यह अनुमान जताया है। बीपीईए क्रेडिट के प्रमुख ने कहा, यह समावेश देश के 1.2 ट्रिलियन डॉलर के सरकारी ऋण बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जिसमें अन्य परिसंपत्ति वर्गों पर भी प्रभाव पड़ेगा। एक बार 28 जून को परिवर्तन प्रभावी हो जाएगा, तो सिंगापुर, कोरिया या अमेरिका में निवेश के साथ भारतीय क्रेडिट फंड के प्रदर्शन की तुलना करना आसान हो जाएगा। कंचन जैन ने ब्लूमबर्ग को बताया, यह उन विदेशी निवेशकों के लिए एक संदर्भ बिंदु देता है जो सॉवरेन और कॉरपोरेट बॉन्ड और अन्य परिसंपत्ति वर्गों दोनों को देखते हैं।

एचपीसीएल का नेट प्रॉफिट चौथी तिमाही में 25% गिरा

नईदिल्ली। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के अपने नतीजों का ऐलान कर दिया। कंपनी ने कम रिफाइनिंग मार्जिन के कारण अपने मार्च तिमाही के नेट प्रॉफिट में 25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। कंपनी ने प्रत्येक दो शेयर पर एक बोनस शेयर देने की भी घोषणा की। कंपनी की स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 2,709.31 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में 3,608.32 करोड़ रुपये था। कंपनी ने जनवरी-मार्च तिमाही में प्रत्येक बैरल कच्चे तेल को ईंधन में बदलने पर 6.93 अमेरिकी डॉलर कमाए, जबकि पिछली तिमाही में प्रति बैरल 8.50 अमेरिकी डॉलर का रिफाइनिंग मार्जिन था।

भारत के रिकॉर्ड निर्यात परिदृश्य पर नई चुनौतियां

डॉ. जयंती लाल भण्डारी

यह कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले दो वर्षों से रूस-यूक्रेन युद्ध और भू-राजनीतिक चुनौतियों के कारण लाल सागर व्यवधान, पनामा रूट पर आवागमन मुश्किलों, घटते हुए वैश्विक व्यापार और घटते हुए वैश्विक निर्यात के बीच भारत से लगातार रिकॉर्ड निर्यात हुए हैं। लेकिन अब भीषण होते हुए इजराइल-ईरान टकराव से गहराती हुई नई वैश्विक व्यापार चुनौतियों के बीच भारत को निर्यात बढ़ाने व आयात घटाने की विशेष रणनीति के साथ आगे आना होगा।

खासतौर से हाल ही में 28 अप्रैल को प्रकाशित आर्थिक टैंक ग्लोबल ट्रेड एंड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के वस्तु आयात में चीन की जो हिस्सेदारी बढ़कर 30 फीसदी के चिंताजनक स्तर पर पहुंचते हुए 101 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच गई है, उसे आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियानों से नियंत्रित करना होगा।

गौरतलब है कि हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारत से माल एवं सेवाओं का कुल निर्यात 776.68 अरब डॉलर रहा, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 776.40 अरब डॉलर रहा था। ऐसे में गत वित्त वर्ष में सेवा निर्यात 3.5 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ 339.62 अरब डॉलर का रहा, जबकि वस्तु निर्यात 3.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 437.06 अरब डॉलर रहा। जहां पिछले वर्ष में कुल आयात 854.80 अरब डॉलर का रहा, वहीं वर्ष 22-23 में कुल आयात 898 अरब डॉलर मूल्य का रहा था। ऐसे में पिछले वर्ष आयात में कमी से कुल व्यापार घाटे में 36 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। पिछले वर्ष में आयात

में गिरावट की बड़ी वजह तेल का कम आयात था। कच्चे तेल की कीमतें कम रहने से बीते वर्ष में तेल के आयात पर करीब 16 फीसदी कम खर्च हुआ।

निश्चित रूप से बीते कुछ वर्षों में भारत के निर्यात का एक चमकदार पहलू सेवा निर्यात है। भारत डिजिटल माध्यम से मुहैया कराई गई सेवाओं के निर्यात में वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। डिजिटल माध्यम से सेवा निर्यात के तहत कम्प्यूटर नेटवर्क का इस्तेमाल कर शिक्षा, मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन, गेमिंग, मनोरंजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि के लिए दक्ष ऑपरेटर, कुशल प्रोग्रामर और कोडिंग विशेषज्ञ द्वारा दी जाने वाली सेवाएं शामिल हैं। भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के कारण भी सेवा निर्यात बढ़ रहा है। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि युद्ध जनित आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत के लिए वैश्विक व्यापार और निर्यात बढ़ाने हेतु मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की अहमियत और बढ़ गई है। भारत ने अब तक तीन एफटीए किए हैं। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मई 2022 में लागू द्विपक्षीय कारोबार में पिछले दो वर्षों में 15 फीसदी की बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। यूएई भारत का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य, तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार और चौथा सबसे बड़ा निवेशक देश है। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया के साथ भी हुए एफटीए से भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ा है। निश्चित रूप से जिस तरह से ईरान-इजराइल के बीच टकराव और दुनिया में भू राजनीतिक मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं, उससे कच्चे तेल के दाम के साथ-साथ आपूर्ति संकट बढ़ने की चिंताएं मुंह बाए खड़ी हैं। इससे भारत के वैश्विक व्यापार व निर्यात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में भारत को निर्यात बढ़ाने व चीन से आयात घटाने की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। देश में उच्च ब्याज दरों और मांग में कमी के कारण निर्यात के मोर्चे पर जूझ रहे छोटे निर्यातकों को कम ब्याज दरों पर ऋण मुहैया कराने व बैंक को इसके बदले सरकार से मुआवजा दिए जाने के लिए लागू की गई इंटरेस्ट इक्वलाइजेशन स्कीम (आईईएस) की जो अवधि 30 जून 2024 को समाप्त हो रही है, उसे एक वर्ष के लिए और आगे बढ़ाया जाना लाभप्रद होगा।

भाजपा 2047 तक विकसित भारत की कल्पना कर रही हैः शर्मा

राम मंदिर बनने के बाद देशवासियों का स्वाभिमान संतुष्ट हुआ और उनकी भावनाओं को उचित स्थान मिला है

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री/गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सलाहकार सैम पित्रोदा ने चमड़ी के आधार पर भारतीयों को गाली दी है। श्री शर्मा ने कहा कि नाम से भले ही वह सैम पित्रोदा हों, पर नस्ल और रंग भेद को लेकर उनके ताजा बयान के बाद उन्हें शेम पित्रोदा नाम से देश जानेगा। श्री शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की कई घटनाएं हैं जिसमें कांग्रेस पार्टी जुड़ी हुई है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के किसी हिडन एजेंडा को आगे लाने के लिए उनको बोलना होता है। शायद कांग्रेस पार्टी टेस्टिंग करती है कि इस पर क्या प्रतिक्रिया आ रही है? पित्रोदा द्वारा दिए गए बयान ने एक बार फिर भारत के नेता महात्मा गांधी के साथ हुए साउथ अफ्रीका में भेदभाव की घटना को याद दिला दिया है। गुरुवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि महात्मा गांधी को इसलिए ट्रेन से उतार दिया गया था, क्योंकि उनका चमड़ी का रंग अलग था। हम सभी भारतीयों को इस बात को समझना होगा। श्री शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 2047 तक विकसित भारत की कल्पना कर रही है और इस कल्पना में है कि कैसे देश को आगे बढ़ाया जाए? भारत देश को समूचे विश्व के मानचित्र में सबसे ऊंचा बिठाया जाए, सशक्त भारत बनकर सामने आए और वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी है जो नस्ली भेद के आधार पर राजनीति करना चाहती है। कांग्रेस भारत को अलग-अलग दिशाओं में बाँटकर बात करती है। कांग्रेस पार्टी को यह कहीं नहीं दिखता कि उत्तर से दक्षिण तक भारत एक है और हम सब भारतीय हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि भारत उत्तर पूर्व से कितना जुड़ा हुआ है, इसका वर्णन महाभारत काल में भी है। आज के युग में इस तरह की बातें करना और इस पर तर्क देना बेमानी है। इसकी कतई आवश्यकता नहीं है। श्री शर्मा ने कहा कि पित्रोदा ने जो कहा है उसके लिए उन्हें देश से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी में अभी इस्तीफा देने और निष्कासित करने का स्वांग चल रहा है। कांग्रेस को सैम पित्रोदा का आजीवन निष्कासन करना चाहिए। इससे कम कुछ नहीं हो सकता। भारतीय जनमानस कांग्रेस पार्टी को कभी माफ करने वाली नहीं है। श्री शर्मा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि वह एक्सीडेंटल हिंदू हैं। इसका क्या मतलब हो सकता है? पंडित नेहरू को हिंदू होना पसंद नहीं था? उन्हें कुछ और होना पसंद था। कांग्रेस पार्टी ने राम मंदिर के मामले को लेकर भी कहा था कि भगवान श्री राम काल्पनिक हैं। राम मंदिर एवं भगवान श्री राम के विषय पर पित्रोदा ने कहा था कि राम मंदिर और रामनवमी इन बातों से उनका कोई सरोकार नहीं है। यह सब उन्हें पीड़ा देती है और परेशान करती है। कोई व्यक्ति हैं जिन्हें बड़ा बंगला और बड़ी गाड़ी दे दो, अच्छे कपड़े, अच्छा भोजन और हर महीने लाखों रुपए दे दो और कहो कि चौराहे पर जूते मारेंगे तो क्या वह व्यक्ति स्वीकार करेगा? श्री शर्मा ने कहा कि सिर्फ रोटी कपड़ा मकान ही सब कुछ नहीं होता, स्वाभिमान भी व्यक्ति का जीवन होता है। व्यक्ति का विचार और परस्पर सहयोग भी जीवन होता है। बाबर ने आकर भगवान श्री राम के मंदिर को तोड़ा था। भगवान राम की गांव-गांव गली गली में पूजा होती थी, लेकिन उनका कोई उचित स्थान नहीं था। हमारी भावनाओं को कोई उचित स्थान नहीं मिला था। राम मंदिर बनने के बाद देशवासियों का स्वाभिमान संतुष्ट हुआ है हिंदुओं के भावनाओं को उचित स्थान मिला है। भगवान राम की आलोचना करने वाले पित्रोदा ने नस्ल भेद को लेकर जो कहा गया है, वह निंदनीय है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सैम पित्रोदा ने अमेरिका की तर्ज पर भारत में भी विरासत टैक्स लगाने की बात कही है। भारत में लोग अपने पिता को पितृपक्ष में याद करके उन्हें पीढ़ी-दर-पीढ़ी याद करते हैं। जिन्होंने अपनी मेहनत से पैसा कमाया है, उनके पैसे को विरासत टैक्स लगाकर ऐसे लोगों को नहीं देना चाहिए जिनके अधिक बच्चे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि भारत सबके सहयोग से आगे बढ़े, यह हम सभी चाहते हैं। कांग्रेस पार्टी मोहब्बत की दुकान खोलकर नफरत फैलाने का सामान बेच रही है। दक्षिण भारत में भी किसी व्यक्ति ने अलग देश बनाने की बात कही है, उसे कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी बनाया है। जो लोग जेएनयू में भारत विरोधी नारे लगाते हैं, वे लोग भी कांग्रेस में जाकर शरण लेते हैं। हेमंत करकरे जो शहीद हुए, उनके बारे में भी पित्रोदा ने कहा था कि वह कसाब की गोली से नहीं मरे। इसे स्पष्ट होता है कि स्वयं पित्रोदा ने कई बार देश विरोधी शब्दों का प्रयोग किया है। भारतीय सेना द्वारा की गई सर्जिकल व एयर स्ट्राइक पर भी कांग्रेस पार्टी ने सवाल खड़ा किया था। पाकिस्तान के लोग मान रहे हैं कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक हुआ है लेकिन कांग्रेस पार्टी यह मान नहीं रही है। वह सबूत मांग रही है जबकि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान स्वयं कह रहे हैं कि उनके यहां बहुत ही खतरनाक सर्जिकल और एयर स्ट्राइक हुई है। श्री शर्मा ने कहा कि कांकेर में भी जब भारतीय सेना के जवानों ने 29 नक्सलियों को मार गिराया तो भूपेश बघेल इस घटना को फर्जी बताने लगे, जबकि 18 अप्रैल को नक्सलियों ने इस बात की सूची जारी कर स्वयं कहा था कि उनके 29 नक्सली मारे गए हैं। कांग्रेस और पित्रोदा तक सब ऐसे ही शब्दों का प्रयोग करते हैं। श्री शर्मा ने पित्रोदा द्वारा की गई नस्लीय टिप्पणी की निंदा की है और कांग्रेस से पित्रोदा को आजीवन निष्कासित करने की मांग की है। इस दौरान पत्रकार वार्ता में प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता दीपक म्हस्के, नलिनीश ठोकने, और ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुनील चैधरी मौजूद थे।

नवीन ने ओडिशा के विकास के लिए नवीन कुछ नहीं किया :साय

आदिवासियों का कल्याण सिर्फ भाजपा सरकार कर सकती है: साय

रायपुर/कोरापुट। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को ओडिशा के लक्ष्मीपुर में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, यह लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार देश की बागडोर सौंपने का चुनाव है। मोदी जी गरीब परिवार से आते हैं, इसलिए गरीबों की पीड़ा उन्हें पता है। मोदी जी 18 घंटे काम करते हैं। गरीबों को गैस सिलेंडर देने, घर बनाने, स्वच्छ पानी, उपचार की सुविधा, खाता खुलवाने से लेकर स्वच्छता शौचालय बनवाने का काम मोदीजी की सोच से संभव हुआ है। जम्मू एवं कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त करने के साथ देश को आतंकवाद से मुक्ति दिलाने का काम पिछले दस साल में हुआ है।

श्री साय ने कहा कि ओडिशा में खनिज और वन संपदा की कोई कमी नहीं है लेकिन फिर भी यहां गरीबों का जैसा कल्याण होना चाहिए वह नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि ओडिशा में भी डबल इंजन की सरकार बनानी होगी। यदि यहां राज्य में भी भाजपा की सरकार बनती है तो केंद्र सरकार की सभी योजनाएं अच्छे से क्रियान्वित होंगी।

सीएम साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार होने से काफी लाभ होता है। छत्तीसगढ़ में 15 साल भाजपा की सरकार थी, लेकिन पांच साल के लिए कांग्रेस ने सत्ता संभाली तो भ्रष्टाचार को जमकर बढ़ावा मिला। तीन महीने पहले आई भाजपा सरकार ने एक बार फिर विकास कार्यों को गति दे रही है। डबल इंजन की सरकार ने किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं।

उन्होंने विशाल विजय संकल्प रैली में पहुंचे लोगों से आह्वान किया कि 13 मई को लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को आशीर्वाद प्रदान करें। डबल इंजन की सरकार बनाएं।

ख़राब मौसम के बावजूद सभा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ख़राब मौसम के बाद भी सभा लेने पहुंचे। उन्होंने कहा कि ख़राब मौसम के कारण मौसम विभाग हेलीकॉप्टर उड़ाने की अनुमति नहीं दे रहा था। लेकिन सब कुछ भगवान जगन्नाथ पर छोड़कर वे यहाँ पहुंचे। श्री साय ने डेढ़-दो घंटे विलम्ब होने पर जनता से माफ़ी भी मांगी। जनसभा में लोकसभा भाजपा प्रत्याशी कालेराम माझी, लक्ष्मीपुर विधानसभा के प्रत्याशी कैलाश कुलसिका, छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप तथा विधायक पुरंदर मिश्रा भी उपस्थित रहे।

ओडिशा के मतदाताओं के पास डबल इंजन की सरकार चुनने का सुनहरा अवसर : किरण देव

रायगड़ा। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव ने गुरुवार को ओडिशा के रायगड़ा जिले के गुनपुर में प्रबंधन समिति की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से वर्तमान कार्यस्थिति की जानकारी ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने भुलुनसुंडा ग्राम में ग्रामवासियों के बीच उपस्थित होकर स्थानीय पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने मोदी सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। प्रदेश अध्यक्ष ने इस अवसर पर लोगों से लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आपके हर एक वोट से देश और ओडिशा का भविष्य बेहतर होगा।

इस लोकसभा और राज्य के विधानसभा चुनाव में आपके पास डबल इंजन की सरकार चुनने का अवसर है। आपके आशीर्वाद से अबकी बार 400 पार का लक्ष्य पूरा होगा।

ओड़िशा में केंद्र सरकार की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए जरूरी है कि राज्य में भाजपा की डबल इंजन की सरकार बने. उन्होंने कहा, की देश में जिस तरह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को लेकर उत्साह हैं, उससे चुनाव के परिणाम का संकेत मिल गया है.

उन्होंने कहा राज्य में नवीन बाबू की सरकार ने विकास को लेकर जरा भी गंभीर नहीं है. राज्य में गरीब, मज़दूर, आदिवासी, पिछड़े, युवा और किसान का कल्याण सिर्फ भाजपा सरकार कर सकती है।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

2011 के बाद जनगणना ही नहीं हुई फिर कैसे पता किसकी आबादी बढ़ी

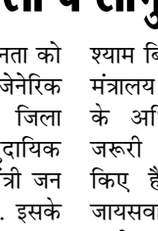

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी के बयानों से साफ हो गया कि लोकसभा चुनाव के तीन चरणों में आधे से अधिक सीटों पर हुये मतदान के बाद तय हार से वे डर गये है। मोदी ने अपना मानसिक संतुलन खो बैठे है इसीलिये प्रधानमंत्री के बयानों के स्तर गिरते जा रहे है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 10 सालों में जिस अडानी के लिये देश की सरकार चलाया, 10 सालों में जिस अडानी की संपत्ति के बढ़ाने में मदद किया, जिस अडानी को देश की 80 प्रतिशत निजी कोयला खदानों, लौह अयस्क खदानों को सौंप दिया, जिस अडानी के हिडन बर्ग घोटाले पर पर्दा डालने के लिये संसद के 150 सांसदों को निलंबित तक कर दिया, प्रधानमंत्री उसी अडानी-अंबानी के नाम लेकर प्रधानमंत्री भाषण देने को मजबूर हो गये। 16 लाख करोड़ रू. जिन उद्योगपति मित्रों का माफ किया अब प्रधानमंत्री उन्हीं को कोस रहे यह प्रधानमंत्री का डर दिखता है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा और मोदी अपने आर्थिक सलाहकार से बयान दिलवा कर देश की जनता में मुस्लिमों की आबादी का भय दिखा कर वोट हासिल करना चाह रहे है। जब 2011 के बाद देश की जनगणना ही नहीं हुई है, 2022 में मोदी सरकार ने जनगणना करवाया ही नहीं फिर कैसे दावा कर रहे कि मुस्लिमों की आबादी बढ़ गयी.

अनिल टुटेजा ने एफआईआर को दी चुनौती

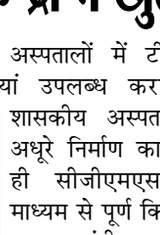

रायपुर। शराब घोटाला मामले में आरोपी पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा ने ईडी की ओर से दर्ज की गई एफआईआर को चुनौती दी है. टुटेजा की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट सिध्दार्थ अग्रवाल ने बहस की तो वहीं शासन की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी बुधवार को हाईकोर्ट में पेश हुए. दोनों तरफ से बहस अधूरी रही. अब मामले में अगली सुनवाई गर्मी की छुट्टी के बाद जून में होगी. बता दें कि अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश टुटेजा के खिलाफ 17 जनवरी 2024 को एंटी करप्शन ब्यूरो ने एफआईआर दर्ज की थी, जिसके खिलाफ दोनों ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल पिटीशन लगाई है. मामले की पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने सुनवाई के बाद एक अप्रैल को याचिकाकर्ताओं के विरुद्ध कोई भी प्रतिकूल कार्रवाई करने पर आगामी आदेश तक रोक लगाई थी. इस मामले में जांच पर रोक के लिए डिवीजन बेंच में अपील की गई. मामले में हाईकोर्ट ने स्थगन देने से इनकार करते हुए कहा कि 71 व्यक्तियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 और 12 और भादवि की धारा 420, 467, 468, 471 और 120 बी के तहत अपराध दर्ज हुआ था.

क्या सौ करोड़ ज्यादा होने के बाद भी हिंदुओं को डरना चाहियेः बिस्सा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के पूर्व मिडिया प्रभारी व प्रवक्ता राजेश बिस्सा ने भाजपा द्वारा हिंदु मुस्लिम जनसंख्या के अनुपातिक प्रतिशत को लेकर जिस तरह देश में हिंदुओं के मन में डर व नफरत का माहोल पैदा किया जा रहा है वह निंदनीय है। केंद्र सरकार को लोगों के मध्य घूम रहे हिंदु मुस्लिम जनसंख्या के फर्जी आंकड़ों पर वस्तुस्थिति स्पष्ट कर समाज में फैलाये जा रहे नफरती माहौल को रोकने की दिशा में सख्त कदम उठाना चाहिये बिस्सा ने कहा कि आज आजादी के 77 साल बाद देश की जनसंख्या लगभग 150 करोड है जिसमें से अनुमानित 125 करोड हिंदू व अन्य व 25 करोड मुसलमान है । इस तरह हिंदू 100 करोड ज्यादा है । एक सामान्य सा आंकलन करें तो हिंदुओं व अन्य की जनसंख्या जो आजादी के समय मुस्लिमों से सिर्फ 20 करोड से ज्यादा थी वो आज बढ़कर अब 100 करोड ज्यादा हो गई है । जबकि प्रचारित किया जा रहा है कि हिंदुओं की संख्या कम हो रही है। देश का प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार सहित 8 राज्यों में भाजपा की सरकार है। इसी तरह 9 प्रदेशों में सहयोगियों के साथ भाजपा की सरकार है। उसके बाद भी हिंदुओं में डर का माहौल पैदा करना दु:खद है। काम के आधार पर जन मानस को अपने तरफ आकर्षित करने में असफल भाजपा का यह एजेण्डा शर्मनाक है । आम जन मानस यह समझने लगी है कि नफरत से भरे अपने को हिंदूवादी कहने वाले नेताओं के चक्कर में तो जीवन डरते - डरते ही निकल जायेगा।

नए सत्र से 'न्योता भोजन' योजना बनेगी और अधिक प्रभावी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में बेहतर शिक्षा के साथ बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई न्योता भोजन योजना को आगामी शैक्षणिक सत्र से और अधिक प्रभावी बनाने के लिये सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को वार्षिक कैलेण्डर बनाने निर्देश दिए गए हैं, जिससे सभी शालाओं में बच्चों को माह में कम से कम 2 बार न्योता भोजन का लाभ मिल सके। इस योजना के माध्यम से बच्चों को पौष्टिक भोजन मिलने के साथ-साथ स्थानीय समुदाय की योजना में सहभागिता भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 21 फरवरी 2024 को अपना जन्म दिवस जशपुर जिला स्थित अपने गृह ग्राम बगिया में बालक आश्रम में बच्चों के बीच मनाते हुये बच्चों के साथ भोजन कर न्योता भोजन की शुरूआत की है। योजना के प्रारम्भ होने के पश्चात राज्य में अनेक जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों के द्वारा राज्य की शालाओं में न्योता भोजन का आयोजन किया जा रहा है। अब तक राज्य में 17 हजार से अधिक न्योता भोजन का आयोजन किया जा चुका है जिसमें 11 लाख से अधिक बच्चे लाभांवित हुये है। न्योता भोजन की अवधारणा भारत सरकार की प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तिथि भोजन कार्यक्रम पर केन्द्रित है। यह योजना सामुदायिक भागीदारी, विभिन्न त्यौहारों या अवसरों जैसे वर्षगांठ, जन्मदिन, विवाह और राष्ट्रीय पर्व आदि पर बड़ी संख्या में लोगों को भोजन प्रदान करने की भारतीय परम्परा पर आधारित है। छत्तीसगढ़ में भोजन हेतु आमंत्रित करने को न्योता कहा जाता है।

अडानी-अंबानी के नाम पर कांग्रेस में छाए इस सन्नाटे का सबब देश जानना चाहता है - केदार गुप्ता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने अडानी-अंबानी के नाम पर लगातार किए जा रहे प्रलाप पर कांग्रेस नेताओं द्वारा एकाएक चुप्पी साधने पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि अडानी-अंबानी के नाम पर कांग्रेस में छाए इस सन्नाटे का सबब देश जानना चाहता है। श्री गुप्ता ने कहा कि पिछले पाँच वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ इन नामों को लेकर कांग्रेस का हर मुँह अनर्गल प्रलाप कर रहा था और अब कांग्रेसियों की चुप्पी बता रही है कि कांग्रेस की पूरी दाल ही काली हो चुकी है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि कुछ दिन पहले तक कांग्रेस नेता चाहे राहुल हों, चाहे खड़गे हों, चाहे प्रियंका हों, चाहे सोनिया हों या फिर स्वयं भूपेश बघेल हों, लगातार अडानी-अंबानी के बहाने सरगुजा में कोल प्लांट और पेड़ कटाई की बात को लेकर बेसुरा ढोल पीटते घूम रहे थे, प आजकल खामोश हो गए हैं। अचानक इस खामोशी का कारण किसी को समझ नहीं आया, इसलिए प्रश्न उठना लाजिमी है । अडानी-अंबानी अब कहां चले गए? क्यों कांग्रेसी उनका नाम नहीं ले रहे हैं? दाल में कुछ काला तो है। अब कांग्रेसी इधर-उधर की बातें न करें और देश को अडानी-अंबानी के मामले में अपनी चुप्पी पर कांग्रेसियों को जवाब देना पड़ेगा।

जिला अस्पतालों व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में खुलेंगे प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रः जायसवाल

रायपुर। प्रदेश की जनता को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयों के लिए सभी जिला अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोले जाएंगे. इसके अलावा जनहित में आवश्यक उपकरणों की खरीदी सीजीएमएससी के अलावा जैम पोर्टल से भी की जा सकेगी. इस बात के निर्देश स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अधिकारियों को दिए. प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज मंत्रालय महानदी भवन में विभाग के अधिकारियों को जरूरी निर्देश जारी किए हैं. इस दौरान जायसवाल ने प्रदेश के सभी अस्पतालों में दवाइयों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए पर्याप्त मात्रा में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं.

जायसवाल ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि प्रदेश के सभी अस्पतालों में टीबी की दवाइयां उपलब्ध कराये एवं शासकीय अस्पतालों के अधूरे निर्माण कार्य जल्द ही सीजीएमएससी के माध्यम से पूर्ण किए जाएं. स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विभाग के सभी बड़े अधिकारियों को हर सप्ताह 3 अस्पतालों के निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए हैं. स्वास्थ्य मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे आयुष्मान भारत योजना एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत मरीजों को शत प्रतिशत मिलने वाले लाभ को सुनिश्चित करें. जायसवाल ने कहा है कि प्रदेश में आयुर्वेद के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है, मरीजों के हितों को देखते हुए रायपुर में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान खोलने की पहल की जाएगी और इसके लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भी भेजा जाएगा. जायसवाल ने स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए इनोवेशन स्कीम्स, ड्रोन डिलीवरी जैसी योजनाओं को बढ़ावा देने की बात कही है, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों में भी त्वरित और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके. बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, विशेष सचिव चंदन कुमार, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ऋचुराज रघुवंशी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध संचालक जगदीश सोनकर, आयुष की प्रबंध संचालक सुइफ्फत आरा तथा सीजीएमएससी की प्रबंध संचालक पद्मिनी भोई उपस्थित थीं.

भगवान परशुराम जन्मोत्सव आज, निकलेगी शोभायात्रा, होंगे विविध आयोजन

रायपुर। प्रांतीय अंखड ब्राह्मण समाज बिरगांव ईकाई की आम बैठक बिरगांव में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री मती भारती किरण शर्मा दिशानिर्देश पर पं. हेमलाल शर्मा ने की बैठक में बिरगांव नगर-निगम क्षेत्र सहित ग्राम उरला, सरोरा, अछोली, रावांभठा, उरकुरा, भनपुरी, गोंदवारा क्षेत्र के ब्राह्मण प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 12 मई दिन रविवार को आराध्य देव भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव कार्यक्रम पूरी श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम को श्रद्धाभाव से मनाने हेतु विभिन्न क्रियाशील समितियों का गठन किया गया । पं.मेघराज तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम के अनुसार 12 मई दिन रविवार अक्षय तृतीय के उपलक्ष्य पर भगवान श्री परशुराम जी के जन्म उत्सव पर दोपहर तीन बजे सगुन मैरिज पैलेस मेन रोड बिरगांव से भगवान भोलेनाथ मनोकामना मंदिर तक एवं वापिस सगुन मैरिज पैलेस शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 3बजे से श्री गणेश भगवान श्री परशुराम पुजा एवं एक जोड़ी वैवाहिक कार्यक्रम एवं आदर्श विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न होगा प्रांगण में स्थित भगवान श्री परशुराम जी के समक्ष में सगुन मैरिज पैलेस में आयोजित होगा। उसके बाद सायं साढ़े पांच बजे से सात बजे शाम तक अथिति उद्बोधन संध्या एवं विशेष शोभायात्रा प्रवचन कार्यक्रम आयोजित होगा। तत्पश्चात भंडारा प्रसाद कार्यक्रम प्रभु ईच्छा तक आयोजित होगा। बैठक में प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज बिरगांव इकाई के अध्यक्ष पं.हेमलाल शर्मा, नारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष, चंद्र किरण पाठक महासचिव बंसत शर्मा, मुख्य संरक्षक नान्हूधरदीवान, कोषाध्यक्ष, सुर्याकान्त शर्मा, प्रधान युवा प्रकोष्ठ, विपिन तिवारी, कौशल शर्मा , जय प्रकाश दिवान , राजेंद्र शर्मा, राकेश शर्मा, पंकज शर्मा, विजय शर्मा आदि उपस्थित थे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.